हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
(2014–2015 से प्रभावी)

एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

चतुर्थ सत्रार्ध (Fourth Semester)

त्रयोदश प्रश्न–पत्र

(क) कुमाउनी साहित्य : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. सं0 डॉ0 दिवा भट्ट : **पछ्याण**, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
2. डॉ0 शेरसिंह बिष्ट : **इजा**। (व्याख्या हेतु– 1. बा्ट, 2. चाणै में छुँ, 3. का्स छी उँ मैंस, 4. रितु बदव, 5. हे राम, 6. गौं–घर, 7. शहरी गौंक दुदी, 8. उन दिन, 9. नई सुराज, 10. इजा।) प्रकाशक : गोपेश प्रकाशन, अल्मोड़ा।
3. बहादुर बोरा 'श्रीबंधु' : **मन्याडर**, कुमाउनी भाषा–साहित्य प्रचार–प्रसार समिति, अल्मोड़ा।
4. डॉ0 शेरसिंह बिष्ट : **मन्खि,** अविचल प्रकाशन, बिजनौर (उ0प्र0)।
5. सं0 दामोदर जोशी : **आपण पन्यार**, जगदम्बा कम्प्यूटर्स, कालाढूँगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल)।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
2. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
3. कुमाउनी (सहभाषा श्रृंखला)– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।

4. उत्तराखण्ड के रचनाकार एवं रचनाएँ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स,
दिल्ली।
5. कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरे : विविध संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
6. कुमाऊँ हिमालय : समाज एवं संस्कृति– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी।
7. कुमाउनी–हिंदी कहावत कोश– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
8. कुमाउनी लोकसाहित्य, संस्कृति, भाषा एवं साहित्य– डॉ0 पुष्पलता भट्ट, नीलकमल प्रकाशन,
दिल्ली।

अथवा

(ख) उत्तराखण्ड के हिंदी कवि

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्यपुस्तक :
उत्तराखण्ड के हिंदी कवि (1. गुमानी 2. चंद्रकुँवर बर्त्वाल 3. लीलाधर जगूड़ी 4. मंगलेश डबराल, 5. वीरेन डंगवाल 6. हरीशचंद्र पाण्डेय)– संपा0 प्रो0 दिवा भट्ट, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :
1. उत्तराखण्ड के रचनाकार एवं रचनाएँ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
2. उत्तरांचल : भाषा एवं साहित्य का संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स,
दिल्ली।

3. उत्तराखण्ड के रचनाकार और उनका साहित्य– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।
4. उत्तराखण्ड के रचनाकार : मेरा रचना संसार– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।

अथवा

(ग) उत्तराखण्ड के हिंदी कथाकार :

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :
(क) उपन्यासकार :
1. मनोहरश्याम जोशी : **कसप** (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रमेशचंद्र शाह : **गोबर गणेश** (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
(ख) कहानी–संग्रह :
3. **पाँच कहानियाँ** (1. दुष्कर्मी– इलाचन्द्र जोशी, 2. रज्जो– रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 3. हलवाहा– शेखर जोशी, 4. बीच की दरार– गंगाप्रसाद 'विमल', 5. अ–रचित– दिवा भट्ट)– संपा0
डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, प्रकाश प्रकाशन, चौघानपाटा, अल्मोड़ा।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :
1. उत्तराखण्ड के रचनाकार एवं रचनाएँ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
2. उत्तरांचल : भाषा एवं साहित्य का संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स,
दिल्ली।
3. उत्तराखण्ड के रचनाकार और उनका साहित्य– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।

4. उत्तराखण्ड के रचनाकार : मेरा रचना संसार– (सं0) डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।
5. साहित्य सृजन के कुछ संदर्भ– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
6. साहित्य प्रसंग : विचार और विश्लेषण– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
7. मनोहरश्याम जोशी का उपन्यास साहित्य– डॉ0 ममता पंत, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
8. रमाप्रसाद घिल्डियाल पहाड़ी के कथा साहित्य में मानव मूल्य– डॉ0 बचन लाल, विजया बुक्स,
शहादरा नई दिल्ली।
9. कुमाऊँ के प्रमुख कहानीकार और उनका कहानी साहित्य– डॉ0 चंद्रकला वर्मा, अंकित प्रकाशन,
हल्द्वानी।
10. रमेशचंद्र शाह और उनका रचना संसार– डॉ0 माया जोशी, आधारशिला प्रकाशन, हल्द्वानी नैनीताल।

अथवा

चतुर्दश प्रश्नपत्र

(घ) लोक साहित्य

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्यक्रम :
1. लोक और लोक–वार्त्ता, लोक–विज्ञान।
2. लोक संस्कृति और साहित्य
3. लोक साहित्य का स्वरूप
4. अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।
5. लोक साहित्य की अध्ययन–प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।
6. लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण : लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियाँ, लोक संगीत।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(3) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. उत्तराखण्डः लोकसंस्कृति और साहित्य– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इण्डिया।
2. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
3. कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरे : विविध संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
4. कुमाउनी (सहभाषा श्रृंखला)– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
5. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी,
6. लोकसाहित्य विज्ञान– डॉ0 सत्येन्द्र, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

अथवा

(ङ) कुमाउनी लोक साहित्य

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. सं0 देवसिंह पोखरिया : **न्यौली सतसई,** (व्याख्या हेतु प्रारंभ के 300 छंद), कंसल बुक डिपो, नैनीताल।
2. सं0 देवसिंह पोखरिया : **कुमाउनी लोक साहित्य**, (व्याख्या हेतु न्यौली को छोड़कर सभी लोकगीत)
   मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद्, भोपाल।
3. डॉ0 प्रयाग जोशी : **कुमाउनी लोक गाथाएँ** (प्रथम भाग) (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 6 लोकगाथाएँ),
   किशोर एण्ड संस, देहरादून ।
4. डॉ0 प्रभा पंत : **कुमाउनी लोककथा,** (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 10 लोककथाएँ), अल्मोड़ा बुक डिपो,
   अल्मोड़ा।
5. डॉ0 कृष्णानंद जोशी : **कुमाऊँ का लोक साहित्य**, (व्याख्या हेतु केवल धार्मिक गीत), प्रकाश बुक
   डिपो, बरेली।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
2. कुमाउनी लोक साहित्य तथा कुमाउनी साहित्य– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
3. उत्तराखण्ड : लोकसंस्कृति और लोक साहित्य– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इण्डिया।
4. कुमाउनी लोकगीतों में छंद योजना– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
5. उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ– डॉ0 दिवा भट्ट, प्रकाश प्रकाशन, अल्मोड़ा।
6. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी, (नैनीताल)।
7. कुमाउनी कहावतें एवं मुहावरे : विविध संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
8. कुमाऊँ हिमालय : समाज एवं संस्कृति– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (नैनीताल)।

अथवा

(च) भारतीय साहित्य

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यक्रम :

प्रथम खंड :

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
4. भारतीयता का समाजशास्त्र
5. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

द्वितीय खंड :

1. दाक्षिणात्य भाषा वर्ग : मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़।
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग : उड़िया, बँगला, असमिया, मणिपुरी।
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग : मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, उर्दू।

तृतीय खंड

1. बँगला साहित्य और हिंदी
2. मलयालम साहित्य और हिंदी
3. मराठी साहित्य और हिंदी

4. गुजराती और हिंदी

(नोटः उक्त भाषा वर्गों में विद्यार्थी किसी एक भाषा वर्ग के इतिहास का अध्ययन करेगा जो उसकी

प्रांतीय/क्षेत्रीय भाषा से भिन्न होगी।)

चतुर्थ खंड :

पाठ्यपुस्तकें :

1. अग्निगर्भ (बंगला)– महाश्वेता देवी
2. कोच्चिन के दरख्त (मलयालम)– के0जी0 शंकरपिल्लै
3. घासीराम कोतवाल (मराठी)– विजय तेंदुलकर
4. जसमा ओड़न (गुजराती)– शांता गाँधी

(नोट : उक्त पुस्तकों से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य– डॉ0 राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतीय काव्य–विमर्श– डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतीय काव्य में सर्वधर्म समभाव– डॉ0 नगेन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. दक्षिण भारत में हिंदी का अध्ययन–अध्यापन : विविध आयाम– आलोक पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. तेलुगू साहित्य : संदर्भ और समीक्षा– डॉ0 एस0टी0 नरसिम्हाचारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. तेलुगु साहित्य का संक्षिप्त इतिहास एवं तुलनात्मक साहित्य– डॉ0 क्रांति मुदिराज, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य– इन्द्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. बंगला साहित्य का इतिहास– कल्याणी दास गुप्ता, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
9. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ0 इकबाल अहमद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. भारतीय साहित्य– मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. मराठी भाषा और साहित्य– राजमल बोरा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
12. हिंदी और गुजराती नाट्य साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन– रणवीर उपाध्याय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

पंचदश प्रशन–पत्र

विशिष्ट अध्ययन

(क) प्रेमचंद :

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. रंगभूमि
2. कुछ विचार
3. मानसरोवर भाग –1

(**टिप्पणी** : प्रेमचंद का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तकों का संदर्भ केवल व्याख्या के लिए है।)

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कथाकार प्रेमचंद– डॉ0 जाफ़र रजा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शिल्प– डॉ0 शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रेमचंद और भारतीय समाज– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन– नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. प्रेमचंद और भारतीय किसान– प्रो0 रामबक्ष, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र– नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. प्रेमचंद : व्यक्तित्व और रचना–दृष्टि– दयानंद पाण्डे, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
9. प्रेमचंद के उपन्यास कथा संरचना– मीनाक्षी श्रीवास्तव, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
10. प्रेमचंद के आयाम– ए अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

अथवा

(ख) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :
रामचंद्र शुक्ल ग्रंथवाली :
(व्याख्या हेतु ग्रंथावली का केवल निबंध भाग)

अंक विभाजन :

(1) निबंध भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 25 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. आचार्य रामचंद्र शुक्लः प्रस्थान और परम्परा– डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी आलाचेना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल– डॉ0 शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व– किशोरीलाल व्यास, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल– रामचंद्र तिवारी, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
5. रामचंद्र शुक्ल : एक पुनर्दृष्टि– नीलकमल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के इतिहास की रचना–प्रक्रिया– डॉ0 समीक्षा ठाकुर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का निबंध साहित्यः एक अध्ययन– डॉ0 रूपा आर्या, पब्लिशिंग एण्ड इंस्टीट्यूट, दिल्ली।

अथवा

(ग) कबीरदास

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :
संपा0 श्यामसुंदर दास : **कबीर ग्रंथावली**। (व्याख्या हेतु साखी भाग और आंरभिक 100 पद)।
टिप्पणी : कबीरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक

(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. युगद्रष्टा कबीर– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी (नैनीताल)।
2. कबीर चिंतन– ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कबीर मीमांसा– डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कबीर : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. कबीर की चिंता– बलदेव वंशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. कबीर का लोकतात्विक चिंतन– सुखबिन्दर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. कबीरदास : विविध आयाम– प्रभाकर श्रोत्रिय (सं0) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

अथवा

(घ) सूरदास

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

संपा0 धीरेन्द्र वर्मा : **सूरसागर सार**।

टिप्पणी : सूरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी : 3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. महाकवि सूरदास– नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सूरदास : एक अध्ययन– अश्विनी पराशर, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
3. सूरसागर और कृष्णगाथा : एक अध्ययन– चरियान जार्ज, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
4. वैष्णव धर्म संप्रदायों के दार्शनिक सिद्धांत और कृष्ण भक्तिकाव्य– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ईस्टर्न बुक लिंकर्स दिल्ली।
5. सूरदास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6. सूरदास– डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
7. सूर की काव्यकला– मनमोहन गौतम।
8. सूर सूर, तुलसी ससी– डॉ0 राकेशगुप्त, ग्रंथायन, अलीगढ़।

अथवा

(ङ) सुमित्रानंदन पंत

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

चिदंबरा– सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

अथवा

तारापथ– सुमित्रानंदन पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

टिप्पणी : सुमित्रानंदन पंत का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तकों से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. सुमित्रानन्दन पंत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
2. सुमित्रानन्दन पंत के साहित्य का ध्वनिवादी अध्ययन– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ग्रंथायन, अलीगढ़।
3. पंत का उत्तर काव्य– मीरा श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. पंतजी का गद्य– सूर्यप्रसाद दीक्षित, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
5. सुमित्रानंदन पंत : व्यक्ति और कवि, सी0डी0 वशिष्ठ, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
6. पंत का काव्य शिल्प– शिवपालसिंह, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
7. सुमित्रानंदन पंत– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

अथवा

(च) विशिष्ट युग प्रवृत्ति का अध्ययन (छायावाद)

पूर्णांक : 100 (75+25)
निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :
माखनलाल चतुर्वेदी : **आधुनिक कवि** : प्रारंभिक 10 कविताएँ
रामकुमार वर्मा : **10 कविताएँ**
मुकुटधर पाण्डेय : **कश्मीर सुषमा**
जयशंकर प्रसाद : **लहर** : (अंतिम 3 कविताएँ)
सुमित्रानंदन पंत : **पल्लविनी** (प्रारंभिक 10 कविताएँ)
निराला : **अपरा** : (प्रारंभ की 10 कविताएँ)
महादेवी वर्मा : **यामा** : (आरंभिक 10 गीत)

अंक विभाजन :

(1) काव्य भाग से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. छायावादी कविता की आलोचनाः स्वरूप और मूल्यांकन– ओमप्रकाश सिंह, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
3. छायावाद और उसके कवि– इन्द्रराज सिंह, तक्षशिला, प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रसाद का काव्य– प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान– डॉ0 केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. छायावाद दर्पण– शुभदा वांजपे, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. जयशंकर प्रसाद : सृष्टि और दृष्टि– डॉ0 कल्याणमल लोढ़ा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
8. सुमित्रानंनद पंत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
9. साहित्य और समालोचना– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

अथवा

(छ) हिंदी पत्रकारिता

पूर्णांक : 100 (75+25)

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ।
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।
4. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व– समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
5. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत– शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।
7. दृश्यों सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्रॉफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।
10. पत्रकारिता से संबंधित लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।
11. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता : रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।
12. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ–सज्जा।
13. पत्रकारिता का प्रबंधन– प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।
14. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार।
15. मुक्त प्रेस की अवधारणा।
16. लोक–संपर्क तथा विज्ञापन।
17. प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
18. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
19. प्रजातंत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न : 3 X 15 = 45 अंक
(3) चार लघूत्तरीय प्रश्न : 4 X 5 = 20 अंक
(4) 10 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन पत्रकारिता संबंधी प्रायोगिक कार्य (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता– डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास– अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी पत्रकारिता हमारी विरासत (दो खण्ड)– शंभुनाथ (सं0), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मीडिया और लोकतंत्र– डॉ0 रवीन्द्र नाथ मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. साहित्यिक पत्रकारिता– ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. संचार माध्यम लेखन– गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. विज्ञान पत्रकारिता– डॉ0 मनोज पटैरिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. पत्रकारिता के नए आयाम– एस0के0 दुबे, लोकभारती, प्रकाशन इहालाबाद।
10. पत्रकारिता के विविध आयाम– राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम– संजीव भानावत, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
13. संचार और पत्रकारिता के विविध आयाम– ओमप्रकाश सिंह, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
14. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया– डॉ0 सुधीर सोनी, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
15. आधुनिक समाचार पत्र प्रबंधन– अनिल कुमार पुरोहित, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर।
16. व्यावहारिक हिन्दी– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

अथवा

(ज) अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग

पूर्णांक : 100 (75+25)

1. अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ।
2. अनुवाद का स्वरूप : अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प।
3. अनुवाद की इकाई : शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।
4. अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद–प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ–संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद–प्रक्रिया की प्रकृति।
5. अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत।
6. अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार : कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।
7. अनुवाद की समस्याएँ : सुजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि–साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।
8. अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि।

9. अनुवाद : पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।
10. मशीनी अनुवाद।
11. अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य।
12. अनुवादक के गुण।
13. पाठ की अवधारणा और प्रकृति : पाठ शब्द, प्रति शब्द।
    शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।
14. व्यावहारिक अनुवाद : प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रेजी अवतरण का हिंदी अनुवाद।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन : व्यावहारिक अनुवाद :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य– डॉ0 रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपेरखा– डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. अनुवाद–कार्यदक्षता : भारतीय भाषाओं की समस्याएँ– महेन्द्रनाथ दुबे (सं.), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भारतीय भाषाएँ और हिंदी अनुवाद समस्या समाधान– डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग– जी0 गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. अनुवाद की समस्याएँ– जी0 गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. अनुवाद के विविध आयाम– डॉ0 पूरनचंद्र टण्डन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

अथवा
(झ) लघु शोधप्रबंध

पूर्णांक : 100

टिप्पणी : जिन संस्थागत विद्यार्थियों ने एम0ए0 पूर्वार्द्ध (हिंदी) परीक्षा में 55 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों, वे पंचदश प्रश्नपत्र के विकल्प में विभागाध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट विभागीय प्राध्यापक के निर्देशन में लघु–शोध प्रबंध प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसका मूल्यांकन निर्देशक तथा बाह्य परीक्षक द्वारा पचास–पचास अंकों में किया जाएगा। लघु शोध–प्रबंध का टंकित कलेवर यथासंभव सौ पृष्ठों से अधिक का नहीं होना चाहिए।

लघु–शोध–प्रबंध को लिखित परीक्षा प्रारंभ होने से पन्द्रह दिन पूर्व निर्देशक के माध्यम से एक प्रतिलेख के लिए संबंधित संस्था के हिंदी विभागाध्यक्ष के कार्यालय में तथा दो प्रतियाँ कुलसचिव (परीक्षा) कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में संबंधित विद्यार्थी को जमा करनी होगी।

षोडश प्रश्न–पत्र :

मौखिकी : **पूर्णांक : 100**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

टिप्पणी : एम0ए0 पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध (हिंदी) के पाठ्यक्रम के आलोक में लिखित परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् हिंदी विभाग में निर्धारित तिथि को मौखिक परीक्षा संपन्न होगी, जिसकी सूचना परीक्षार्थियों को विभाग द्वारा दी जाएगी। मौखिकी के समय समस्त परीक्षार्थियों को एम0ए0 पूर्वार्द्ध की अपनी मूल अंक–तालिका परीक्षकों के समक्ष अवलोकनार्थ अनिवार्यतः प्रस्तुत करनी होगी।

(प्रो0 एस0एस0बिष्ट)

अध्यक्ष एवं संयोजक
हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय
एस0एस0जे0 परिसर, अल्मोड़ा

एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

तृतीय सत्रार्ध (Third Semester)

नवम प्रश्न–पत्र

आधुनिक हिंदी काव्य (छायावादोत्तर) : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. रामधारी सिंह दिनकर : **उर्वशी** (व्याख्या के लिए केवल तृतीय सर्ग)। प्रकाशक : उदयांचल प्रकाशन, राजेन्द्र नगर, पटना।
2. वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' : **नागार्जुन' की प्रतिनिधि कविताएँ,** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. संपादक : डॉ0 मधुबाला नयाल : **समय राग**। (व्याख्या हेतु सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, अशोक वाजपेयी, लीलाधर जगूड़ी और अरुण कमल की सभी रचनाएँ), ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. उर्वशी : विचार और विश्लेषण– डॉ0 वचनदेव कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
2. दिनकर की उर्वशी– रमाशंकर तिवारी।
3. छायावादोत्तर हिंदी कविता : एक अंतर्यात्रा– डॉ0 मधुबाला नयाल, ग्रंथायन, अलीगढ़।
4. छायावादोत्तर हिन्दी कविता के प्रतिमान– डॉ0 निर्मला ढैला बोरा, आधारशिला प्रकाशन, हल्द्वानी।
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ– डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आधुनिक कविता यात्रा– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. साहित्य और समालोचना– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. साहित्य प्रसंग : विचार और विश्लेषण– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

9. लिखत–पढ़त– डॉ0 शिरीष कुमार मौर्य, शाइनिंग स्टार एवं अनुनाद, रामनगर (नैनीताल)।
10. कई उम्रों की कविता– डॉ0 शिरीष कुमार मौर्य, एससीएफ 267, सेक्टर 16, पंचकूला, हरियाणा।
11. ख़्वाब की तफ़सील– डॉ0 शिरीष कुमार मौर्य, एससीएफ 267, सेक्टर 16, पंचकूला, हरियाणा।
12. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी।
13. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब–विधान का विकास– केदारनाथ सिंह।
14. कविता के नए प्रतिमान– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

दशम प्रश्न–पत्र

भाषा विज्ञान : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. भाषा और भाषा विज्ञान : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता।
2. स्वन प्रक्रिया : स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।
3. रूपप्रक्रिया : रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त–आबद्ध, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ–अवयव विश्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना।
4. अर्थविज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ–परिवर्तन।

अंक विभाजन

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न : 3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न : 5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक भाषा विज्ञान– डॉ0 राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भरतीय भाषा विज्ञान– आचार्य किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भाषा, भाषा विज्ञान और राजभाषा हिंदी– महेन्द्रनाथ दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. आधुनिक भाषा विज्ञान– कृपाशंकर सिंह/चतुर्भज सहाय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत– रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आधुनिक भाषा विज्ञान– भोलानाथ तिवारी, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।

एकादश प्रश्न–पत्र

निबंध एवं स्मारक साहित्य : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. नीरजा टंडन : **हिंदी के सर्वश्रेष्ठ निबंध,** शाइनिंग स्टार पब्लिकेशन, रामनगर (नैनीताल)।
2. महादेवी वर्मा : **पथ के साथी**, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्ट : **स्मारक साहित्य संग्रह**, तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी स्मारक साहित्य– डॉ0 केशवदत्त रुवाली एवं डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, तारामण्डल, अलीगढ़।
1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का निबंध साहित्य : एक अध्ययन– डॉ0 रूपा आर्या, पब्लिशिंग एण्ड इंस्टीट्यूट दिल्ली।
2. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ– डॉ0 निर्मला ढैला एवं डॉ0 रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़।

द्वादश प्रश्नपत्र

(क) हिंदी भाषा : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत : शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।
2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार : हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ, कुमाउनी और गढ़वाली की विशेषताएँ।
3. हिंदी का भाषिक स्वरूप : हिंदी शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूपरचना–लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप, हिंदी वाक्य–रचना, पदक्रम और अन्विति।
4. हिंदी के विविध रूप : सपंर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यमभाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति।
5. हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ : आँकड़ा–संसाधन और शब्द–संसाधन, वर्तनी–शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा–शिक्षण।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप– डॉ0 राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी भाषा की संरचना– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी भाषा का इतिहास– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास– डॉ0 उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. हिंदी भाषा एवं साहित्य : एक अंतर्यात्रा– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

अथवा

(ख) कुमाउनी भाषा :

पूर्णांक : 100 (75+25)

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. कुमाऊँ शब्द की व्युत्पत्ति : विभिन्न मत, कुमाऊँ शब्द की मानक वर्तनी।
2. कुमाउनी भाषा का उद्‌भव और विकास, कुमाउनी भाषी क्षेत्र, कुमाउनी की विविध बोलियाँ, पूर्वी कुमाउनी और पश्चिमी कुमाउनी में अंतर।
3. कुमाउनी का व्याकरणिक स्वरूप : वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी, लिपि।
4. कुमाउनी शब्द संपदा (शब्दसमूह), इतिहास तथा रचना के आधार पर कुमाउनी शब्दों का वर्गीकरण, कुमाउनी में कोश विषयक कार्य।
5. कुमाउनी और अन्य आधुनिक भारतीय भाषाओं में पारस्परिक आदान–प्रदान : कुमाउनी–गढ़वाली, कुमाउनी–राजस्थानी, कुमाउनी–मराठी, कुमाउनी–बंगाली, कुमाउनी–गुजराती, कुमाउनी–नेपाली।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कुमाउनी भाषा और साहित्य का उद्‌भव एवं विकास– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

2. कुमाउनी (सहभाषा श्रृंखला)– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
3. कुमाऊँ हिमालय की बोलियों का सर्वेक्षण– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
4. उत्तरांचलः भाषा एवं साहित्य का संदर्भ– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इण्डियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
5. कुमाउनी भाषा का उद्भव और विकास और उसका भाषा वैज्ञानिक अध्ययन– डॉ0 देवसिंह पोखरिया एवं डॉ0 भगतसिंह, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
6. कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
7. कुमाउनी की उपबोली अस्कोटी का व्याकरण– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
8. कुमाउनी, गुजराती मराठी कोश– डॉ0 चंद्रकला रावत, कंसल बुक डिपो, नैनीताल।
9. कुमाउनी, गुजराती और मराठी समस्रोतीय–समानार्थी शब्दकोश– डॉ0 चंद्रकला रावत, ग्रंथायन, सर्वोदय नगर, सासनी गेट, अलीगढ़।
10. कुमाउनी भाषा और संस्कृति– डॉ0 केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।

एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

द्वितीय सत्रार्ध (Second Semester)

पंचम प्रश्न–पत्र

आधुनिक हिंदी काव्य (छायावाद तक) : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. जगन्नाथदास 'रत्नाकर' : **उद्धत शतक** (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 पद), नागरी प्रचारिणी सभी काशी।
2. मैथिलीशरण गुप्त : **साकेत** (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, चिरगाँव झाँसी।
3. जयशंकर प्रसाद : **कामायनी** (व्याख्या के लिए केवल श्रद्धा और इड़ा सर्ग), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : **राग–विराग**, संपा0 रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए **'राम की शक्तिपूजा**), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।
5. सुमित्रानंदन पंतः **रश्मिबंध** (व्याख्या के लिए प्रारंभिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. महादेवी वर्मा : **संधिनी** (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।

अंक विभाजन

(1) उक्त सभी पाठ्य पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. मैथिलीशरण गुप्तः प्रासंगिकता के अंतःसूत्र– डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में अलंकार विधान– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, ग्रंथायन, अलीगढ़।
3. साकेत : एक अध्ययन– डॉ0 नगेन्द्र।
4. साकेत के नवम् सर्ग का काव्य वैभव– कन्हैया लाल।
5. मैथिलीशरण गुप्त का साहित्य– द्वारिका प्रसाद मीतल।
6. प्रसाद का काव्य– डॉ0 प्रेमशंकर, रामकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रसाद, निराला, अज्ञेय तथा कामायनी का पुनर्मूल्यांकन– रामस्वरूप चतुर्वेदी।
8. प्रसाद काव्य में ध्वनि तत्व– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली–7
9. प्रसाद, निराला–अज्ञेय– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. प्रसाद और वर्ड्सवर्थ के गीतिकाव्य का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ0 रंजना पोखरिया, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
11. कामायनी पर शैवदर्शन का प्रभाव– डॉ0 राजकुमार गुप्त।
12. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
13. कामायनी : एक पुनर्विचार– मुक्तिबोध।
14. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. निराला की साहित्य–साधना (भाग 1, 2 तथा 3)– रामविलास शर्मा।
16. निराला : आत्महंता व्यक्तित्व– दूधनाथ सिंह।
17. क्रांतिकारी कवि निराला– बच्चन सिंह।
18. सुमित्रानंदन पंत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
19. सुमित्रानंदन पंत के साहित्य का ध्वनिवादी अध्ययन– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ग्रंथायन, अलीगढ़।
20. महादेवी वर्माः नया मूल्यांकन– गणपति चंद्र गुप्त।
21. छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
22. छायावाद– डॉ0 रमेशचंद्र शाह।
23. छंदशास्त्र के सिद्धांत और छायावादी काव्य में छंद योजना (भागः 1–2)– डॉ0 देवसिंह पोखरिया,
अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
24. हिंदी भाषा एवं साहित्य : एक अंतर्यात्रा– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स,
दिल्ली।
25. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य– डॉ0 प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

षष्ठ प्रश्न–पत्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : **पूर्णांक : 100**
(75+25)
निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : संक्षिप्त परिचय, प्लेटो के काव्य सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन
सिद्धात एवं त्रासदी विवेचन, लोंजाइन्स : उदात्त की अवधारणा एवं भेद।
2. मैथ्यू आर्नल्ड : कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे : अभिव्यंजनावाद, आई0 ए0 रिचर्ड्स : काव्य
मूल्य, टी0 एस0 इलियट : कला की निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
3. वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा सिद्धांत, कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत।
4. विविध वाद : स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ0 तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा– डॉ0 निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. उदात्त के विषय में– डॉ0 निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार– देवीशंकर नवीन (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. शैलीविज्ञान– डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. शैली और शैली विश्लेषण– पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. उत्तर आधुनिकता : बहुआयामी संदर्भ– पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु,', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ– डॉ0 सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत– डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा– डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ– डॉ0 सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
12. अरस्तू का काव्यशास्त्र– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
13. बीसवीं शताब्दी की हिंदी आलोचना– डॉ0 निर्मला जैन।

14. साहित्यानुशीलन– डॉ0 राकेश गुप्त, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
15. काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. आधुनिक हिंदी साहित्य में आलोचना का विकास– डॉ0 राजकिशोर।

सप्तम प्रश्न–पत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) : **पूर्णांक : 100 (75+75)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : भारतेन्दु युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ ।
2. छायावाद : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
3. हिंदी गद्य साहित्य का विकास : नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।
4. हिंदी का स्मारक साहित्य : संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास– डॉ0 मधुवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 रामसजन पाण्डे, नील कमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह, नीलकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास– डॉ0 विश्नाथ त्रिपाठी, ओरियण्टल ब्लैक स्वान, हिमायतनगर, हैदराबाद।
5. हिंदी साहित्य का उत्तरवर्ती काल– सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 वियजेन्द्र स्नातक, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।

अष्टम प्रश्न–पत्र

हिंदी कथा एवं नाटक साहित्य : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. प्रेमचंद : **गोदान**, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
2. हिमांशु जोशी : **कगार की आग**, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
3. सं0 बटरोही : **हिंदी कहानी के नौ कदम**, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।
4. जयशंकर प्रसाद : **स्कन्दगुप्त**, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।
5. मोहन राकेश : **लहरों के राजहंस**, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।
6. संपा0 राकेश गुप्त एवं चतुर्वेदी : **एकांकी मानस** (संक्षिप्त संस्करण), ग्रंथायन, अलीगढ़।

अंक विभाजन :

(1) उक्त पुस्तकों में से **'गोदान', 'हिंदी कहानी के नौ कदम'** तथा **'स्कंदगुप्त'** से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी : 3 X 10 = 30 अंक

(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2 X 10 = 20 अंक

(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 3 = 15 अंक

(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक

(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कहानी के नये प्रतिमान– कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच– डॉ0 नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद : विरासत का सवाल– डॉ0 शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिमांशु जोशी का कथा साहित्य– डॉ अनिल सालुखे, नील कमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिंदी कहानीः पहचान और परख–डॉ0 इन्द्रनाथ मदान (सं.), भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
7. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान (सं0), भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
8. हिंदी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान (सं.), भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
9. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना– डॉ0 गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

10. हिंदी एकांकी– सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
12. स्कन्दगुप्त एक नया मूल्यांकन– डॉ0 राजकुमार गुप्त।
13. मोहन राकेश के नाटक– डॉ0 सुषमा ग्रेवाल।
14. प्रेमचंद की प्रासंगिकता– अमृत राय।
15. कहानी : नई कहानी– डॉ0 नामवर सिंह।
16. कहानी : रचना प्रक्रिया और स्वरूप– डॉ0 बटरोही।
17. कहानी : संवाद का तीसरा आयाम– डॉ0 बटरोही।
18. कहानी का रचना–विधान– डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव।
19. वर्तमान हिंदी महिला कथा–लेखन और दाम्पत्य जीवन– डॉ0 साधना अग्रवाल।
20. समकालीन कहानी– डॉ0 सविता मोहन।
21. गोदान : एक नव्यदृष्टि– डॉ0 शैलेश जैदी।

हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
एम0ए0 पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध का हिंदी पाठ्यक्रम
(2014–2015 से प्रभावी)
एम0ए0 पूर्वार्द्ध : हिंदी

एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

प्रथम सत्रार्ध (First Semester)

प्रथम प्रश्न–पत्र
आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य **पूर्णांक : 100**
(75+25)
निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :
1. अब्दुल रहमान : **संदेश रासक**, संपा0 डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रकम)
2. चंदवरदाई : **कयमास–वध**, संपा0 राजेश्वर चतुर्वेदी, प्रकाशन केन्द्र, सीतापुर रोड, लखनऊ।
3. **विद्यापति** : संपा0 शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल प्रार्थना एवं रूप वर्णन), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कबीरदास : **कबीर वाणी पीयूष,** संपा0 जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 50 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 10 पद केवल साखी भाग), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. मलिक मुहम्मद जायसी : **जायसी ग्रंथावली,** संपा0 रामचंद्र शुक्ल; (व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड)।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पाठ्य पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :
1. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य– डॉ0 नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. विद्यापति– डॉ0 शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. युगद्रष्टा कबीर– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी (नैनीताल)।
4. कबीर चिंतन– ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कबीर मीमांसा– डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. कबीर : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. जायसी : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. पद्मावत् का अनुशीलन– इन्द्रचंद्र नारंग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. सूफीमत और हिंदी सूफी काव्य– डॉ0 नरेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

द्वितीय प्रश्न–पत्र

सगुण काव्य एवं रीतिकालीन काव्य : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. सूरदास : **भ्रमरगीत सार :** संपा0 आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 100 तक), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. तुलसीदास : **विनयपत्रिका** : तुलसीदास (व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 100 तक), गीताप्रेस गोरखपुर।
3. केशवदास : **संक्षिप्त रामचन्द्रिका** : संपा0 डॉ0 रामचंद्र तिवारी। (व्याख्या हेतु प्रारंभिक पाँच प्रकाश– 1. मंगलाचरण, 2. अयोध्यापुरी वर्णन, 3. सीता स्वयंवर, 4. परशुराम संवाद, 5. वन मार्ग में राम), रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।
4. बिहारी : **बिहारी नवनीत** : संपा0 रवीन्द्र कुमार जैन (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 50 दोहे), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. घनानंद : **घनानंद कवित्त** : संपा0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 20 छंद)

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी पाठ्य पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. सूरदास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सूरदास– डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
3. सूर की काव्यकला– मनमोहन गौतम।
4. सूर सूर, तुलसी ससी– डॉ0 राकेशगुप्त, ग्रंथायन, अलीगढ़।
5. वैष्णव धर्म सम्प्रदायों के दार्शनिक सिद्धांत एवं कृष्ण भक्ति काव्य– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
6. कृष्णकथाः एक ऐतिहासिक अध्ययन– डॉ0 उमा भट्ट।
7. तुलसी की साहित्य साधना– डॉ0 लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

8. तुलसीदास– डॉ0 रामचंद्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. तुलसी काव्य–मीमांसा– डॉ0 उदयभानु सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. लोक कवि तुलसी– सरला शुक्ल, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
11. केशव और उनका साहित्य– डॉ0 विजयपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
12. केशवदास– डॉ0 विजयपालसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. बिहारी का नया मूल्यांकन– डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी– रामसागर त्रिपाठी।
15. बिहारी की वाग्विभूति– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
16. बिहारी का नया मूल्यांकन– डॉ0 बच्चनसिंह।

तृतीय प्रश्नपत्र

भारतीय काव्यशास्त्र : **पूर्णांक : 100 (75 +25)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. काव्यशास्त्र : परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य भेद।
2. काव्य संप्रदाय : रस संप्रदाय : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय, ध्वनि संप्रदाय, वक्रोक्ति संप्रदाय एवं औचित्य संप्रदाय।
3. हिंदी आलोचना : विकास, प्रमुख हिंदी आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत (आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 रामविलास शर्मा, डॉ0 नामवर सिंह)।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. भारतीय काव्यशास्त्र– डॉ0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. ध्वनि–सिद्धांत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. साहित्य और समालोचना– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. रीतिकालीन काव्यशास्त्रीय शब्दकोश– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, अभिनव प्रकाशन, आगरा।
5. रीतिकालीन साहित्यशास्त्र कोश– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
6. रीतिशास्त्र के प्रतिनिधि आचार्य– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

7. हिंदी समीक्षा में रससिद्धांत– डॉ0 नीरजा टण्डन, ग्रंथायन, सासनी गेट, अलीगढ़।
8. राकेश गुप्त का रस–विवेचन– डॉ0 नीरजा टण्डन, ग्रंथायन, सासनी गेट, अलीगढ़।
9. शैलीज्ञिान– डॉ0 नीरजा टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
10. काव्य शास्त्र के सिद्धांत– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान– डॉ0 हरिमोहन, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
12. कविता के नए प्रतिमान– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. साहित्य एवं संस्कृति : चिंतन के नये आयाम– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा,
14. भारतीय काव्यशास्त्र– तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. महाकाव्य विमर्श– विष्णु खरे (सं0), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. काव्यशास्त्र के मानदण्ड– रामनिवास गुप्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द – डॉ0 बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. आलोचना और आलोचना– देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत– योगेन्द्रप्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार– डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
21. हिंदी आलोचना के नये वैचारिक सरोकार– डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
22. हिंदी साहित्य शास्त्र– नंदकिशोर नवल (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
23. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन– शिकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
24. नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परम्परा– कमला प्रसाद (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
25. साहित्य समीक्षा और मार्क्सवाद – डॉ0 कुँवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
26. सौंदर्य शास्त्रीय समीक्षा– एस0टी0 नरसिम्हाचारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
27. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
28. रस–सिद्धांत– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
29. नई समीक्षा– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
30. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ0 गणपति चंद्र गुप्त।
31. शैलीविज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली।
32. बीसवीं शताब्दी की हिंदी आलोचना– डॉ0 निर्मला जैन।
33. रस सिद्धांत– डॉ0 ऋषिकुमार चतुर्वेदी, ग्रंथायन, अलीगढ़।
34. काव्य निर्णय– भिखारीदास।
35. साहित्यानुशीलन– डॉ0 राकेश गुप्त, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
36. शुक्लोत्तर समीक्षा के नए प्रतिमान– डॉ0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय।

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

पूर्णांकः 100 (75+25)

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल से रीतिकाल तक :

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल : नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ–सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।

2. मध्यकाल : भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।

3. भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा : रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।

4. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ–परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।

अंक विभाजन

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल– हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार, नई दृष्टि– सुरेश कुमार जैन (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1–2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. साहित्य की इतिहास दृष्टि– प्रभाकर श्रोत्रिय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास– डॉ0 भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भागः 1–2)– डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास– हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. रीतिशास्त्र के प्रतिनिधि आचार्य– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली–7।

10. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 नगेन्द्र।

11. उर्दू साहित्य का इतिहास– दुर्गाशंकर मिश्र।

हिंदी विभाग, डी.एस.बी.परिसर, कु.वि.वि. नैनीताल(उत्तराखंड)

पत्रांक : 107/हिन्दी/2019

दिनांक : 09.04.2019

सेवा में,

कुलसचिव(मान्यता)
कुमाऊं विश्वविद्यालय
नैनीताल

महोदय,

निवेदन है कि पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनांक 10.12.2018 तथा 29. 03.2019 में संशोधित स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं का हिन्दी भाषा और हिन्दी साहित्य विषय का अद्यतन पाठ्यक्रम विद्या परिषद तथा कार्यपरिषद के अनुमोदनार्थ संलग्न कर इस आशय से प्रेषित किया जा रहा है कि पाठ्यक्रम के अनुमोदन के उपरान्त पाठ्यक्रम की एक-एक प्रति सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों को प्रेषित करने का कष्ट करें। उल्लेखनीय है कि उक्त पाठ्यक्रम सत्र 2019-2020 में लागू किया जाना है।

भवदीय

प्रो. मानवेन्द्र पाठक
विभागाध्यक्ष हिंदी
डी.एस.बी.परिसर, कु.वि.वि.
नैनीताल

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
डी०एस०बी०परिसर
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

प्रतिलिपि-

1. परीक्षा नियंत्रक, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल को सूचनार्थ
2. निजी सचिव कुलपति को माननीय कुलपति जी के सूचनार्थ

हिंदी विभाग

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित पाठ्यक्रम

बी0ए0 प्रथम वर्ष

हिंदी भाषा

आधार पाठ्यक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)

सत्र 2019-20 से लागू

बी0ए0 प्रथम वर्ष, हिंदी भाषा का पाठ्यक्रम एकवर्षीय है, जिसमें दो सेमेस्टर हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में एक-एक प्रश्नपत्र है। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए 70 अंक और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए 30 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक सेमेस्टर का पाठ्यक्रम निम्नवत् है।

प्रथम सत्रार्द्ध (First Semester)

हिंदी भाषा

प्रथम प्रश्नपत्र

समय: तीन घण्टे

लिखित परीक्षा **=70 अंक**

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. वर्णविचार : - हिंदी वर्णमाला: स्वर और व्यंजन, वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण 05 अंक
2. हिंदी-वर्तनीः हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी-विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन। -10 अंक
3. शब्द विचार :- व्याकरण के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण(विकारी और अविकारी शब्द) 05 अंक
4. हिंदी शब्द रचना- समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्दभेद- रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर- तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, । -15 अंक
5. पारिभाषिक शब्द: तात्पर्य, परिभाषा तथा संलग्न परिशिष्ट के अंतर्गत संगृहीत- 250 अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द, हिंदी पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी प्रतिपारिभाषिक । - 10 अंक

   अथवा

   अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद
6. लोकोक्ति एवं मुहावरे - 10 अंक
7. विराम चिह्न और उनका प्रयोग। -05 अंक
8. वाक्य रचना, वाक्य-भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य-संश्लेषण, वाक्य-शुद्धि। -10 अंक

परिशिष्ट

पाठ्यक्रम में निर्धारित पारिभाषिक शब्दों की सूची निम्नांकित है-

Academic - शैक्षणिक, शैक्षिक; Academic Council- विद्यापरिषद्; Academy - अकादमी; Account- लेखा, खाता, हिसाब; Accusation- दोषारोपण, अभियोग; Accuse - अभियोग लगाना; Acknowledgement - पावती, अभिस्वीकृति; Acquittal -दोषमुक्ति; Action - कारवाई, क्रिया; Ad-hoc - तदर्थ; Adjournment -स्थगन; Administration - प्रशासन; Administrator - प्रशासक; Admissible - ग्राह्य, स्वीकार्य; Admission - प्रवेश, दाखिला; Adulteration - मिलावट, अपमिश्रण; Advance - अग्रिम, पेशगी; Advance Copy - अग्रिमप्रति; Adverse - प्रतिकूल; Advocate - अधिवक्ता; Affidavit - शपथपत्र; हलफनामा; Agency - अभिकरण, एजेंसी; Agenda - कार्यसूची; Agent - अभिकर्ता, एजेंट; Aggrieved - व्यथित; Agreement - अनुबंध; Alias - उर्फ; Alien - अन्यदेशीय; Allocate - बाँटना, विभाजित करना; Allotment - आवंटन; Allowance - भत्ता; Ambiguous - संदिग्धार्थी; Amendment - संशोधन; Amnesty - सर्वक्षमा; Ancestor - पूर्वज; Anexe - उपभवन; Annexure - संलग्नक; Anniversary - वर्षगाँठ; Anomaly - विषमता; Apathy - उदासीनता; Arms - आयुध, हथियार; Army - सेना, थलसेना; Arrears - बकाया; Artisan - कारीगर; Assault - हमला, प्रहार, धावा; Assembly - सभा; Assert - जोर देकर कहना, दृढ़तापूर्वक कहना; Assessee - निर्धारिती; Audit - लेखापरीक्षा, संपरीक्षा; Austerity - मितोपभोग; Authority - प्राधिकारी, प्राधिकार, प्राधिकरण; ।Autograph - स्वाक्षर; Autonomous - स्वायत्तशासी; Betray - विश्वासघात करना; Bias - पूर्वाग्रह; Bigamy - द्विविवाह; Bill - विधेयक, बिल; Bio-data - जीवनवृत्त; Bonafide - वास्तविक, सद्भावपूर्ण; Bribe - घूस, रिश्वत; Buyer - खरीददार, क्रेता; Camp - शिविर, कैम्प; Career - वृत्ति, जीविका, जीवन; Carriage - ढुलाई, गाड़ीवाहन, सवारी डिब्बा; Cash-Chest - तिजोरी; Case - मामला, प्रकरण, स्थिति; Casual - आकस्मिक; Cell - प्रकोष्ठ; Censor- सेंसर; Century - शताब्दी, शती, सदी; Chairman - अध्यक्ष; President -सभापति; Challenge - चुनौती, आपत्ति; Chaos - अव्यवस्था; Character Roll - चरित्रपंजी; Charge - आरोप, कार्यभार; Charge-Sheet - आरोप पत्र; Cheque - चेक; Chorus - वृंदगान, Chronic - जीर्ण, दीर्घकालिक; Circuit-House - विश्रामगृह, सर्किट हाउस; Circular - परिपत्र; Citizenship - नागरिकता; Civic - नागरिक; Claim - दावा, दावा करना; Clinic -निदानालय, क्लिनिक; Clue - सूत्र, संकेत; Code - संहिता, संकेत; Code-number - सांकेतिक संख्या, College - महाविद्यालय, कालेज, Collusion - दुरभिसंधि, Colony - उपनिवेश, बस्ती, कालोनी; Column - स्तंभ, खाना; Communiqué - विज्ञप्ति; Concession - रियायत; Concurrence - सहमति; Conditional - सशर्त; Condolence - शोक, संवेदना; Condone - माफ करना; Conduct - आचरण; Conference - सम्मेलन; Confirmation - पुष्टि, स्थायीकरण; Consensus - मतैक्य; Consent - सम्मति; Conspiracy - षड्यंत्र; Constituency - निर्वाचन क्षेत्र; Constituent - संघटक; Constitution - संविधान, गठन; Consumable - उपभोज्य; Convener - संयोजक; Convocation - दीक्षांत समारोह; Copy- प्रतिलिपि, नकल, प्रति; Cost - लागत; Council - परिषद्, Course - पाठ्यक्रम; Covering Letter - सहपत्र; Culprit - अपराधी, दोषी; Daily - दैनिक; Data - आधार सामग्री, आंकड़े; Dearness Allowance - महंगाई भत्ता; Death Anniversary- पुण्यतिथि; Death-cum-retirement gratuity - मृत्युनिवृत्ति, उपदान; Debar - रोकना, वर्जन करना, Designate - नामोदिष्ट करना, अभिहित करना, Device - युक्ति, साधन; Diplomacy - राजनय; Diplomat -राजनयज्ञ; Directory -

निर्देशिका; Terminate - पदच्युत करना, बर्खास्त करना; Dispose of - निपटाना; Drawee - अदाकर्ता; Employee - कर्मचारी; Employer - नियोक्ता; Entry - प्रविष्टि; Exception - अपवाद; Exemption - छूट, माफी; Expert - विशेषज्ञ; Faculty - संकाय; False - मिथ्या, झूठा; Forecast - पूर्वानुमान; Formal - औपचारिक; Formula- सूत्र; Forward - अग्रेषण करना, अग्रवर्ती; Fund - निधि; Gallery - दीर्घा, वीथी, गैलरी; Habit - स्वभाव, आदत, अभ्यास; His/Her Majesty - महामहिम; Humiliation - अपमान, अनादर; Ignorance -अनभिज्ञता; Illegal - अवैध, Illegible - अपाठ्य; Illicit - निषिद्ध; Illiteracy - निरक्षरता; Ill-Will वैमनस्य; Index - अनुक्रमणिका, सूचक; Issue - निर्गम, जारी करना, देना; Juniority - कनिष्ठता; Jurisdiction - अधिकार क्षेत्र, क्षेत्राधिकार; Lawful - विधिसम्मत; Laxity - शिथिलता; Menu- मेनू, भोज्यतालिका; Nutrition - पोषण; Oath - शपथ; Opinion - मत, राय; Option - विकल्प; Original - मूलप्रति, मौलिक; Panel - नामिका, Pass - पास, पारण, पास करना, गुजरना; Pay - वेतन, भुगतान करना; Payee - प्राप्तकर्ता, पाने वाला, आदाता; Prerogative - परमाधिकार; Punctual - समयनिष्ठ; Put in abeyance - प्रास्थगित करना; Put up प्रस्तुत करना; Quantity- मात्रा, परिमाण, राशि; Quash - अभिखंडित करना; Raid - छापा, छापा मारना; Random - यादृच्छिक, सांयोगिक; Ratio - अनुपात; Rebate - घटौती; Recovery - वसूली; Recommendation - संस्तुति, सिफारिश; Record - अभिलेख, कीर्तिमान; Registration - पंजीकरण; Registry - रजिस्ट्री; Regret - खेद, खेद प्रकट करना; Rehearsal पूर्वाभ्यास; Re-joinder- प्रत्युत्तर; Remitee - प्रेषिती, पानेवाला; Renewal - नवीनीकरण; Report - प्रतिवेदन, रिपोर्ट; Republic Day - गणंतत्र दिवस; Sabotage - तोड़फोड़, अंर्तध्वंस; Sample- नमूना, प्रतिदर्श; Sanction - मंजूरी, संस्वीकृति, Sanctity - पवित्रता, Sane - स्वस्थचित्त, Scale -माप, पैमाना, Scheme- योजना; Scholarship - छात्रवृत्ति, विद्वत्ता; Secrecy- गोपनीयता; Seizure- अभिग्रहण; Seniority- वरिष्ठता; Sine die अनिश्चित काल के लिए; Sine Qua Non - अनिवार्य शर्त; Sir - श्रीमान्, महोदय; Site - स्थल, स्थान; Site Plan स्थल नक्शा; Slum - गंदी बस्ती, Smuggling - तस्करी; Stay - रोक; Storey -मंजिल, तल; Strain - तनाव; Summon - सम्मन, आह्वान करना; Supply -आपूर्ति; Syndicate -अभिषद् सिंडीकेट; Tenant- किरायेदार; Tender - टेण्डर, निविदा; Tension - तनाव; Tenure- अवधि, कार्यकाल; Tenure of Office- पदावधि; Term - अवधि; Terror - आतंक; Testimonial - संशापत्र; Time –Barred - कालातीत; Time Bound-समयबद्ध; Trailer - अनुयान; Train - ट्रेन, रेलगाड़ी; Trainee - प्रशिक्षाणार्थी; Transport - परिवहन; Trustee - न्यासी; Uncertain - अनिश्चित; Undertaking - उपक्रम, वचन, वचनबंध; Union - संघ; Unique - अनुपम, अपूर्व; Valid - मान्य, विधिमान; Value - मूल्य; Visa - वीजा, प्रवेशपत्र; Vis-à-vis - के सामने की तुलना में, बनाम; Wage - मजदूरी, मजूरी; Warrant- अधिपत्र; Zone-जोन, अंचल।

प्रश नपत्र का अंक विभाजन

प्रश नपत्र में 'अ' एवं 'ब' दो अनिवार्य खंड होंगे। 30 अंकों के खंड 'अ' में 5-5 अंक के 6 अनिवार्य लघूत तरी प्रश न होंगे, जिनमें आंतरिक विकल प दिया जाएगा। 40 अंकों के खंड 'ब' में 10-10 अंकों के 04 अनिवार्य दीर्घउत तरीय प्रश न होंगे, जिनमें आंतरिक विकल प दिया जाएगा।

30 अंक आंतरिक मूल यांक होगा।

लिखित परीक्षा **=70 अंक**

आन्तरिक मूल्यांकन- -30 अंक

कुल - 100

सहायक ग्रंथ: डॉ. बाहरी- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, हिंदी: रूप, उद्भव-विकास, हिंदी का सामान्य ज्ञान, शुद्ध हिंदी। डॉ. भोलानाथ तिवारी- हिंदी भाषा। रामचंद्र वर्मा- अच्छी हिंदी। डॉ. केशवदत्त रुवाली- हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा, द्वितीय भाग। हिंदी भाषा-शिक्षण: संक्षिप्त परिचय, हिंदी भाषा और नागरी लिपि, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा और व्याकरण, हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदी की मानक वर्तनी। किशोरीदास वाजपेयी- हिंदी शब्दानुशासन। प्रो. मानवेंद्र पाठक - व्यावहारिक हिंदी।

द्वितीय सत्रार्द्ध(First Semester)

आधार पाठयक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)

हिंदी भाषा

द्वितीय प्रश्नपत्र

लिखित परीक्षा समय: तीन घण्टे **अंक - 70 अंक**

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास। 05 अंक
2. हिंदी की शैलियाँ- हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू। 05 अंक
3. हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ- (1) पश्चिमी हिंदी (2) पूर्वी हिंदी (3) राजस्थानी (4) बिहारी (5) पहाड़ी एवं उनकी बोलियाँ। 10अंक
4. हिंदी भाषा: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानक भाषा, सम्पर्क भाषा, इंटरनेट और हिंदी 10अंक
5. देवनागरी लिपि एवं अंक 10अंक
6. संक्षेपण/पल्लवन 10 अंक
7. प्रारूपण 10अंक
8. निबंध लेखन 10 अंक

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

प्रश्नपत्र में 'अ' एवं 'ब' दो अनिवार्य खंड होंगे। 30 अंकों के खंड 'अ' में 5-5 अंक के 6 अनिवार्य लघूत्तरी प्रश्न होंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा। 40 अंकों के खंड 'ब' में 10-10 अंकों के 04 अनिवार्य दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा।

30 अंक आंतरिक मूल्यांकन होगा।

लिखित परीक्षा **=70 अंक**

आन्तरिक मूल्यांकन- **-30 अंक**

कुल - 100

सहायक ग्रंथ: डॉ. केशवदत्त रुवाली- हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा: द्वितीय भाग, हिंदी भाषा शिक्षण, मानक हिंदी ज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा का इतिहास, देवनागरी लिपि और अंक, हिंदी भाषा और नागरी लिपि। डॉ. धीरेन्द्र वर्मा- हिंदी भाषा का इतिहास। डॉ. भोलानाथ तिवारी- हिंदी भाषा। डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा - हिंदी भाषा का विकास। डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया- प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास। डॉ. पूरनचंद्र टण्डन- व्यावहारिक हिंदी।

प्रमाणित

12.04.2019

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
डी०एस०बी०परिसर
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखंड)

पत्रांक : हिन्दी/पाठ्यसमिति/ज़ूम 6681715882/2020 दिनांक : 14 अगस्त 2020

हिन्दी पाठ्यसमिति (Board of Studies) का कार्यवृत्त

माननीय कुलपति,कुमाऊँ विश्वविद्यालय के निर्देश पर हिन्दी विषय की पाठ्यसमिति की आवश्यक ऑनलाइन बैठक संयोजक हिन्दी प्रो. चन्द्रकला रावत की अध्यक्षता में आज दिनांक 14 अगस्त 2020 को ज़ूम स्ट्रीम लिंक https://us04web.zoom.us/j/6681715882?pwd=RmdQaWR1UU0xY0IoQXp1ODFmMm5Ndz09 मीटिंग आई डी 6681715882 के माध्यम से सम्पन्न हुई। बैठक में सदस्यों की ऑनलाइन उपस्थिति निम्नवत् रही –

1. प्रो. चन्द्रकला रावत (संयोजक, डी.एस.बी.परिसर, कु.वि.वि.नैनीताल)
2. प्रो. अनिल कुमार राय (बाह्य विशेषज्ञ, दिल्ली वि.वि.)
3. प्रो. पवन अग्रवाल (बाह्य विशेषज्ञ, लखनऊ वि.वि.)
4. प्रो. निर्मला ढैला बोरा (सदस्य, डी.एस.बी.परिसर, कु.वि.वि.नैनीताल)
5. प्रो. पदम सिंह बिष्ट (संकायाध्यक्ष कला)
6. प्रो. जगत सिंह बिष्ट (सदस्य, एस.एस.जे..परिसर, कु.वि.वि.अल्मोड़ा)
7. प्रो. शिरीष कुमार मौर्य (सदस्य, डी.एस.बी.परिसर, कु.वि.वि.नैनीताल)
8. डॉ. नीलाक्षी जोशी (सदस्य, राज.स्ना.महावि. पिथौरागढ़))

बैठक में निम्नवत् निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए –

1. बैठक में सर्वप्रथम दिनांक 18 अक्टूबर 2019 को सम्पन्न हुई पाठ्यसमिति की विगत बैठक के प्रस्तावों तथा निर्णयों की पुष्टि की गई।
2. बैठक में सर्वसम्मत निर्णय लिया गया कि माननीय कुलपति जी के निर्देशों के क्रम में परास्नातक (एम ए) हिन्दी में सीबीसीएस पद्धति को अंगीकार किया जाए।
3. बैठक में परास्नातक(एम.ए.) हिन्दी के नवीन सीबीसीएस पाठ्यक्रम की सर्वसम्मत संस्तुति की गई, जिसकी मूल प्रति संलग्न है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

4. बैठक में बी.ए. द्वितीय सत्र तृतीय प्रश्नपत्र के अन्तर्गत निम्नांकित दो पाठ्यपुस्तकों की सर्वसम्मत संस्तुति की गई 1. रीतिकालीन काव्य – सम्पादक प्रो. मानवेन्द्र पाठक तथा 2. काव्य प्रदीप – रामबहोरी शुक्ल (लोकभारती, इलाहाबाद)इलाहाबाद)।
5. बैठक में कुलसचिव, कु.वि.वि. नैनीताल के पत्र संख्या मान्यता/2019/1663 दिनांकित 30.06.2020 का संज्ञान लेते हुएसर्वसम्मत निर्णय लिया गया कि काव्यांग परिचय शीर्षक वाली प्रो. मानवेन्द्र पाठक के नाम की कथित पाठ्यपुस्तक को सहायक पुस्तकों की सूची से हटाने तथा इस आशय की सूचना सभी सम्बद्ध परिसरों/महाविद्यालयों को प्रेषित करने की अविलम्ब कार्यवाही संयोजक हिन्दी द्वारा की जाए।

बैठक के अंत में प्रो. चन्द्रकला रावत, संयोजक – हिन्दी द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों का आभार ज्ञापित किया गया।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

Programme Specific Outcomes

PSO 1. हिन्दी भाषा और साहित्य में दक्षता।

PSO 2. सामाजिक, दार्शनिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक आदि राष्ट्रीय संदर्भों में हिन्दी साहित्य की महान परम्परा का रचनात्मक और सैद्धान्तिक ज्ञान प्रदान करना।

PSO 3. महान एवं उदात्त साहित्यिक कृतियों के साक्ष्य से उन्नत जीवन तथा नैतिक मूल्यों के पालन हेतु प्रेरित करना।

PSO 4. साहित्य के साक्ष्य से राष्ट्र की सामाजिक संरचना की समझ विकसित करना।

PSO 5. साहित्य के साक्ष्य से व्यक्ति एवं समाज में सद्भाव, समरसता, समानता, सहिष्णुता आदि मानवीय गुणों का विकास करना।

PSO 6. साहित्य के माध्यम से जनसाधारण अथवा जनता के जीवन की समस्याओं और संघर्षों का साक्षात्कार करना।

PSO 7. साहित्य के अध्ययन द्वारा प्रकृति एवं पर्यावरण से मनुष्यों के सम्बन्धों के साक्ष्य व पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा प्राप्त करना।

PSO 8. साहित्यिक कृतियों के अध्ययन से राष्ट्र के स्वरूप के विषय में उदार व उदात्त चिंतन के लिए प्रेरित करना।

PSO 9. साहित्य के साक्ष्य से राष्ट्रप्रेम की भावना का उत्तरोत्तर विकास करना।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

हिन्दी में परास्नातक उपाधि के इस पाठ्यक्रम में कुल 25 प्रश्नपत्र हैं –

1. 15 प्रश्नपत्र कोर कोर्स अथवा अनिवार्य पाठ्यक्रम के अन्तर्गत हैं, जिनमें से प्रत्येक का चयन हिन्दी के विद्यार्थी द्वारा अनिवार्य रूप से किया जाएगा। प्रथम तथा द्वितीय सत्रार्द्ध में पाँच-पाँच अनिवार्य प्रश्नपत्र, तृतीय सत्रार्द्ध में तीन तथा चतुर्थ सत्रार्द्ध में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र सम्मिलित किए गए हैं।
2. 6 प्रश्नपत्र इलेक्टिव कोर्स अथवा ऐच्छिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत हैं। तृतीय तथा चतुर्थ सत्रार्द्ध में हिन्दी के विद्यार्थी द्वारा तीन-तीन में से दो-दो प्रश्नपत्रों का चयन किया जाना है।
3. 4 प्रश्नपत्र ओपेन इलेक्टिव कोर्स अथवा मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत हैं, इस पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों का चयन हिन्दी के अतिरिक्त अन्य विषयों/अनुशासनों के विद्यार्थी भी कर सकते हैं। तृतीय तथा चतुर्थ सत्रार्द्ध में दो-दो में से एक-एक प्रश्नपत्र का चयन करना है।

अध्ययन की सुविधा के लिए पाठ्यक्रम की आंतरिक संरचना का विवरण सारणी के माध्यम से भी दिया जा रहा है -

SEMESTER	CORE COURSES (15 out of 15)	ELECTIVE COURSES (4 out of 6)	OPEN ELECTIVE COURSES (2 0ut of 4)
I Total Credits 20	5x4=20 credits 1.आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य 2.सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य 3.आधुनिक हिन्दी काव्य(छायावाद तक) 4.हिन्दी साहित्य का इतिहास(आदिकाल से रीतिकाल तक) 5.हिन्दी साहित्य का इतिहास(आधुनिककाल)		

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

II Total Credits 20	5x4=20 credits 6.भारतीय काव्यशास्त्र 7.पाश्चात्य काव्यशास्त्र 8.आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर 9.हिन्दी कथा एवं नाटक साहित्य 10.निबन्ध एवं स्मारक साहित्य		
III Total Credits 22	3x4=12 credits 11. भाषा विज्ञान 12. उत्तराखंड के हिन्दी कवि 13. उत्तराखंड के हिन्दी कथाकार	**इनमें से कोई दो/ 2**x4= 8 credits 1. कुमाउनी साहित्य 2. विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचंद 3. विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	**इनमें से कोई एक/ 1**x2= 2 credits 1.अनुवाद : सिद्धान्त और स्वरूप 2.हिन्दी भाषा
IV Total Credits 18	**2**x4= 8 credits 14.लोक साहित्य 15.मौखिकी	**इनमें से कोई दो/2**x4= 8 credits 4. विशिष्ट अध्ययन : कबीरदास 5.भारतीय साहित्य 6.लघुशोध प्रबंध	**इनमें से कोई एक/1**x2= 2 credits 3.हिन्दी पत्रकारिता 4.कुमाउनी भाषा
Total 80 Credits	15 CCHi Papers	4 ECHi out of 6	2 OECHi out of 4

CCHi – Core Course Hindi. ECHi – Elective Course Hindi, OEHi – Open Elective Course Hindi

4 Credit = 100 Marks (70 : External, 30 : External)

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

एम.ए.हिन्दी (सम्पूर्ण सीबीसीएस पाठ्यक्रम)

Programme Outcomes

PO 1. साहित्य ऐसा स्रोत है, जो समाज व उसकी दशा, गति, दिशा, उसके उद्वेलन आदि को सजीवता से चित्रित करता है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य का अध्ययन करते हुए अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक गत्यात्मकता की मूल्यपरक पहचान प्राप्त करता है।

PO 2. हिन्दी साहित्य भारत के इतिहासक्रम में तत्कालीन सामाजिक, समावेशीकरण/समांगीकरण राज व्यवस्था, धर्म, भक्ति के विभिन्न पंथ, सूफी, संत, नाथ, सिद्ध, निर्गुण-सगुण, रीति, राज्याश्रयी श्रृंगाराभिव्यक्ति आदि से लेकर आधुनिक काल की विभिन्न विचारधाराओं / आंदोलनों और अद्यतन उत्तरआधुनिक वैचारिक परिदृश्य तक एक सुदीर्घ-सुलिखित दस्तावेज़ की तरह है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य के अध्ययन से साहित्य के साथ-साथ इस लम्बी परम्परा का भी ज्ञान प्राप्त करता है।

PO 3. शिक्षार्थी साहित्य के पारंपरिक सांस्कृतिक आग्रहों के प्रति, नैतिक मूल्यों के प्रति सचेत होने के साथ-साथ इस महान भारतीय परम्परा के अग्रगामी आधुनिक स्वरूप का भी ज्ञान प्राप्त करता है।

PO 4. भौतिकवादी जगत में निरन्तर बदलते जीवन मूल्यों से उपजी आस्था-अनास्था, आशा-निराशा, संगति-विसंगति आदि में जीते मानव समाज को सही दिशा निर्देश साहित्य ही करता है। शिक्षार्थी परास्नातक स्तर पर हिन्दी साहित्य का अध्ययन कर सही व सच्चे अर्थ में समुन्नत जीवनमूल्यों का धारक मनुष्य बनता है।

PO 5. शिक्षार्थी संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोगों की प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन हेतु विशिष्ट विषय के रूप में हिन्दी साहित्य का समग्र ज्ञान प्राप्त करता है।

PO 6. शिक्षार्थी हिन्दी अनुवाद तथा हिन्दी पत्रकारिता जैसे रोजगार क्षेत्रों में कार्य करने हेतु आधारभूत ज्ञान प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

PO 7. शिक्षार्थी उच्चस्तरीय शोध एवं उच्चशिक्षा में अध्यापन हेतु आधारभूत ज्ञान तथा योग्यता प्राप्त करता है।

I Semester

शिक्षार्थी को प्रथम सत्रार्द्ध में पाँच अनिवार्य पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Core Course) का अध्ययन करना है।

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : प्रथम प्रश्नपत्र CCHi I - आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य (प्रथम सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।

CO4. शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी में सामाजिक चेतना, राष्ट्रप्रेम तथा उच्च नैतिक मूल्यों का विकास होता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा0 डा. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)
2. चंदवरदाई: कयमास-वध, संपा0 माताप्रसाद गुप्त,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. विद्यापति: संपा0 शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा0 जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. मलिक मुहम्मद जायसी: पद्मावत - संपा0 वासुदेवशरण अग्रवाल,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद(व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड)।

सहायक ग्रंथ – 1. संदेश रासक : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. पृथ्वीराज रासो – भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, 3. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : द्वितीय प्रश्नपत्र CCHi II - सगुण काव्य एवं रीतिकालीन काव्य(प्रथम सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी मध्यकालीन सगुण भक्तिधारा व उसकी शाखाओं से रीतिकालीन काव्य तक की विभिन्न धाराओं का ऐतिहासिक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO2. शिक्षार्थी सूरदास की रचनाओं का अध्ययन कर सगुण धारा की कृष्णभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है तथा सूरदास के काव्य में उपस्थिति प्रकृति और जीवन के लोक स्वरूप का साक्षात्कार कर पर्यावरण की सुन्दरता व उसके संरक्षण की अनिवार्यता के महत्व को समझता है।

CO3. शिक्षार्थी तुलसीदास के काव्य का अध्ययन कर सगुण धारा की रामभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान तथा विभिन्न धार्मिक-सामाजिक मान्यताओं व मतों के बीच समन्वय की दृष्टि प्राप्त करता है। यह समन्वयवादी दृष्टि शिक्षार्थी के निजी जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु सहायक होती है।

CO4. शिक्षार्थी केशवदास के काव्य के अध्ययन से भारतीय काव्यशास्त्र का परम्परागत ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी बिहारी के काव्य के अध्ययन से कविता की भाषा में मितकथन व अलंकारों के सटीक प्रयोग का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है, जिससे उसमें काव्यात्मक अभिरुचि का विकास एवं विस्तार होता।

CO6. शिक्षार्थी घनानंद की कविता के अध्ययन से सामाजिक रूढ़ियों के बीच प्रेम की विलक्षण अनुभूति से परिचित होता है, जिससे वह तत्कालीन से लेकर समकालीन समाज तक की सम्बन्ध आधारित जटिल संरचना के ज्ञान के साथ ही विवेचन की मनोवैज्ञानिक समझ भी प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. सूरदास: भ्रमरगीत सार: संपा0 आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 75 तक), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. तुलसीदास: विनयपत्रिका: तुलसीदास (व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 75 तक), गीताप्रेस गोरखपुर।
3. केशवदास: संक्षिप्त रामचन्द्रिका: संपा0 डा. जगन्नाथ तिवारी। (व्याख्या हेतु प्रारंभिक दो प्रकाश- 1. मंगलाचरण, 2. अयोध्यापुरी वर्णन) रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।
4. बिहारी: बिहारी रत्नाकर: संपा0 जगन्नाथदास रत्नाकर(व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 दोहे), प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
5. घनानंद: घनानंद कवित्त: संपा0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 15 छंद)

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

सहायक ग्रंथ – 1. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2. सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. केशवदास : विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 5. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : तृतीय प्रश्नपत्र CCHi III- आधुनिक हिंदी काव्य :छायावाद तक (प्रथम सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1.शिक्षार्थी राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन एवं आधुनिक कविता के आरम्भ का रचनात्मक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी हिन्दी नवजागरण में खड़ी बोली हिन्दी में काव्यरचना के सशक्त आरम्भ के साक्ष्य प्राप्त करता है। मैथिलीशरण गुप्त कृत साकेत की विषयवस्तु उसे हिन्दी कविता में स्त्री के मूक संघर्षों व बलिदानों के चित्रण का महत्वपूर्ण अभिलेख बनाती है, शिक्षार्थी इस पुस्तक के अध्ययन से हिन्दी में स्त्री विमर्श के आरंभिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कवियों जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत एवं महादेवी वर्मा और उनकी कविताओं के अध्ययन से छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी छायावादी कविता के अध्ययन से प्रकृति, प्रेम, सौन्दर्य, भारत की गहन भारतीय परम्परा तथा विचार की नवीन आधुनिक सरणियों /पद्धतियों का रचनात्मक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. मैथिलीशरण गुप्त: साकेत (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. जयशंकर प्रसाद: कामायनी (व्याख्या के लिए केवल श्रद्धा और इड़ा सर्ग), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राग-विराग, संपा0 रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए **राम की शक्तिपूजा**), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. सुमित्रानंदन पंतः रश्मिबंध (व्याख्या के लिए प्रारंभिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. महादेवी वर्मा: संधिनी (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।

सहायक ग्रंथ – 1. मैथिलीशरण : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 3. छायावाद – प्रसाद, निराला, महादेवी और पंत : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. महादेवी : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 6. कवि सुमित्रानंदन पंत : नंदकिशोर नवल, नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 7. कामायनी एक पुनर्विचार : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : चतुर्थ प्रश्नपत्र CCHi IV - हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से रीतिकाल तक(प्रथम सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा,प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य पंरपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।
2. मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।
3. भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।
4. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।

सहायक ग्रंथ - 1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन 5. भक्ति और भक्ति आंदोलन : सेवा सिंह, आधार प्रकाशन,

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

पंचकूला(हरियाणा) 6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र 7. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : गोपेश्वर सिंह, \ किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली 8. निर्गुण काव्य में नारी : प्रो. अनिल राय, सार्थक प्रकाशन, दिल्ली

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : पंचम प्रश्नपत्र CCHi V - हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (प्रथम सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी 1857 की क्रांति तथा हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी में गद्य लेखन के उद्भव-विकास तथा गद्य की प्रमुख विधाओं यथा नाटक, कहानी, उपन्यास और निबंध का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथेतर गद्य के अन्तर्गत स्मारक साहित्य और उसकी विधाओं यथा संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: भारतेन्दु युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।
2. छायावाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

3. हिंदी गद्य साहित्य का विकास: नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।
4. हिंदी का स्मारक साहित्य: संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।

सहायक ग्रंथ – 1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 6. हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली 7. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ : निर्मला ढैला एवं रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़ 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

II Semester

शिक्षार्थी को द्वितीय सत्रार्द्ध में पाँच अनिवार्य पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Core Course) का अध्ययन करना है।

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : षष्ठ प्रश्नपत्र CCHi VI - भारतीय काव्यशास्त्र (द्वितीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की अत्यन्त समृद्ध परम्परा का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी काव्य लक्षणों, काव्य हेतु तथा काव्य प्रयोजनों के अध्ययन से कविता के शिल्प और विषयवस्तु से लेकर उसके वृहद् सामाजिक उद्देश्यों तक आलोचना का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO3.विभिन्न काव्य तत्वों के संधान के आधार पर परम्परा में आचार्यों ने काव्य विवेचन किया, फलस्वरूप रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य सम्प्रदाय अस्तित्व में आए, जो पश्चिमी काव्य चिंतन में इस विस्तार के साथ नहीं मिलते। शिक्षार्थी इन काव्य सम्प्रदायों के अध्ययन से भारतीय परम्परा में काव्य चिंतन की विलक्षणता, उदात्तता और सैद्धान्तिक विस्तार का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी आलोचना के उद्भव व विकास का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी हिन्दी के सामान्य आलोचना सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित आलोचकों के कृतित्व के अध्ययन से हिन्दी आलोचना की विशिष्ट विचारधाराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7.शिक्षार्थी साहित्यिक कृतियों के आलोचन का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. काव्यशास्त्र: परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य भेद।
2. काव्य संप्रदाय: रस संप्रदाय: रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय, ध्वनि संप्रदाय, वक्रोक्ति संप्रदाय एवं औचित्य संप्रदाय।
3. हिंदी आलोचना: विकास, प्रमुख हिंदी आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत (आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डा. रामविलास शर्मा, डा. नामवर सिंह)।

सहायक ग्रंथ – 1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : योगेन्द्रप्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 6. हिन्दी आलोचना – शिखरों का साक्षात्कार : रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : सप्तम प्रश्नपत्र CCHi VII - पाश्चात्य काव्यशास्त्र(द्वितीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी साहित्यालोचन की पश्चिमी परम्परा का विस्तृत ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी प्राचीन यूनानी विचारक प्लेटो, अरस्तू तथा लोंजाइनस की काव्य मूल्यांकन सम्बन्धी मान्यताओं और स्थापनाओं यथा काव्य-सत्य, अनुकरण व विरेचन, त्रासदी विवेचन, उदात्त की अवधारणा आदि का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अंग्रेज़ी के महत्वपूर्ण साहित्यालोचक मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे, आई ए रिचर्ड्स और डी एस इलियट के समालोचन सिद्धान्तों का ऐतिहासिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग्रेज़ी कवि वर्ड्सवर्थ के काव्यभाषा सिद्धान्त और कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त के अध्ययन से पश्चिम के प्रसिद्ध साहित्यान्दोलन स्वच्छंदतावाद का ऐतिहासिक परिचय और सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पश्चिमी साहित्य और संस्कृति की महत्वपूर्ण विचारधाओं यथा मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद और उत्तरआधुनिकता का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित विचारकों व उनके सिद्धान्तों के अध्ययन से आलोचना का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: संक्षिप्त परिचय, प्लेटो के काव्य सिद्धांत, अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धात एवं त्रासदी विवेचन, लोंजाइनस: उदात्त की अवधारणा।
2. मैथ्यू आर्नल्ड: कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे: अभिव्यंजनावाद, आई0 ए0 रिचर्ड्स: काव्यमूल्य, टी0 एस0 इलियट: कला की निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
3. वर्ड्सवर्थ: काव्यभाषा सिद्धांत, कालरिज: कल्पना सिद्धांत।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

4. विविध वाद: मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

सहायक ग्रंथ – 1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : सम्पादक निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 4. उदात्त के विषय में : निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 6. उत्तरआधुनिक साहित्य विमर्श : सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 7. नयी समीक्षा के प्रतिमान : निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली 8. उत्तरआधुनिकता (बहुआयामी संदर्भ) : पांडेय शशिभूषण शीतांशु

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : अष्टम प्रश्नपत्र CCHi VII) - आधुनिक हिंदी काव्य : छायावादोत्तर (तृतीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी छायावादोत्तर हिन्दी कविता और उसकी विभिन्न काव्यधाराओं यथा प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता आदि का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी दिनकर के महाकाव्य उर्वशी के अध्ययन से भारतीय दर्शन की परम्परा से परिचित होता है तथा आधुनिक संसार में उसकी पुनर्व्याख्या का संधान करता है, जिससे उसे भेदबुद्धि यथा पाप-पुण्य, स्वर्ग-नर्क, ऊँच-नीच आदि से ऊपर उठकर संसार को समझने की चेतना, प्रेरणा व ज्ञान प्राप्त होता है।

CO3.शिक्षार्थी नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताओं के अध्ययन से प्रगतिशील हिन्दी कविता के स्रोत-सिद्धान्तों का ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी अज्ञेय, मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर सिंह, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, लीलाधर जगूड़ी, अशोक वाजपेयी आदि की कविताओं के अध्ययन से प्रयोगवाद, नयी कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता आदि का रचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

है।

CO5.शिक्षार्थी छायावोत्तर काल की हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. रामधारी सिंह दिनकर: उर्वशी (व्याख्या के लिए केवल तृतीय सर्ग)। प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन': नागार्जुन' की प्रतिनिधि कविताएँ, (उनको प्रणाम, बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद, मेरी भी आभा है इसमें, प्रतिबद्ध हूँ, वो हमें चेतावनी देने आये थे, सिन्दूर तिलकित भाल, वह दन्तुरित मुस्कान, यह तुम थीं, गुलाबी चूडियाँ, खुरदरे पैर, घिन तो नहीं आती है गीले पाँख की दुनिया गई है छोड़, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, शासन की बन्दूक) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. समय राग। संपादक: डा. मधुबाला नयाल: (व्याख्या हेतु अज्ञेय, गजानन माधव मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर सिंह, केदारनाथ सिंह और लीलाधर जगूड़ी की कविताएँ), ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल

सहायक ग्रंथ - 1. कल्पना का उर्वशी विवाद : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2. समकालीन हिन्दी कविता : ए अरविन्दाक्षन , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 3. नई कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 4. मुक्तिबोध – कविता और जीवन विवेक : चंद्रकांत देवताले, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 5. नागार्जुन और उनकी कविता : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 6. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 7. कई उम्रों की कविता : शिरीष कुमार मौर्य, आधार प्रकाशन 8. हिन्दी कविता (समय से संवाद) : शिरीष कुमार मौर्य, आधार प्रकाशन 9. नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : नवम प्रश्नपत्र CCHi IX - हिंदी कथा एवं नाटक साहित्य (द्वितीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास, कहानी तथा नाटक के उद्भव-विकास तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी गोदान के अध्ययन से भारतीय समाज की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना का अंतरंग साक्षात्कार करते हुए बदल रही जीवन स्थितियों और नए संकटों- समस्याओं को समझने की वैचारिक पद्धति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी के विकासक्रम, उनके बहुवर्णी सामाजिक कथ्य, प्रमुख कहानी आंदोलनों तथा बदलते शिल्प का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक स्कंदगुप्त तथा लहरों के राजहंस के अध्ययन से हिन्दी नाट्यलेखन के विकास, भारतीय व पश्चिमी परम्परा में उसके शिल्पगत रचाव, नाटक के ऐतिहासिक-सामाजिक अभिप्रायों, प्रकारों तथा रंगमंच विधा का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथा साहित्य तथा नाटक की समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. गोदान : प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिंदी कहानी के नौ कदम : संपादक बटरोही, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।
3. स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। ।
4. लहरों के राजहंस : मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।
5. एकांकी सुमन – सम्पादक : डॉ. कांबले अशोक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

सहायक ग्रंथ - **1.** प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. मेरे साक्षात्कार : हिमांशु जोशी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली 4. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. कथा की सैद्धान्तिकी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाण) 6.मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 7. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सम्पादक-सम्पादक- सत्येंद्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 8. हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : दशम प्रश्नपत्र CCHi X - निबंध एवं स्मारक साहित्य (द्वितीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप, प्रकार और महत्व का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव एवं विकास का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधों के अध्ययन से हिन्दी के प्रमुख निबंधकारों का परिचय, निबंध की शैलियों तथा विधा का वैचारिक व रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी स्मारक साहित्य के स्वरूप, उसकी विभिन्न विधाओं तथा महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी निबंध तथा स्मारक साहित्य की समीक्षा का ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. नीरजा टंडन: हिंदी निबंध मंजूषा (व्याख्या के लिए निर्धारित निबन्ध- सच्ची कविता (बालकृष्ण भट्ट), सच्ची वीरता (सरदार पूर्णसिंह), काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (रामचन्द्र शुक्ल), देवदारू(हजारीप्रसाद द्विवेदी), अनुभूति,सत्य और यथार्थ(महादेवीवर्मा), प्रेमचन्द के फटे जूते (हरिशंकर परसाई), आदिकाव्य(रामविलासशर्मा), आम्रमंजरी(विद्यानिवासमिश्र), राघव: करुणोरस: (कुबेरनाथराय)।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

2. महादेवी वर्मा: पथ के साथी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्ट: स्मारक साहित्य संग्रह, तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।

सहायक ग्रंथ – 1. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. बाबूराम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2.साहित्यिक निबंध आधुनिक दृष्टिकोण : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिन्दी ललित निबंध स्वरूप विवेचन : वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली 4. स्मारक साहित्य की विधाएँ : डॉ. निर्मला ढैला एवं डॉ. रेखा ढैला, ग्रंथायन प्रकाशन, अलीगढ़

III Semester

शिक्षार्थी को तृतीय सत्रार्द्ध में तीन अनिवार्य पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Core Course), तीन ऐच्छिक पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Elective Courses) में से किन्हीं दो तथा दो मुक्त ऐच्छिक (Open Elective Courses) में से किसी एक का चयन करना हैं।

अनिवार्य पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Core Course)

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : एकादश प्रश्नपत्र CCHi XI - भाषा विज्ञान (तृतीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. Linguistics अर्थात् भाषा-विज्ञान भाषा एवं साहित्य ही नहीं, अभिव्यक्तियों के सन्दर्भ में समाज को समझने की पद्धति के रूप में विकसित होने वाला विषय भी है। अत: इस पाठ्यक्रम से शिक्षार्थी भाषा विज्ञान के अर्थ, स्वरूप, भाषा व्यवस्था,भाषा व्यवहार और उसके महत्व का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO2.शिक्षार्थी भाषा प्रयोगशालाओं में उच्चस्तरीय अध्ययन व शोध हेतु आधार योग्यता व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन-शाखाओं यथा स्वन, स्वनिम, रूप, रूपिम, वाक्य, अर्थ आदि का सैद्धान्तिक व तकनीकी ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी भाषा की सामाजिक संरचनाओं तथा भाषा के स्वरूप के आधार पर सामाजिक अभिव्यक्ति के अध्ययन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी साहित्यिक कृतियों के भाषा वैज्ञानिक अध्ययन का ज्ञान व प्राशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. भाषा और भाषा विज्ञान: भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक-प्रकार्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता।
2. स्वन प्रक्रिया: स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप,स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।
3. रूपप्रक्रिया: रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद: मुक्त- आबद्ध, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना।
4. अर्थविज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन।

सहायक ग्रंथ – 1. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. अद्यतन भाषा विज्ञान : पांडेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 3. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, नई दिल्ली 4.

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

भारतीय भाषा विज्ञान : किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 5. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 6. भाषा विज्ञान – सैद्धान्तिक चिंतन : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : द्वादश प्रश्नपत्र CCHi XII - उत्तराखण्ड के हिंदी कवि (तृतीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1.आधुनिक हिन्दी कविता परम्परा में उत्तराखंड राज्य के कवियों का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और उसमें उत्तराखंड के कवियों के महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2.गुमानी ने भारतेंदु युग से पूर्व काव्य में खड़ी बोली का प्रयोग किया था। उनकी कविता तत्कालीन अंग्रेजी/कम्पनी राज और सामाजिक-राजनीतिक स्थितियों के सजीव चित्र प्रस्तुत करती हैं। शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम कवि गुमानी के कृतित्व का ऐतिहासिक-रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.चन्द्रकुंवर बर्त्वाल छायावाद और प्रगतिवाद के संधिकाल के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कवि हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.लीलाधर जगूड़ी साठोत्तरी हिन्दी कविता के प्रमुख कवि हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बीस वर्ष पश्चात मोहभंग और अवसाद से लड़ रहे आक्रोशित देश और समाज का स्वर उनकी कविता का आरंभिक स्वर है। वे आज भी सक्रिय और रचनारत हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.वीरेन डंगवाल एवं मंगलेश डबराल समकालीन हिन्दी का कविता में अस्सी के दशक के दो सबसे महत्वपूर्ण कवि हैं। वे हिन्दी कविता की प्रगतिशील परम्परा के नए संवाहक है, जिनकी अभिव्यक्ति जनसाधारण की समस्याओं और संघर्षों से जुड़ी है। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO6.हरीशचन्द्र पांडे समकालीन हिन्दी कविता में नब्बे के दशक के प्रमुख कवि हैं। देश में उदारवाद, भूमंडलीकरण और विभिन्न सामाजिक परिवर्तनों के बीच बदलते हुए जीवन और समाज के प्रसंग उनकी कविता का विषय हैं। शिक्षार्थी उनके कृतित्व का रचनात्मक परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7.शिक्षार्थी समकालीन हिन्दी कविता की समीक्षा का रचनात्मक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. गुमानी
2. चंद्रकुँवर बर्त्वाल
3. लीलाधर जगूड़ी
4. मंगलेश डबराल
5. वीरेन डंगवाल
6. हरीशचंद्र पाण्डेय

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक: उत्तराखण्ड के हिंदी कवि - संपा0 प्रो0 दिवा भट्ट

सहायक ग्रंथ – 1. लोकरत्न गुमानी : उमा भट्ट, साहित्य अकादमी नई दिल्ली, 2. कहै गुमानी : उमा भट्ट, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल 3. कितने फूल खिले : चंद्रकुंवर बर्त्वाल, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल 4. आता ही कोई नया मोड़ (लीलाधर जगूड़ी : जीवन और कविता) – सम्पादक प्रमोद कौंसवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 5. चंद्रकुंवर बर्त्वाल का जीवन दर्शन : डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course): त्रयोदश प्रश्नपत्र CCHi XIII - उत्तराखण्ड के हिंदी कथाकार (तृतीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. हिन्दी के प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य में उत्तराखंड राज्य के कथाकारों का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान व स्थान है। शिक्षार्थी इस परम्परा और

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

उसमें उत्तराखंड के कथाकारों के समग्र योगदान और महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी के उपन्यास साहित्य में उत्तराखंड के उपन्यासकारों के कृतित्व का परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास कसप के अध्ययन से हिन्दी साहित्य में विकसित हो रहे नवीन उत्तरआधुनिक कथ्य (स्थानीय-आंचलिक एवं मुक्त-ग्लोबल) एवं शिल्प का परिचय तथा उसका सैद्धान्तिक आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास गोबर गणेश के अध्ययन से उत्तराखंड के कुमाउनी अंचल के लोक जीवन का परिचय तथा बदलते जीवनमूल्यों व सामाजिक संरचनाओं का आलोचनात्मक प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के अध्ययन से हिन्दी कहानी तथा उसके प्रमुख आंदोलनों अथवा प्रवृत्तियों (मनोवैज्ञानिक कहानी, नयी कहानी, प्रगतिशील कहानी, अकहानी, आंचलिक अकहानी आदि) में उत्तराखंड के कहानीकारों के महत्वपूर्ण रचनात्मक योगदान का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी कथा साहित्य की समीक्षा का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

(क) उपन्यासकार:

1. मनोहरश्याम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रमेशचंद्र शाह: गोबर गणेश (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(ख) कहानी-संग्रह:

3. पाँच कहानियाँ (1. दुष्कर्मी- इलाचन्द्र जोशी, 2. रज्जो- रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 3. हलवाहा- शेखर जोशी, 4. बीच की दरार- गंगाप्रसाद 'विमल', 5. अ-रचित- दिवा भट्ट)- संपा0 डा. जगतसिंह बिष्ट, प्रकाश प्रकाशन, चौघानपाटा, अल्मोड़ा।

सहायक ग्रंथ – 1. पालतू बोहेमियन : प्रभात रंजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. बातें -मुलाक़ातें : मनोहरश्याम जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. मेरे साक्षात्कार : रमेशचंद्र शाह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली 4. वाद-संवाद : रमेशचंद्र शाह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 5. संवेद – मुझे अच्छी तरह से देख (रमेशचंद्र शाह पर केंद्रित अंक), वर्ष 10 अंक 5-6, मई-जून 2018, प्रकाशक - https://notnul.com

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

ऐच्छिक पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Elective Courses)

इन तीन ऐच्छिक पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Elective Courses) में से किन्हीं दो प्रश्नपत्रों का चयन करना है।

ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Courses) : प्रथम प्रश्नपत्र ECHi I – कुमाउनी साहित्य (तृतीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. भाषा और साहित्य की नयी उत्तरसंरचनावादी पद्धति में लोक साहित्य तथा स्थानीय भाषाओं व उनके साहित्य के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाउनी के लोक तथा तत्सम साहित्य का रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के खंड (क) में सम्मिलित तीन पुस्तकों के अध्ययन से कुमाऊँ के लोक साहित्य के विविध रूपों का रचनात्मक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित पुस्तक **पछ्याण** के अध्ययन से कुमाउनी कविता का रचनात्मक-शिल्पगत परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित पुस्तक **मन्याडर** के अध्ययन से से कुमाउनी कहानी का रचनात्मक-शिल्पगत परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित पुस्तक **मन्खि** के अध्ययन से कुमाउनी निबंध का रचनात्मक-शिल्पगत परिचय तथा आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

खंड (क) कुमाउनी लोक साहित्य

1. सं0 देवसिंह पोखरिया: कुमाउनी लोक गीत - मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद्, भोपाल।
2. डा.प्रयाग जोशी: कुमाउनी लोक गाथाएँ (प्रथम भाग) (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 4 लोकगाथाएँ), किशोर एण्ड संस, देहरादून ।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

3. डा. प्रभा पंत: कुमाउनी लोककथा (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 5 लोककथाएँ), अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।

खंड (ख) कुमाउनी साहित्य

1. पछ्याण – सम्पादक : डा. दिवा भट्ट, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा। (व्याख्या के लिए कविताएँ – जागर, मैती मुलुक, बसंतक पौण, बाँजि कुड़िक पहरू, उलार, पछ्याण और ह्यून)

2. मन्याडर -बहादुर बोरा 'श्रीबंधु', कुमाउनी भाषा-साहित्य प्रचार-प्रसार समिति, अल्मोड़ा। (व्याख्या के लिए कहानियाँ – सराद, नौर्त और मन्याडर)
3. डा. शेरसिंह बिष्ट: मन्खि, अविचल प्रकाशन, बिजनौर (उ0प्र0)। (व्याख्या के लिए निबंध – कुमाउनी साहित्य, मन्खि और हमर पहाड़)

सहायक ग्रंथ – 1. उत्तराखंड -लोक संस्कृति और साहित्य, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली 2. कौ सुआ काथ् कौ (कुमाउनीकि अस्सीसालोकि कथाजात्रा) : सम्पादक मथुरादत्त मठपाल, समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून 3. कुमाउनी भाषा साहित्य और संस्कृति : डॉ. देव सिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा, 4. कुमाऊं का लोक साहित्य : डॉ. कृष्णानंद जोशी, प्रकाश बुक डिपो, बरेली 5. कुमाउनी भाषा और साहित्य : डॉ. त्रिलोचन पांडे, उ.प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ 6. कुमाउनी – शेर सिंह बिष्ट, साहित्य अकादमी दिल्ली

ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Courses) : द्वितीय प्रश्नपत्र ECHi II - विशिष्ट अध्ययन: सूरदास (तृतीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी भारतीय दर्शन में ईश्वर के स्वरूप पर हुई मीमांसा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO3. शिक्षार्थी भारतीय अध्यात्म एवं भक्ति में ज्ञानयोग की निर्गुणधारा और प्रेम माधुर्य की सगुणोपासना के विमर्श का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी लोक और प्रकृति के कार्य-व्यवहार का रचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी ईश्वर की लौकिकता और उससे सम्भव हुई संसार और समाज की शुभ्रता का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी उच्च जीवन मूल्यों तथा नैतिकता का ज्ञान प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

सूरसागर सार - सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा

टिप्पणी: सूरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।

सहायक ग्रंथ – भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2. सूर-साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. सूरदास : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. सूर-विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 6. सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Courses) : तृतीय प्रश्नपत्र ECHi III - विशिष्ट अध्ययन: प्रेमचंद (तृतीय सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी साहित्य के निर्माताओं में अग्रणी हैं। उनके उपन्यासों और कहानियों ने हिन्दी में कथा साहित्य को एक स्थायी एवं सशक्त आधार प्रदान किया है। इस पाठ्यकम के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी कथा साहित्य की परम्परा और उसमें प्रेमचंद के योगदान एवं महत्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO2.रंगभूमि उपन्यास स्वतंत्रतापूर्व के भारत की बदल रही राजनीतिक-आर्थिक स्थितियों और सामाजिक जीवनमूल्यों के बीच सम्बन्धों की कथा कहता है। अत्यन्त वंचित और विपन्न अंधे भिखारी को नायक बनाने वाले इस उपन्यास से अध्ययन शिक्षार्थी उन आर्थिक दिशाओं और सामाजिक स्थितियों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है, जिनसे स्वतंत्रतापश्चात देश का सामना होना था।

CO3.शिक्षार्थी प्रेमचंद के उपन्यासों के शिल्प का परिचय व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी कुछ विचार नामक संग्रह में संकलित प्रेमचंद के निबंधों के अध्ययन से उनके राजनीति, आर्थिक और सामाजिक विचारों का परिचय और ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.प्रेमचंद जन साधारण के जीवन के कहानीकार हैं। शिक्षार्थी प्रेमचंद की प्रतिनिधि कहानियों के अध्ययन से उनकी अंन्तर्वस्तु और शिल्प का परिचय प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी प्रेमचंद के साहित्य पर विशेषज्ञता प्राप्त करता है, जो परवर्ती उच्चस्तरीय शोधादि कार्यों में सहायक होती है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. रंगभूमि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कुछ विचार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद – सम्पादक : भीष्म साहनी , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(टिप्पणी: प्रेमचंद का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तकों का संदर्भ केवल व्याख्या के लिए है।)

सहायक ग्रंथ – 1. प्रेमचंद और भारतीय समाज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. प्रेमचंद के विचार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. प्रेमचंद के आयाम : अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 4. प्रेमचंद एक विवेचन: इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 5. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 6. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 7. प्रेमचंद – कलम का सिपाही : अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद(राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली का अनुषंग)

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Open Elective Courses)

इन दो मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Open Elective Courses) में से किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना है।

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Courses) : प्रथम प्रश्नपत्र OECHi I – अनुवाद : सिद्धान्त और स्वरूप (तृतीय सत्र)

श्रेयांक 2 (पूर्णांक 50 – 35 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 15 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. अनुवाद दो भाषाओं के बीच कार्य-व्यवहार को सुगम बनाता है। शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से अनुवाद प्रक्रिया का समग्र परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी अनुवाद के स्वरूप,विभिन्न क्षेत्रों तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अनुवाद प्रकिया के विभिन्न चरण और प्रविधि यथा विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन, सम्प्रेषण आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी समतुल्यता के सिद्धान्त का परिचय तथा अनुवाद के विभिन्न प्रकारों/क्षेत्रों यथा साहित्यिक, कार्यालयी,मानविकी, संचार माध्यमों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी इत्यादि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी अनुवाद की समस्याओं का विस्तृत परिचय प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO6. नयी वैश्विक परिस्थितियों एवं भूमंडलीकृत संसार में संचार, संवाद एवं सम्प्रेषण के सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में रोजगार के नए और समृद्ध अवसर उपस्थित हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी समग्रता में इन अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. अनुवाद:अर्थ, सिद्धान्त और स्वरूप।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

2. अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया।
3. अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत।
4. अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार: कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।
5. अनुवाद की समस्याएँ
6. अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य।

सहायक ग्रंथ – 1. अनुवाद क्या है : डॉ. भ् ह राजुरकर, एवं डॉ. राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2. अनुवाद मीमांसा : निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 3. अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 4. अनुवाद की समस्याएँ : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. अनुवाद की प्रकिया – तकनीक और समस्याएँ : डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 6. अनुवाद विज्ञान – सिद्धान्त और प्रविधि : भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली 7. अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Courses) : द्वितीय प्रश्नपत्र OECHi II – हिन्दी भाषा (तृतीय सत्र)

श्रेयांक 2 (पूर्णांक 50 – 35 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 15 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी भारत की प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक आर्यभाषाओं का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी हिन्दी के भौगोलिक विस्तार, उपभाषाओं और बोलियों के अत्यन्त समृद्ध संसार का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी हिन्दी की भाषिक संरचना का विस्तृत रचनात्मक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा के विविध रूपों, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं हिन्दी के वैश्विक महत्व का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO5. शिक्षार्थी नए डिजिटल संसार में कम्प्यूटर पर हिन्दी के प्रयोग की प्रविधियों, तकनीक और भाषा शिक्षण का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी रोजगार अथवा आजीविका के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के व्यवहार का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ: वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ: पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी। अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।
2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार: हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ, कुमाउनी और गढ़वाली की विशेषताएँ।
3. हिंदी का भाषिक स्वरूप: हिंदी शब्द रचना: उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूपरचना-लिंग, वचन आदि
4. हिन्दी के विविधरूप -सम्पर्क भाषा,राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचारभाषा,हिन्दी की संवैधानिक स्थिति तथा वर्तमान वैश्विक सन्दर्भ में हिन्दी
5. हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ: आँकड़ा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण।

सहायक ग्रंथ – 1. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास : उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2. हिन्दी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिन्दी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. हिन्दी भाषा का विकास : गोपाल राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 6. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग : विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

IV Semester

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : चतुर्दश प्रश्नपत्र CCHi XIV – लोक साहित्य

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. किसी भी समाज और राष्ट्र की एक मूल लोक परम्परा होती है, जिससे उस राष्ट्र और समाज के समग्र सामाजिक चरित्र का निर्माण होता है। वैश्विक स्तर पर लोक साहित्य के अध्ययन एवं शोध को महत्वपूर्ण माना गया है तथा विश्वविद्यालयों में इसके पृथक विभाग स्थापित किए गए हैं। लोक साहित्य के अध्ययन से शिक्षार्थी इस मूल लोक परम्परा के अर्थ, स्वरूप और महत्व का परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी लोक संस्कृति और लोक साहित्य के विविध सैद्धान्तिक पक्षों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी अभिजात साहित्य और लोक साहित्य के अंतर्सम्बन्धों का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया(संकलन तथा पाठ निर्धारण) का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी लोक साहित्य के विविध रूपों का परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी लोक साहित्य के शोध का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. लोक और लोक-वार्ता, लोक-विज्ञान।
2. लोक संस्कृति और साहित्य
3. लोक साहित्य का स्वरूप
4. अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।
5. लोक साहित्य की अध्ययन-प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।
6. लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण: लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियाँ, लोक संगीत।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

सहायक ग्रंथ – 1. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय : विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 4. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Core Course) : पंचदश प्रश्नपत्र CCHi XV – मौखिकी (Viva Voice)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी समस्त पाठ्यक्रम का पुनरावलोकन करता है।

CO2. शिक्षार्थी पुस्तकों द्वारा प्राप्त ज्ञान को व्यावहारिक रूप में अभिव्यक्त करने का प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी विषय का अध्ययन करते हुए आत्मसात किए गए ज्ञान की अभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी विषय को लेकर अपनी मौलिक दृष्टि की अभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए साक्षात्कार का अभ्यास व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम : एम.ए. के समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

टिप्पणी: लिखित परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् मौखिक परीक्षा संपन्न होगी।

ऐच्छिक पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Elective Courses)

इन तीन ऐच्छिक पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Elective Courses) में से किन्हीं दो प्रश्नपत्रों का चयन करना है।

ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Courses) : चतुर्थ प्रश्नपत्र ECHi IV – विशिष्ट अध्ययन : कबीरदास (चतुर्थ सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. विश्व की प्राचीन कविता परम्परा में भारत की भक्तिकालीन निर्गुण धारा के कवि कबीर का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्व भर में उन पर

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

शोधकार्य हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी कबीर की कविता एवं दर्शन का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से भक्ति आंदोलन, संत परम्परा तथा निर्गुण काव्यधारा का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से मध्यकालीन भारतीय समाज तथा उसमें उपस्थित जाति-धर्म, अज्ञान, अंधविश्वास आदि के विरुद्ध प्रतिरोध का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी कविता के दार्शनिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी कविता के सामाजिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी साहित्य की समग्र आध्यात्मिक एवं सामाजिक समीक्षा का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम:

कबीर ग्रंथावली - संपा0 श्यामसुंदर दास: (व्याख्या हेतु साखी भाग और आंरभिक 100 पद) टिप्पणी: कबीरदास का संपूर्ण साहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यपुस्तक से व्याख्या पूछी जाएगी।

सहायक ग्रंथ – 1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. कबीर की खोज : राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. कबीर की चिंता – बलदेव वंशी , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. अकथ कहानी प्रेम की : पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. कबीर : सम्पादक – विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Courses) : पंचम प्रश्नपत्र ECHi V – भारतीय साहित्य (चतुर्थ सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

Course Outcomes

CO1. शिक्षार्थी भारतीयता की मूल भावना, भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति तथा समाजशास्त्र से परिचित होता है।

CO2. शिक्षार्थी अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के हिन्दी अनुवाद और अध्ययन की समस्याओं से परिचित होता है।

CO3. शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के समग्र स्वरूप और महत्व का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी भारत के दक्षिणी भाषा वर्ग, पूर्वी भाषा वर्ग तथा पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग के साहित्य का सामान्य परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित पुस्तकों के अध्ययन से भारतीय साहित्य का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन से जनसाधारण के स्तर पर राष्ट्र की एकता, सम्पूर्णता, विराटता व अखंडता का साक्षात्कार करता है।

CO7. शिक्षार्थी में राष्ट्रगौरव और राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास होता है

पाठ्यपुस्तकें

1. भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था – सम्पादक डॉ. आरसु, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

सहायक ग्रंथ – 1. भारतीय साहित्य : मूलचंद गौतम, , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 2. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : एहतेशाम हुसैन , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. मराठी और उसका साहित्य : प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. भारतीय साहित्य : लक्ष्मीकांत पांडेय एवं प्रमिला अवस्थी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Courses) : षष्ठ प्रश्नपत्र ECHi VI – लघुशोध प्रबंध (चतुर्थ सत्र)

श्रेयांक 4 (पूर्णांक 100 – 70 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 30 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

लघु शोधप्रबंध (Dissertation)

CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।

टिप्पणी: जिन संस्थागत विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सत्रार्ध (हिंदी) की परीक्षा में कुल मिलाकर 55 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों, वे पंचदश प्रश्नपत्र के विकल्प में विभागाध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट विभागीय प्राध्यापक के निर्देशन में लघु-शोध प्रबंध प्रस्तुत करते हैं, जिसका मूल्यांकन निर्देशक तथा बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाता है।

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Open Elective Courses)

इन दो मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम/प्रश्नपत्र (Open Elective Courses) में से किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना है।

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Courses) : तृतीय प्रश्नपत्र OECHi III – हिन्दी पत्रकारिता (चतुर्थ सत्र)

श्रेयांक 2 (पूर्णांक 50 – 35 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 15 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

CO1. पत्रकारिता रोज़गार का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसका विस्तार बढ़ता जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी पत्रकारिता का मूलभूत ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO2. शिक्षार्थी विश्व तथा हिन्दी पत्रकारिता का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।

CO3. शिक्षार्थी हिन्दी में पत्रकारिता के मूल तत्वों तथा प्रकारों का तकनीकी ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO4. शिक्षार्थी समाचार-संकलन तथा सम्पादन कला के समस्त पक्षों का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO5. शिक्षार्थी पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन यथा सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन, दृश्य सामग्री आदि का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी इलेक्ट्रानिक मीडिया तथा मुद्रण कला का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी भारतीय संविधान, प्रेस क़ानून तथा पत्रकारिता की आचार संहिता का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO8. समग्रता में शिक्षार्थी पत्रकार बनने की प्रेरणा, आधारभूत ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ।
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।
4. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास। प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ-सज्जा। दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
5. इलैक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता: रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।
6. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।प्रजातंत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

सहायक ग्रंथ – 1. हिन्दी पत्रकारिता हमारी विरासत : प्रो. शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2. हिन्दी पत्रकारिता का बृहद इतिहास : अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंसार : ठाकुरदत्त शर्मा आलोक, , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. भारतीय प्रेस क़ानून और आचार संहिता : शशि प्रकाश राय, आर के पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूर्स, नई दिल्ली

मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Open Elective Courses) : चतुर्थ प्रश्नपत्र OECHi IV – कुमाउनी भाषा (चतुर्थ सत्र)

श्रेयांक 2 (पूर्णांक 50 – 35 अंक : बाह्य मूल्यांकन / 15 अंक : आंतरिक मूल्यांकन)

Course Outcomes

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

CO1.भाषा और साहित्य की नई उत्तरसंरचनावादी पद्धति में क्षेत्रीय भाषाओं के अध्ययन का महत्व बढ़ा है। कुमाउनी भाषा के अध्ययन से शिक्षार्थी कुमाऊँ और कुमाउनी भाषा का परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO2.शिक्षार्थी कुमाउनी भाषी क्षेत्र की भौगोलिक व सॉंस्कृतिक जानकारी प्राप्त करते हुए कुमाउनी के विविध रूपों का परिचय एवं उनके मध्य निहित अन्तर का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO3.शिक्षार्थी कुमाउनी के व्याकरणिक स्वरूप व इसकी विशिष्ट वर्णमाला का रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO4.शिक्षार्थी कुमाउनी की शब्द संरचना व सम्पदा का विस्तृत रचनात्मक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कुमाउनी में हुए अद्यतन कोश कार्य का परिचय व तत्संबंधी तकनीकी ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6.शिक्षार्थी कुमाउनी व अन्य आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के मध्य शब्द व संरचनागत आदान-प्रदान का परिचय एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. कुमाऊँ शब्द की व्युत्पत्ति : विभिन्न मत, कुमाऊँ शब्द की मानक वर्तनी
2. कुमाउनी भाषा का विकास : उद्भव और क्रमिक विकास, कुमाउनी भाषी क्षेत्र, कुमाउनी की विविध बोलियाँ, पूर्वी कुमाउनी और पश्चिमी कुमाउनी में अंतर
3. कुमाउनी का व्याकरण : वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी, लिपि
4. कुमाउनी शब्द : संरचना – कुमाउनी शब्द सम्पदा(शब्द समूह), इतिहास तथा रचना के आधार पर वर्गीकरण, कुमाउनी के कोश विषयक कार्य
5. कुमाउनी और अन्य आधुनिक भारतीय भाषाओं में पारस्परिक आदान-प्रदान : कुमाउनी -गढ़वाली, कुमाउनी-राजस्थानी, कुमाउनी-मराठी, कुमाउनी-बंगाली,कुमाउनी-गुजराती

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

सहायक ग्रंथ – 1. झिक्कल कामची उडायली (उत्तराखंड की भाषाओं का व्यावहारिक शब्दकोश) : सम्पादक – उमा भट्ट एवं चन्द्रकला रावत, पहाड़ प्रकाशन, नैनीताल 2. कुमाउनी भाषा का अध्ययन : डॉ. भवानीदत्त उप्रेती, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद 3. मध्य हिमालयी भाषा : गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली 4. कुमाउनी भाषा और साहित्य : त्रिलोचन पांडे, उ.प्र.हिन्दी संस्थान, लखनऊ 5. कुमाउनी भाषा और संस्कृति : डॉ. केशवदत्त रूबाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा 6. कुमाउनी भाषा साहित्य एवं संस्कृति : डॉ. देव सिंह पोखरिया, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा 7. कुमाउनी – शेरसिंह बिष्ट, भारतीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 7. कुमाउनी, गुजराती और मराठी समस्रोतीय समानार्थी शब्दकोश : चन्द्रकला रावत, वितरक – कंसल प्रकाशन, नैनीताल

प्रो.(चन्द्रकला रावत)
संयोजक-हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

Scanned Signature of The hon'ble members and experts are used to sign the documents after the meeting with their due permission and consent

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

बी0ए0 तृतीय वर्ष (हिंदी) का नवीन पाठ्यक्रम
(सत्र 2014–2015 से प्रभावी)

नोट : सत्र 2014–2015 से स्नातक तृतीय वर्ष के हिंदी साहित्य विषय में पचहत्तर–पचहत्तर अंकों के दो प्रश्नपत्र पढ़ाए जाएँगे, जिनके शीर्षक होंगे : प्रथम प्रश्नपत्र– प्रयोजनमूलक हिंदी, तथा द्वितीय प्रश्नपत्र – (क) जनपदीय भाषा साहित्य अथवा (ख) उत्तरांचल का हिंदी साहित्य।

प्रथम प्रश्नपत्र **प्रयोजनमूलक हिंदी** **पूर्णांक : 75**

पाठ्यविषय :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी का अभिप्राय।

2. कामकाजी हिंदी

(क) पत्राचार : कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र। संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पणी।

(ख) भाषा कम्प्यूटिंग – वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग और फॉण्ट प्रबंधन।

(ग) संपादनकला– प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, फीचर लेखन, पृष्ठसज्जा एवं प्रस्तुतीकरण।

(घ) मीडिया लेखन– संचार भाषा का स्वरूप और वर्तमान संचार व्यवस्था।

(ङ) प्रमुख जनसंचार माध्यम– प्रेस, रेडियो, टीवी, फिल्म, वीडियो और इंटरनेट। माध्यमोपयोगी लेखन–प्रविधि।

(च) मुहावरे तथा कहावतें।

अंक विभाजन : अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा –

तीन आलोचनात्मक प्रश्न –	3 x 10 = 30
छः लघूत्तरी प्रश्न –	6 x 5 = 30
पन्द्रह अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	15 x 1 = 15

संदर्भ ग्रंथ : 1 हिंदी कार्मिकी (प्रयोजनमूलक हिंदी)– डॉ0 शंकर क्षेम एवं डॉ0 कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली, 2. प्रयोजनमूलक हिंदी– विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, 3. प्रयोजनमूलक हिंदीः सिद्धांत और प्रयोग– दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन 4.

प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी– डॉ0 रमा प्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली 5. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन 6. कामकाजी हिंदी– डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया, दिल्ली, 7. व्यावहारिक लेखन–डॉ0 देवसिंह पोखरिया, तक्षशिला, प्रकाशन दिल्ली, 8. कम्प्यूटर और हिंदी– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 9. कम्प्यूटर के सिद्धांत तथा प्रयोग–डॉ0 जोखनसिंह मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, 11. समाचार, फीचर, लेखन और संपादन कला– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 12. संपादन कला और प्रूफ पठन– डॉ0 हरिमोहन तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 13. हिंदी पत्रकारिता की दिशाएँ– जोगेन्द्रसिंह, सुरेन्द्र कुमार एण्ड संस, विश्वास नगर, शहादरा, दिल्ली–32, 14. रेडियो एवं दूरदर्शन पत्रकारिता– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 15. टेलीविजन समाचार– शकील हसन शमसी, उ0प्र0 हिंदी साहित्य सम्मेलन, 16. रेडियो लेखन–डॉ0 मधुकर गंगाधर, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना, 17. सूचना प्रौद्योगिकी और जन माध्यम– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 18. मीडिया लेखन – डॉ0 रमेशचंद्र त्रिपाठी एवं डॉ0 पवन अग्रवाल, भरत प्रकाशन, लखनऊ, 19. अनुवाद, विज्ञान एवं सम्प्रेषण– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 21. दुभाषिया प्राविधि– डॉ0 सत्यदेव मिश्र, भारत प्रकाशन, लखनऊ, 22. अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग– डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

बी0ए0 तृतीय वर्ष (हिंदी) का नवीन पाठ्यक्रम
(सत्र 2014–2015 से प्रभावी)

द्वितीय प्रश्नपत्र

(क) जनपदीय भाषा साहित्य पूर्णांक : 75

क. गढ़वाली और कुमाउनी भाषा का उद्भव और विकास।

ख. गढ़वाली और कुमाउनी में रचित शिष्ट साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

ग. पाठ्यपुस्तकें : (1) **भारतक भविष्य** (व्याख्या हेतु केवल शब्दकि ताकत, कविताकि पछ्याण, कैथै कूनी महाकाव्य, जीवनक उद्देश्य, आपण–बिराण और भारतक भविष्य, पाठ्यक्रम में निर्धारित)– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

(2) **जनपदीय भाषा–साहित्य,** संपादक : डॉ0 शेरसिंह बिष्ट (कुमाऊँ विश्वविद्यालय) तथा डॉ0 सुरेन्द्र जोशी (गढ़वाल विश्वविद्यालय) प्रकाशक : अंकित प्रकाशन, चंद्रावती कॉलोनी, पीलीकोठी, हल्द्वानी (नैनीताल)।

1. **गढ़वाली रचनाकार** –

    1. तारादत्त गैरोला – सदेई गीत
    2. तोताकृष्ण गैरोला – प्रेमी पथिक (पूर्वार्द्ध के केवल 24 छंद)
    3. जीवानंद श्रीयाल – ढाली–माटी, जागृति
    4. अबोधबंधु बहुगुणा –भूम्याल (औळ)

2. **कुमाउनी रचनाकार** –

1. गौर्दा– हमरो कुमाऊँ, वृक्षन को विलाप
2. शेरदा 'अपनपढ'– को छै तु, चौमासैकि ब्याव, पहाड़ाक हाड़,
3. चारुचंद्र पाण्डे– पुंतुरि, कत्थ हुडुक कत्थ गैण
4. देवकी मेहरा– जागर, मैती मुलुक, ऊँ जंगल काँहुँ गया, सौरासै करिए।

इसी संग्रह में द्रुतपाठ के लिए दो–दो रचनाकार रहेंगे, जिनमें से लघूत्तरी प्रश्न ही पूछे जाएँगे – (1) डॉ0 महावीर प्रसाद गैरोला की दो कविताएँ (2) मोहनलाल नेगी की कहानी 'न्यो

निसाप' (3) गिर्दा की रचना 'उत्तराखण्ड काव्य' के आरम्भिक 15 छंद, तथा (4) चंद्रलाल चौधरी के 'प्यास' की भूमिका का एक अंश।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

(1) तीन व्याख्याएँ –	3x 8 = 24 अंक
(1) दो आलोचनात्मक प्रश्न –	2 x 8 = 16 अंक
(1) पाँच लघूत्तरी प्रश्न –	5 x 5 = 25 अंक
(1) दस अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	10 x 1 = 10 अंक
	कुल – 75 अंक

संदर्भ ग्रंथ – 1. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ0 हरिदत्त भट्ट 'शैलेश', हिंदी समिति उ0प्र0 शासन, लखनऊ 2. मध्यपहाड़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन–डॉ0 गोविंद चातक, नई दिली, 3. गढ़वाल में हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास– डॉ0 ब्रह्मदेव शर्मा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर, 4. कुमाउनी भाषा और उसका साहित्य– डॉ0 त्रिलोचन पाण्डे, हिंदी समिति उ0प्र0 शासन, 5. कुमाउनी भाषा और संस्कृति– डॉ0 केशवदत्त रुवाली, ग्रंथायन, अलीगढ़, 6. कुमाउनी भाषा, साहित्य और संस्कृति– डॉ0 देवसिंह पोखरिया, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, 7. हिंदी साहित्य को कूर्माचल की देन– डॉ0 भगतसिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 8. कुमाउनी–हिंदी लोकोक्ति एवं मुहावरा कोश– डॉ0 दीपा काण्डपाल/डॉ0 लता काण्डपाल, अनामिका प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, 9 कूर्माचल के संस्कार गीत– ललिता पंत, सी–2/31, ईस्ट ऑफ कैलास, नई दिल्ली–32 10. मध्य हिमालयी समाज, संस्कृति एवं पर्यावरण –डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रिब्यूटर्स, 156–डी, कमला नगर दिल्ली–7, 11. म्यर कुमाउँकि एक झलक– नेत्र सिंह रौतेला, शिखरदीप प्रकाशन, 310 मैग्नम हाउस–2, करमपुरा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली।

अथवा

(ख) उत्तरांचल का हिंदी साहित्य

1. उपन्यास – जहाज का पंछी (छात्र संस्करण)– इलाचंद्र जोशी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. नाटक – बाँसुरी बजती रही– गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. प्रबंधकाव्य – अग्निसागर – डॉ0 श्यामसिंह 'शशि', किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. यात्रा–वृत्तांत– पत्थर और पानी– नेत्रसिंह रावत, संभावना प्रकाशन, रेलवे रोड, हापुड़।

5. पाठ्यपुस्तक : उत्तरांचल का हिंदी साहित्य– डॉ0 मंजुला राणा, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (नैनीताल)।

द्रुत पाठ के लिए चार कहानीकारों, चार कवियों और दो निबंधकारों की रचनाएँ, जिनमें से केवल लघूत्तरी प्रश्न ही पूछे जाएँगे –

रचनाकार : (क) एक–एक कहानी– हरिदत्त भट्ट 'शैलेश', सुभाष पंत, सुरेश उनियाल, धीरेन्द्र अस्थाना। (ख) एक–एक कविता– रत्नांबर दत्त चंदोला, पार्थसारथि डबराल, चारुचंद्र चंदोला, मंगलेश डबराल। (ग) एक–एक निबंध– डॉ0 शिवानंद नौटियाल, यमुनादत्त वैष्णव 'अशोक'।

अंक विभाजन :

(1) तीन व्याख्याएँ –	3x 8 = 24 अंक
(1) दो आलोचनात्मक प्रश्न –	2 x 8 = 16 अंक
(1) पाँच लघूत्तरी प्रश्न –	5 x 5 = 25 अंक
(1) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	10 x 1 = 10 अंक

– कुल 75 अंक

संदर्भ ग्रंथ : 1. हिंदी भाषा का इतिहास– धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग, 2. हिंदी व्याकरण– कामताप्रसाद गुप्त, 3. हिंदी भाषा (भाग 1–2)– डॉ0 केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा, 4. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, 5. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास– डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, 6. हिंदी साहित्यः संक्षिप्त परिचय– डॉ0 लक्ष्मण सिंह बिष्ट 'बटरोही', अल्मोड़ा बुक डिपो,

(प्रो0 एस0एस0 बिष्ट)
अध्यक्ष– हिंदी विभाग
संयोजक
हिंदी पाठ्यक्रम एवं शोध समिति,
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

सत्र 2014–15 से प्रभावी
बी0ए0 द्वितीय वर्ष
हिंदी साहित्य : प्रथम प्रश्नपत्र
अर्वाचीन हिंदी काव्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 75**

पाठ्यपुस्तक :

अर्वाचीन हिंदी काव्य – सं0 डॉ0 मृदुला जुगरान (हे0न0 बहुगुणा विश्वविद्यालय), अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

निम्नांकित कवियों के रचना अंशों से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे–

1. **जशंकर प्रसाद** – कामायनी से 'लज्जा' सर्ग के अंश, 'आँसू' के अंश।
2. **निराला** – सरोज स्मृति।
3. **सुमित्रानंदन पंत** – नौका विहार, परिवर्तन, प्रथम रश्मि।
4. **चंद्रकुँवर बर्त्वाल** – पाँच कविताएँ।
5. **अज्ञेय** – यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, साँप।

इसी संग्रह में निम्नांकित चार कवियों की दो–दो कविताएँ रहेंगी, जिनमें से केवल लघूत्तरी प्रश्न ही पूछे जाएँगे–

1. **गुमानी** – टिहरी वर्णन, फिरंगी वर्णन से 10 छंद।
2. **सुभद्राकुमारी चौहान** – वीरों का कैसा हो वसंत, झाँसी की रानी।
3. **श्रीराम शर्मा 'प्रेम'** – गौरवगर्वित मसूरी, शहीद श्रीदेव सुमन।
4. **लीलाधर जगूड़ी** – अन्तर्देशीय, पेड़ की आजादी।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा –

तीन व्याख्याएँ	3 x 8 = 24
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2 x 12 = 24
पाँच लघूत्तरी प्रश्न	5 x 3 = 15
बारह अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न	12 x 1 = 12

संदर्भ ग्रंथ : 1. छायावाद के आधार स्तंभ– गंगाप्रसाद पाण्डेय, 2. छायावाद और रहस्यवाद – गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 3. आधुनिक कविता यात्रा– रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 4. निराला : मूल्यांकन– इन्द्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 5. पंत की काव्यभाषा– कांता पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 6. छायावाद की परिक्रमा– डॉ0 श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 7. नई कविताएँ : एक साक्ष्य– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 8. आधुनिक कविता : प्रकृति और परिवेश– डॉ0 हरिचरण शर्मा, चिन्मय प्रकाशन, जयपुर, 9. नयी कविता : नये कवि– डॉ0 विश्वम्भर मानव, लोकभारती, इलाहाबाद, 10. हिंदी के आधुनिक कवि– डॉ0 द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 11. समकालीन हिंदी कविता– डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, 12. छायावादी काव्य : कुछ नए संदर्भ– डॉ0 मृदुला जुगरान, आशय प्रकाशन, पी–220, सेक्टर–12, एच0आई0जी0 डुप्लैक्स, इलाहाबाद, 14. कहै गुमानी– डॉ0 उमा भट्ट, पहाड़ नैनीताल।

सत्र 2014–15 से प्रभावी
बी0ए0 द्वितीय वर्ष
हिंदी साहित्य : द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएँ

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 75**

पाठ्यपुस्तकें

(क) नाटक : ध्रुवस्वामिनी– जयशंकर प्रसाद।
(ख) निबंध तथा स्फुट गद्य विधाएँ– सं0 आशा जुगरान, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी,

इस संग्रह में निम्नांकित निबंधकारों का एक–एक निबंध रहेगा –

1. बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है

2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – क्रोध

3. डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल – कबीर और गाँधी

4. हजारीप्रसाद द्विवेदी – आम फिर बौरा गए

5. हरिशंकर परसाई–निन्द रस

अन्य स्फुट विधाओं के अंतर्गत इसी संग्रह में दो पाठ रहेगे–

6. महादेवी वर्मा का रेखाचित्र – लछमा

7. हरिमोहन का यात्रा वृंत्तात– सुनहरे त्रिकोण के तेरह दिन।

इसके साथ ही द्रुतपाठ हेतु निम्नांकित तीन निबंधकारों के निबंध रहेंगे, जिनमें से केवल लघूत्तरी प्रश्न ही पूछे जाएँगे –

1. सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता

2. राहुल सांकृत्यायन – गोमती के तट पर

3. रमेश चंद्र शाह– निबंध की तलाश में।

(ग) चार एकांकी : सं0– प्रो0 देवसिंह पोखरिया, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी,

इस संग्रह में निम्नांकित एकांकीकारों का एक–एक एकांकी रहेगा–

1. रामकुमार वर्मा – दीपदान

2. उपेन्द्रनाथ अश्क – सूखी डाली

3. लक्ष्मीनारायण लाल – वसंत ऋतु का नाटक

4. भुवनेश्वर – ऊसर

इस प्रश्नपत्र में अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा –

तीन व्याख्याएँ	3 x 8 = 24
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2 x 12 = 24
पाँच लघूत्तरी प्रश्न	5 x 3 = 15
बारह अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न	12 x 1 = 12

संदर्भ ग्रंथ : 1. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना– डॉ0 गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली। 2. हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास– डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली–51, 3. एकांकी और एकांकीकार– डॉ0 रामचरण महेन्द्र, 4. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली। 5. हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार– डॉ0 गंगाप्रसाद, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद। 6. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

सत्र 2014–2015 से प्रभावी

बी0ए0 प्रथम वर्ष
हिंदी साहित्य : प्रथम प्रश्नपत्र
प्राचीन हिंदी काव्य एवं काव्यांग विवेचन

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 75**

(क) निम्नांकित कवियों के रचना–अंशों से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे–

1. कबीर – प्रारंभिक 50 सखियाँ
2. जायसी – पद्मावत का मानसरोदक खण्ड
3. सूरदास
4. तुलसीदास
5. मीराबाई

(ख) निम्नांकित 3 कवियों में से केवल लघूत्तरी प्रश्न ही पूछे जाएँगे –

1. चंदरबरदाई
2. भूषण
3. रतनकवि

नोट : पाठ्यपुस्तक : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्यमंजूषा– संपादक : डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, (कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल)। प्रकाशक – अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।

(ग) काव्यांग परिचय – (रस, छंद, अलंकार एवं शब्दशक्तियाँ)

(1) छंद – निम्नांकित छंदों के लक्षण एवं उदाहरण – दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, सवैया, गीतिका, हरिगीतिका, कवित्त, ताटंक, मानव, श्रृंगार, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलका, पंचचामर।

(2) अलंकार – निम्नांकित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, रूपकातिशयोक्ति, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, संदेह, भ्रांतिमान, प्रतीप, व्यतिरेक, मानवीकरण, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति।

(2) रस : रसावयव – स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव।
रस भेद – श्रृंगार, हास्य, वीर, अद्भुत, करुण, रौद्र, वीभत्स, भयानक, शांत, भक्ति, वात्सल्य – रसों के लक्षण एवं उदाहरण।

(3) शब्दशक्तियाँ – शब्दशक्तियों का सामान्य परिचय – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा –

(क) पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ –	3 x 8 = 24 अंक
(ख) दो आलोचनात्मक प्रश्न –	2 x 8 = 16 अंक
(ग) पाँच लघूत्तरी प्रश्न –	5 x 3 = 15 अंक
(घ) काव्यांग परिचय –	10 अंक
(ङ) दस अति लघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ : 1. त्रिवेणी– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1–2)– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी। 3. मध्यकालीन बोध का स्वरूप– डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. मध्यकालीन काव्यसाधना– डॉ0 वासुदेव सिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी। 5. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि– डॉ0 द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा। 6. कबीर : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोकभारती, 15–एक, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद–1, 7. जायसी : एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश, लोकभारती, इलाहाबाद, 8. जायसीतर हिंदी सूफी कवियों की बिम्बयोजना– डॉ0 मृदुला जुगरान, सरिता बुक डिपो, नई दिल्ली। 9. जायसी– विजयदेव नारायण साही; हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद, 10. रस, छंद, अलंकार– डॉ0 केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा, 11. शब्द शक्ति, रस एवं अलंकार– डॉ0 ताराचंद्र शर्मा– महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 12. व्यावहारिक हिंदी– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

सत्र 2014–15 से प्रभावी
बी0ए0 प्रथम वर्ष
हिंदी साहित्य : द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी कथा साहित्य

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 75**

पाठ्य पुस्तकें :

(क) उपन्यास : **छोटे–छोटे पक्षी** – शैलेश मटियानी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

(ख) कहानी संग्रह : **ग्यारह कहानियाँ–** संपादकः डॉ0 हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।

कहानी संग्रह में से इन आठ कहानीकारों की एक–एक कहानी पाठ्यक्रम में शामिल हैं–

1. जयशंकर प्रसाद 2. प्रेमचंद 3. मोहन राकेश 4. भीष्म साहनी 5. हिमांशु जोशी 6. मनोहरश्याम जोशी 7. शेखर जोशी 8. बटरोही।

इसी संग्रह में से इन तीनों कहानीकारों की एक–एक कहानी द्रुतपाठ के लिए है, जिन पर केवल लघूत्तरी प्रश्न ही पूछे जाएँगे–

1. रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 2. बल्लभ डोभाल, 3. मृणाल पाण्डे

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा –

(क) पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएँ –	3 x 8 = 24 अंक
(ख) दो आलोचनात्मक प्रश्न –	2 x 12 = 24 अंक
(घ) पाँच लघूत्तरी प्रश्न –	5 x 3 = 15 अंक
(ङ) बारह अति लघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	1 x 12 = 12 अंक।

संदर्भ ग्रंथ : 1. सुखदा उपन्यास की विवेचना – डॉ0 सत्येन्द्र, पूर्वोदय प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली। 2. उपन्यासकार जैनेन्द्र : मूल्यांकन और मूल्यांकन– डॉ0 मनमोहन सहगल, साहित्य भारती, दिल्ली–51, 3. जैनेन्द्र के उपन्यास : मर्म की तालश– डॉ0 चंद्रकांत वांदिवडेकर, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली, 4. जैनेन्द्र के उपन्यास– डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 6 कहानी : नई कहानी– डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती, 15–ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद, 7. हिंदी कहानी : पहचान और परख– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, 8. कहानी

: संवाद का तीसरा आयाम– डॉ0 बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 9. कहानी : रचना प्रक्रिया और स्वरूप– डॉ0 बटरोही, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली, 10. समकालीन हिंदी कहानी– गंगाप्रसाद विमल (सं0), मैकमिलन, दिल्ली।

हिन्दी विभाग, डी.एस.बी.परिसर, कु.वि.वि., नैनीताल(उत्तराखंड)

विश्वविद्यालय के पत्र संख्या : केयू/मा./पाठ्यसमिति/2019/740 दिनांकित 26.09.2019 के अनुपालन में

स्नातक (Under Graduate)

वार्षिक परीक्षा पद्धति-हिंदी भाषा पाठ्यक्रम

(Annual Examination System -Hindi Language Syllabus)

बी0ए0 प्रथम वर्ष (B.A. I)

हिन्दी भाषा के इस एकवर्षीय पाठ्यक्रम में दो प्रश्नपत्र हैं। दोनों प्रश्न पत्र स्नातक प्रथम वर्ष में पढ़ाए जाएंगे। स्नातक उपाधि प्राप्त करने हेतु इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र

समय: तीन घण्टे पूर्णांक : 75

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. वर्णविचार : - हिंदी वर्णमाला: स्वर और व्यंजन, वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण -05 अंक
2. हिंदी-वर्तनीः हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी-विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन। -10 अंक
3. शब्द विचार :- व्याकरण के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण(विकारी और अविकारी शब्द) -10 अंक
4. हिंदी शब्द रचना- समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्दभेद- रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर- तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द। -15 अंक
5. पारिभाषिक शब्द: तात्पर्य, परिभाषा तथा संलग्न परिशिष्ट के अंतर्गत संगृहीत- 250 अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द, हिंदी पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी प्रतिपारिभाषिक । -10 अंक

अथवा

अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद

6. लोकोक्ति एवं मुहावरे -10 अंक
7. विराम चिह्न और उनका प्रयोग। -05 अंक
8. वाक्य रचना, वाक्य-भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य-संश्लेषण, वाक्य-शुद्धि। -10 अंक

परिशिष्ट

पाठ्यक्रम में निर्धारित पारिभाषिक शब्दों की सूची निम्नांकित है-

Academic - शैक्षणिक, शैक्षिक; Academic Council- विद्यापरिषद्; Academy - अकादमी; Account- लेखा, खाता, हिसाब; Accusation- दोषारोपण, अभियोग; Accuse - अभियोग लगाना; Acknowledgement - पावती, अभिस्वीकृति; Acquittal -दोषमुक्ति; Action - कारवाई, क्रिया; Ad-hoc - तदर्थ; Adjournment -स्थगन; Administration - प्रशासन; Administrator - प्रशासक; Admissible - ग्राह्य, स्वीकार्य; Admission - प्रवेश, दाखिला; Adulteration - मिलावट, अपमिश्रण; Advance - अग्रिम, पेशगी; Advance Copy - अग्रिमप्रति; Adverse - प्रतिकूल; Advocate - अधिवक्ता;

Affidavit - शपथपत्र; हलफनामा; Agency - अभिकरण, एजेंसी; Agenda - कार्यसूची; Agent - अभिकर्ता, एजेंट; Aggrieved - व्यथित; Agreement - अनुबंध; Alias - उर्फ; Alien - अन्यदेशीय; Allocate - बाँटना, विभाजित करना; Allotment - आवंटन; Allowance - भत्ता; Ambiguous - संदिग्धार्थी; Amendment - संशोधन; Amnesty - सर्वक्षमा; Ancestor - पूर्वज; Anexe - उपभवन; Annexure - संलग्नक; Anniversary - वर्षगाँठ; Anomaly - विषमता; Apathy - उदासीनता; Arms - आयुध, हथियार; Army - सेना, थलसेना; Arrears - बकाया; Artisan - कारीगर; Assault - हमला, प्रहार, धावा; Assembly - सभा; Assert - जोर देकर कहना, दृढ़तापूर्वक कहना; Assessee - निर्धारिती; Audit - लेखापरीक्षा, संपरीक्षा; Austerity - मितोपभोग; Authority - प्राधिकारी, प्राधिकार, प्राधिकरण; ।Autograph - स्वाक्षर; Autonomous - स्वायत्तशासी; Betray - विश्वासघात करना; Bias - पूर्वाग्रह; Bigamy - द्विविवाह; Bill - विधेयक, बिल; Bio-data - जीवनवृत्त; Bonafide - वास्तविक, सद्भावपूर्ण; Bribe - घूस, रिश्वत; Buyer - खरीददार, क्रेता; Camp - शिविर, कैम्प; Career - वृत्ति, जीविका, जीवन; Carriage - ढुलाई, गाड़ीवाहन, सवारी डिब्बा; Cash-Chest - तिजोरी; Case - मामला, प्रकरण, स्थिति; Casual - आकस्मिक; Cell - प्रकोष्ठ; Censor- सेंसर; Century - शताब्दी, शती, सदी; Chairman - अध्यक्ष; President -सभापति; Challenge - चुनौती, आपत्ति; Chaos - अव्यवस्था; Character Roll - चरित्रपंजी; Charge - आरोप, कार्यभार; Charge-Sheet - आरोप पत्र; Cheque - चेक; Chorus - वृंदगान, Chronic - जीर्ण, दीर्घकालिक; Circuit-House - विश्रामगृह, सर्किट हाउस; Circular - परिपत्र; Citizenship - नागरिकता; Civic - नागरिक; Claim - दावा, दावा करना; Clinic -निदानालय, क्लिनिक; Clue - सूत्र, संकेत; Code - संहिता, संकेत; Code-number - सांकेतिक संख्या, College - महाविद्यालय, कालेज, Collusion - दुरभिसंधि, Colony - उपनिवेश, बस्ती, कालोनी; Column - स्तंभ, खाना; Communiqué - विज्ञप्ति; Concession - रियायत; Concurrence - सहमति; Conditional - सशर्त; Condolence - शोक, संवेदना; Condone - माफ करना; Conduct - आचरण; Conference - सम्मेलन; Confirmation - पुष्टि, स्थायीकरण; Consensus - मतैक्य; Consent - सम्मति; Conspiracy - षड्यंत्र; Constituency - निर्वाचन क्षेत्र; Constituent - संघटक; Constitution - संविधान, गठन; Consumable - उपभोज्य; Convener - संयोजक; Convocation - दीक्षांत समारोह; Copy- प्रतिलिपि, नकल, प्रति; Cost - लागत; Council - परिषद्, Course - पाठ्यक्रम; Covering Letter - सहपत्र; Culprit - अपराधी, दोषी; Daily - दैनिक; Data - आधार सामग्री, आंकड़े; Dearness Allowance - महंगाई भत्ता; Death Anniversary- पुण्यतिथि; Death-cum-retirement gratuity - मृत्युनिवृत्ति, उपदान; Debar - रोकना, वर्जन करना, Designate - नामोदिष्ट करना, अभिहित करना, Device - युक्ति, साधन; Diplomacy - राजनय; Diplomat -राजनयज्ञ; Directory - निर्देशिका; Terminate - पदच्युत करना, बर्खास्त करना; Dispose of - निपटाना; Drawee - अदाकर्ता; Employee - कर्मचारी; Employer - नियोक्ता; Entry - प्रविष्टि; Exception - अपवाद; Exemption - छूट, माफी; Expert - विशेषज्ञ; Faculty - संकाय; False - मिथ्या, झूठा; Forecast - पूर्वानुमान; Formal - औपचारिक; Formula- सूत्र; Forward - अग्रेषण करना, अग्रवर्ती; Fund - निधि; Gallery - दीर्घा, वीथी, गैलरी; Habit - स्वभाव, आदत, अभ्यास; His/Her Majesty - महामहिम; Humiliation - अपमान, अनादर; Ignorance -अनभिज्ञता; Illegal - अवैध, Illegible - अपाठ्य; Illicit - निषिद्ध; Illiteracy - निरक्षरता; Ill-Will वैमनस्य; Index - अनुक्रमणिका, सूचक; Issue - निर्गम, जारी करना, देना; Juniority - कनिष्ठता; Jurisdiction - अधिकार क्षेत्र, क्षेत्राधिकार; Lawful - विधिसम्मत; Laxity - शिथिलता; Menu- मेनू, भोज्यतालिका; Nutrition - पोषण; Oath - शपथ; Opinion - मत, राय; Option - विकल्प; Original - मूलप्रति, मौलिक; Panel - नामिका, Pass - पास, पारण, पास करना, गुजरना;

Pay - वेतन, भुगतान करना; Payee - प्राप्तकर्ता, पाने वाला, आदाता; Prerogative - परमाधिकार; Punctual - समयनिष्ठ; Put in abeyance - प्रास्थगित करना; Put up प्रस्तुत करना; Quantity- मात्रा, परिमाण, राशि; Quash - अभिखंडित करना; Raid - छापा, छापा मारना; Random -यादृच्छिक, सांयोगिक; Ratio - अनुपात; Rebate - घटौती; Recovery - वसूली; Recommendation - संस्तुति, सिफारिश; Record - अभिलेख, कीर्तिमान; Registration - पंजीकरण; Registry - रजिस्ट्री; Regret - खेद, खेद प्रकट करना; Rehearsal पूर्वाभ्यास; Re-joinder- प्रत्युत्तर; Remitee - प्रेषिती, पानेवाला; Renewal - नवीनीकरण; Report - प्रतिवेदन, रिपोर्ट; Republic Day - गणंतत्र दिवस; Sabotage - तोड़फोड़, अंर्तध्वंस; Sample- नमूना, प्रतिदर्श; Sanction - मंजूरी, संस्वीकृति, Sanctity - पवित्रता, Sane - स्वस्थचित्त, Scale -माप, पैमाना, Scheme- योजना; Scholarship - छात्रवृत्ति, विद्वत्ता; Secrecy- गोपनीयता; Seizure- अभिग्रहण; Seniority- वरिष्ठता; Sine die अनिश्चित काल के लिए; Sine Qua Non - अनिवार्य शर्त; Sir - श्रीमान्, महोदय; Site - स्थल, स्थान; Site Plan स्थल नक्शा; Slum - गंदी बस्ती, Smuggling - तस्करी; Stay - रोक; Storey -मंजिल, तल; Strain - तनाव; Summon - सम्मन, आह्वान करना; Supply -आपूर्ति; Syndicate -अभिषद् सिंडीकेट; Tenant- किरायेदार; Tender - टेण्डर, निविदा; Tension - तनाव; Tenure- अवधि, कार्यकाल; Tenure of Office- पदावधि; Term - अवधि; Terror - आतंक; Testimonial - संशापत्र; Time –Barred - कालातीत; Time Bound-समयबद्ध; Trailer - अनुयान; Train - ट्रेन, रेलगाड़ी; Trainee - प्रशिक्षाणार्थी; Transport - परिवहन; Trustee - न्यासी; Uncertain - अनिश्चित; Undertaking - उपक्रम, वचन, वचनबंध; Union - संघ; Unique - अनुपम, अपूर्व; Valid - मान्य, विधिमान; Value - मूल्य; Visa - वीजा, प्रवेशपत्र; Vis-à-vis - के सामने की तुलना में, बनाम; Wage - मजदूरी, मजूरी; Warrant- अधिपत्रर्; Zone-जोन, अंचल।

अंक विभाजन : प्रश्नपत्र में 'अ' एवं 'ब' दो अनिवार्य खंड होंगे। 35 अंकों के खंड 'अ' में 5-5 अंक के 7 अनिवार्य लघूत्तरी प्रश्न होंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा। 40 अंकों के खंड 'ब' में 10-10 अंकों के 04 अनिवार्य दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा। **कुल – 75**

सहायक ग्रंथ: डॉ. बाहरी- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, हिंदी: रूप, उद्भव-विकास, हिंदी का सामान्य ज्ञान, शुद्ध हिंदी। डॉ. भोलानाथ तिवारी- हिंदी भाषा। रामचंद्र वर्मा- अच्छी हिंदी। डॉ. केशवदत्त रुवाली- हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा, द्वितीय भाग। हिंदी भाषा-शिक्षण: संक्षिप्त परिचय, हिंदी भाषा और नागरी लिपि, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा और व्याकरण, हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदी की मानक वर्तनी। किशोरीदास वाजपेयी- हिंदी शब्दानुशासन। प्रो. मानवेंद्र पाठक - व्यावहारिक हिंदी(ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली), हिन्दी भाषा एवं व्याकरण(अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी)।

हिंदी भाषा : द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घंटे पूर्णांक - 75

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास। 10 अंक
2. हिंदी की शैलियाँ- हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू। 10 अंक

3. हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ- (1) पश्चिमी हिंदी (2) पूर्वी हिंदी (3) राजस्थानी (4) बिहारी (5) पहाड़ी एवं उनकी बोलियाँ। 10 अंक
4. हिंदी भाषा: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानक भाषा, सम्पर्क भाषा, इंटरनेट और हिंदी 10 अंक
5. देवनागरी लिपि एवं अंक 10 अंक
6. संक्षेपण/पल्लवन 10 अंक
7. प्रारूपण 05 अंक
8. निबंध लेखन 10 अंक

अंक विभाजन : प्रश्नपत्र में 'अ' एवं 'ब' दो अनिवार्य खंड होंगे। 35 अंकों के खंड 'अ' में 5-5 अंक के 7 अनिवार्य लघूत्तरी प्रश्न होंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा। 40 अंकों के खंड 'ब' में 10-10 अंकों के 04 अनिवार्य दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा। **कुल – 75**

सहायक ग्रंथ: डॉ. केशवदत्त रुवाली- हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा: द्वितीय भाग, हिंदी भाषा शिक्षण, मानक हिंदी ज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा का इतिहास, देवनागरी लिपि और अंक, हिंदी भाषा और नागरी लिपि। डॉ. धीरेन्द्र वर्मा- हिंदी भाषा का इतिहास। डॉ. भोलानाथ तिवारी- हिंदी भाषा। डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा - हिंदी भाषा का विकास। डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया- प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास। डॉ. पूरनचंद्र टण्डन- व्यावहारिक हिंदी।

स्नातक (Under Graduate)

वार्षिक परीक्षा पद्धति-हिंदी साहित्य पाठ्यक्रम

(Annual Examination System -Hindi Literature Syllabus)

बी0ए0 प्रथम वर्ष (B.A. I)

प्रथम प्रश्नपत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य पूर्णांक : 75

पाठ्यपुस्तकें

1. प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य – सम्पादक : प्रो. मानवेन्द्र पाठक
   (व्याख्याएँ केवल कबीर, सूर एवं तुलसी से पूछी जाएंगी)
2. रीतिकालीन काव्य – प्रो. मानवेन्द्र पाठक
   (व्याख्याएँ केवल बिहारी, घनानन्द एवं भूषण से पूछी जाएंगी)

अंक विभाजन :

1. छह व्याख्याओं में से कुल तीन करनी हैं। प्रत्येक व्याख्या 7 अंक : 7x3=21
2. आठ लघूत्तरी प्रश्न में से कुल चार प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक : 6x4=24
3. चार दीर्घउत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्नों में से कुल दो प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक : 15x2=30

कुल अंक 75

द्वितीय प्रश्नपत्र : कथा एवं साहित्य **पूर्णांक : 75**

पाठ्यपुस्तकें

1. त्यागपत्र (उपन्यास) – जैनेन्द्र कुमार
2. कहानी सप्तक – सम्पादक : प्रो. नीरजा टंडन

अंक विभाजन :

1. छह व्याख्याओं में से कुल तीन करनी हैं। प्रत्येक व्याख्या 7 अंक : 7x3=21
2. आठ लघूत्तरी प्रश्न में से कुल चार प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक : 6x4=24
3. चार दीर्घउत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्नों में से कुल दो प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक : 15x2=30

कुल अंक 75

बी.ए.द्वितीय वर्ष (B.A. II)

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक काव्य पूर्णांक : 75

पाठ्यपुस्तकें

1. द्विवेदी एवं छायावादयुगीन काव्य – सम्पादक : प्रो. चन्द्रकला रावत
2. छायावादोत्तर हिन्दी कविता – सम्पादक : प्रो. शिरीष कुमार मौर्य

अंक विभाजन :

1. छह व्याख्याओं में से कुल तीन करनी हैं। प्रत्येक व्याख्या 7 अंक : 7x3=21
2. आठ लघूत्तरी प्रश्न में से कुल चार प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक : 6x4=24
3. चार दीर्घउत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्नों में से कुल दो प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक : 15x2=30

कुल अंक 75

द्वितीय प्रश्नपत्र : नाटक एवं निबन्ध **पूर्णांक : 75**

पाठ्यपुस्तकें

1. ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
2. चार एकांकी – सम्पादक : प्रो. देव सिंह पोखरिया
   (व्याख्या केवल सूखी डाली एवं ऊसर एकांकी से पूछी जाएगी।)
3. हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्ध – सम्पादक : प्रो. नीरजा टंडन
   ((व्याख्या केवल कछूआ धर्म, अशोक के फूल और पगडंडियों का ज़माना से पूछी जाएगी)

अंक विभाजन :

1. छह व्याख्याओं में से कुल तीन करनी हैं। प्रत्येक व्याख्या 7 अंक : 7x3=21
2. आठ लघूत्तरी प्रश्न में से कुल चार प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक : 6x4=24
3. चार दीर्घउत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्नों में से कुल दो प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक

: 15x2=30

कुल अंक 75

बी.ए. तृतीय वर्ष(B.A.III)

प्रथम प्रश्नपत्र : उत्तराखंड का हिन्दी साहित्य अथवा लोक साहित्य पूर्णांक : 75

पाठ्यपुस्तकें

1. लोक साहित्य – सम्पादक : प्रो. चन्द्रकला रावत

   अथवा

1. उत्तराखंड का हिन्दी साहित्य – सम्पादक : प्रो. जगत सिंह बिष्ट

अंक विभाजन :

1. छह व्याख्याओं में से कुल तीन करनी हैं। प्रत्येक व्याख्या 7 अंक : 7x3=21
2. आठ लघूत्तरी प्रश्न में से कुल चार प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक : 6x4=24
3. चार दीर्घउत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्नों में से कुल दो प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक : 15x2=30

कुल अंक 75

द्वितीय प्रश्नपत्र : स्मारक साहित्य अथवा प्रयोजनमूलक हिन्दी पूर्णांक : 75

पाठ्यपुस्तकें

1. स्मृति वीथिका – सम्पादक : प्रो. निर्मला ढैला बोरा

अंक विभाजन :

1. छह व्याख्याओं में से कुल तीन करनी हैं। प्रत्येक व्याख्या 7 अंक : 7x3=21
2. आठ लघूत्तरी प्रश्न में से कुल चार प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक : 6x4=24
3. चार दीर्घउत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्नों में से कुल दो प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक : 15x2=30

कुल अंक 75

अथवा

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सम्पादक : प्रो. निर्मला ढैला बोरा

   1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : अभिप्राय एवं महत्व
   2. शासकीय पत्र : सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, पृष्ठांकन, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति, अनुस्मारक, अध्यादेश, प्रारूपण एवं टिप्पण।
   3. भाषा कम्प्यूटिंग : वर्ड प्रोसेसिंग, डेटा प्रोसेसिंग, फॉंट प्रबन्धन आदि ।
   4. अनुवाद : स्वरूप, प्रकार एवं महत्व।
   5. सम्पादन कला : सम्पादक के गुण एवं विशेषताएँ, सम्पादक के कार्य।
   6. जनसंचार एवं जनसंसार माध्यम
   7. मीडिया लेखन : समाचार पत्रों, रेडियो तथा टीवी के लिए समाचार लेखन।

अंक विभाजन :

1. कुल लघूत्तरी पांच प्रश्न। आतंरिक विकल्पों के साथ। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक। 6x5=30
2. दीर्घउत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्पों के साथ। कुल तीन प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक 15x3=45

कुल अंक 75

दिनांक 18.10.2019

(मानवेन्द्र पाठक)

संयोजक एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय
नैनीताल

प्रति,
परीक्षा नियन्त्रक
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल। दिनांक 28.09.2018

विषय: विद्यापरिषद्, कुमाऊँ विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाओं में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हटाने के सन्दर्भ में

महोदय,

विद्यापरिषद् की दिनांक 24.09.2018 के द्वारा परीक्षाओं में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हटाने के सन्दर्भ में हिन्दी विषय द्वारा निर्धारित अंकविभाजन तथा प्रश्नपत्र प्रारूप प्रस्तुत है।

नीरजा टण्डन,

हिन्दी विभागाध्यक्ष,

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।

स्नातक प्रथम सत्रार्ध (First Semester)

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र

प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य : संपादक डॉ. मानवेन्द्र पाठक

टिप्पणी : (क) निम्नांकित कवियों के रचना अंशों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे-

1. चन्दवरदायी, 2. कबीर, 3. जायसी, 4. सूरदास, 5. तुलसीदास।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-	3×6 =18 अंक
दो लघूत्तरी प्रश्न (कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।	$3^1/_2 \times 3^1/_2$=07अंक
तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा)	3 ×10 =30 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक प्रथम सत्रार्ध (First Semester)

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्नपत्र

हिन्दी कथा-साहित्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:

1. त्यागपत्र - जैनेन्द्र

2. कहानीसप्तक - सम्पादक -डॉ.नीरजा टण्डन

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-	3×6 =18 अंक
दो लघूत्तरी प्रश्न (कुल चार प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।	$3^1/_2 \times 3^1/_2$=07अंक
तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा।)	3 ×10 =30 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक द्वितीय सत्रार्ध [Second semester]

हिन्दी साहित्य

तृतीय प्रश्नपत्र

रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

रीतिकालीन काव्य - संपा0 प्रो0 मानवेन्द्र पाठक

टिप्पणी- अग्रांकित कवियों के रचनाअंशों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

1- केशवदास 2- बिहारी 3- देव 4- घनानंद 5- भूषण

2- काव्यांग परिचय (रस, छंद, अलंकार, शब्दशक्तियाँ)

क- छंद- निम्नांकित छंदों के उदाहरण - दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, गीतिका, सवैया, हरिगीतिका, कवित्त, ताटंक, मानव, श्रृंगार, इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, बसंततिलका, पंचचामर।

ख- अलंकार- निम्नांकित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण- अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, रूपकातिशयोक्ति, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, संदेह, भ्रांतिमान, प्रतीप, व्यतिरेक, मानवीकरण, अतिश्योक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति।

ग- रस - रसावयव- स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव।

रस भेद- श्रृंगार, हास्य, वीर, अद्भुत, करूण, रौद्र, वीभत्स, भयानक, शांत, भक्ति, वात्सल्य- रसों के लक्षण एवं उदाहरण।

घ- शब्दशक्तियाँ - शब्दशक्तियों का सामान्य परिचय- अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से दो व्याख्याएं-	2×6 =12 अंक
चार लघूत्तरी प्रश्न (रस 4अंक ,छन्द, अलंकार एवं शब्दशक्तियों के लिए तीन-तीन अंक निर्धारित हैं।)	4 +3+3+3=13अंक
तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न ((सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा।)	3 ×10 =30 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक द्वितीय सत्रार्ध [Second semester]

हिन्दी साहित्य

चतुर्थ प्रश्नपत्र

नाटक एवं एकांकी

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:

1- ध्रुवस्वामिनी- जयशंकर प्रसाद

2- चार एकांकी - एकांकी संग्रह, संपा0 प्रो0 देवसिंह पोखरिया

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×6 =18 अंक

दो लघूत्तरी प्रश्न(कुल चार प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। $3^1/_2 \times 3^1/_2$=07अंक

तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य ,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 55 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

कुल योग 75 अंक

स्नातक तृतीय सत्रार्ध (Third Semester)

हिन्दी साहित्य

पंचम प्रश्नपत्र

द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य: संपादक डॉ. चन्द्रकला रावत

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×6 =18 अंक

दो लघूत्तरी प्रश्न(कुल चार प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। $3^1/_2 \times 3^1/_2$=07अंक

तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 55 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

कुल योग 75 अंक

स्नातक तृतीय सत्रार्ध (Third Semester)

हिन्दी साहित्य

षष्ठ प्रश्नपत्र

हिन्दी निबन्ध

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

1. हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्ध : संपादक डॉ. नीरजा टण्डन

टिप्पणी : (क) निम्नांकित लेखकों के निबन्धों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे-

1. कछुआ धरम-चन्द्रधरशर्मा गुलेरी, 2. साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है-बालकृष्णभट्ट, 3. कविता क्या है-रामचन्द्रशुक्ल 4. अशोक के फूल-हजारी प्रसाद द्विवेदी, 5. जीने की कला-महादेवी वर्मा, 6. पगडंडियों का ज़माना-हरिशंकर परसाई। इन निबन्धों के अतिरिक्त द्रुतपाठ के लिए निर्धारित निबन्ध हैं- 1.अस्ति की पुकार हिमालय- विद्यानिवास मिश्र, 2.रामधारी सिंह दिनकर- भारत की सांस्कृतिक एकता, 3.अतीत एक आत्ममन्थन- निर्मल वर्मा, 4. कुबेरनाथराय- एक महाकाव्य का जन्म।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-	3×6 =18 अंक
दो लघूत्तरी प्रश्न(कुल चार प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।	$3^1/_2 \times 3^1/_2$=07अंक
तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा)	3 ×10 =30 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक चतुर्थ सत्रार्ध (Fourth Semester)

हिन्दी साहित्य

सप्तम प्रश्नपत्र

छायावादोत्तर हिंदी कविता

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

छायावादोत्तर हिंदी कविता : प्रो0 शिरीष कुमार मौर्य

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×6 =18 अंक

दो लघूत्तरी प्रश्न(कुल चार प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। $3^1/_2 \times 3^1/_2$=07अंक

तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 55 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

कुल योग 75 अंक

स्नातक चतुर्थ सत्रार्ध (Fourth Semester)

हिन्दी साहित्य

अष्टम प्रश्नपत्र

स्मारक साहित्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

स्मृति वीथिका : प्रो0 निर्मला ढैला बोरा

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×6 =18 अंक

दो लघूत्तरी प्रश्न(कुल चार प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। $3^1/_2 \times 3^1/_2$=07अंक

तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 55 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

कुल योग 75 अंक

स्नातक पंचम सत्रार्ध (Fifth Semester)

हिन्दी साहित्य

नवम प्रश्नपत्र

प्रयोजनमूलक हिंदी

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. पत्राचार : कार्यालयी पत्र, प्रारूपण, टिप्पणी, व्यावसायिक पत्र।
2. संक्षेपण एवं पल्लवन।
3. भाषा कम्पयूटिंग - वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग और फॉण्ट प्रबंधन। 4. संपादन कला - प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, फीचर लेखन, पृष्ठसज्जा एवं प्रस्तुतीकरण।
5. मीडिया लेखन - संचार भाषा का स्वरूप और वर्तमान संचार व्यवस्था।
6. प्रमुख जनसंचार माध्यम - प्रेस, रेडियो, टीवी, फिल्म, वीडियो और इंटरनेट। माध्यमोपयोगी लेखन-प्रविधि।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पांच लघूत्तरी प्रश्न 5×5 =25 अंक

तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्न (सभी अनिवार्य, प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प रहेगा। 3 ×10=30 अंक

योग 55 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

कुल योग 75 अंक

स्नातक पंचम सत्रार्ध (Fifth Semester)

हिन्दी साहित्य

दशम प्रश्नपत्र

लोक-साहित्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक :

लोक-साहित्य - संपा0 प्रो0 चंद्रकला रावत

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×6 =18 अंक

दो लघूत्तरी प्रश्न $3^1/_2 \times 3^1/_2$=07अंक

तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा।) 3 ×10 =30 अंक

योग 55 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

कुल योग 75 अंक

स्नातक षष्ठ सत्रार्ध (Sixth Semester)

हिन्दी साहित्य

एकादश प्रश्नपत्र

हिंदी पत्रकारिता

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार
2. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
3. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व - समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम

4. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत - शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया

5. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्रॉफिक्स) की व्यवस्था और फोटोपत्रकारिता

6. पत्रकारिता से संबंधित लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलोअप) आदि की प्रविधि

7. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता

8. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पांच लघूत्तरी प्रश्न	5×5=25 अंक
तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्न(सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा।)	3 ×10 =30 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक षष्ठ सत्रार्ध (Sixth Semester)

हिन्दी साहित्य

द्वादश प्रश्नपत्र

उत्तराखंड का हिंदी साहित्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक :

उत्तराखंड का हिंदी साहित्य : संपा0 प्रो0 जगतसिंह बिष्ट

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-	3×6 =18 अंक
दो लघूत्तरी प्रश्न	$3^1/_2 \times 3^1/_2$=07अंक

तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न	3 ×10 =30 अंक	
	योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन		20 अंक
	कुल योग	75 अंक

प्रो.नीरजा टंडन
संयोजक व अध्यक्ष
हिंदी विभाग
कुमाऊं विश्वविद्यालय
नैनीताल

बी0ए0 प्रथम वर्ष
आधार पाठ्यक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)
हिंदी भाषा
प्रथम प्रश्नपत्र

बी0ए0 प्रथम वर्ष हिन्दी भाषा का पाठ्यक्रम एकवर्षीय है, जिसमें दो सेमेस्टर हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में दो–दो प्रश्नपत्र हैं।

समय :दो घण्टे **पूर्णांक : 75**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिंदी वर्णमाला : स्वर और व्यंजन –05 अंक
2. हिंदी–वर्तनी : हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी–विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन। –10 अंक
3. हिंदी शब्द रचना– समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्दभेद– रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर– तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, । –15 अंक
4. पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य, परिभाषा तथा संलग्न परिशिष्ट के अंतर्गत संगृहीत– 250 अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द, हिंदी पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी प्रतिपारिभाषिक शब्द । – 10 अंक
5. विरामचिह्न और उनका प्रयोग। – 05 अंक
6. वाक्य रचना, वाक्य–भेद, वाक्य–विश्लेषण, वाक्य–संश्लेषण, वाक्य–शुद्धि।–05 अंक
7. आन्तरिक मूल्यांकन । –20 अंक

टिप्पणी : क. इस प्रश्नपत्र में 55 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। हर प्रश्न में चार विकल्प होंगे।

ख. परीक्षार्थियों को यह प्रश्नपत्र पूर्व में निर्धारित 3 घंटे के स्थान पर दो घंटे में हल करना होगा।

ग. अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा– वस्तुनिष्ठ प्रश्न 55 – 55 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन – 20अंक

कुल –75 अंक

सत्र 2003–2004 से इस पाठ्यक्रम को बी0ए0 प्रथम वर्ष की परीक्षा में उत्तीर्ण करना अनिवार्य हो गया है तथा अब इसके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ते हैं।

सहायक ग्रंथ : डॉ0 बाहरी– व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, हिंदी : रूप, उद्भव–विकास, हिंदी का सामान्य ज्ञान, शुद्ध हिंदी। डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा– हिंदी भाषा का इतिहास। डॉ0 भोलानाथ तिवारी– हिंदी भाषा। रामचंद्र वर्मा– अच्छी हिंदी। डॉ0 केशवदत्त रुवाली– हिंदी भाषा : प्रथम भाग, हिंदी भाषा, द्वितीय भाग। हिंदी भाषा–शिक्षण : संक्षिप्त परिचय, हिंदी भाषा और नागरी लिपि, प्रयोजनमूलक हिंदी एवं कम्प्यूटर ज्ञान, मानक हिंदी ज्ञान, हिंदी साहित्य का इतिहास, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा और व्याकरण, हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदी की मानक वर्तनी, आधुनिक भाषा विज्ञान। डॉ0 देवसिंह पोखरिया– व्यावहारिक पत्र–लेखन कला। डॉ0 मानवेन्द्र पाठक– व्यावहारिक हिंदी। किशोरीदास वाजपेयी– हिंदी शब्दानुशासन। डॉ0 अवस्थी– हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास।

परिशिष्ट :

पाठ्यक्रम में निर्धारित पारिभाषिक शब्दों की सूची निम्नांकित है–

Academic = शैक्षणिक, शैक्षिक; Academic Council = विद्यापरिषद्; Academy = अकादमी; Account = लेखा, खाता, हिसाब; Accusation = दोषारोपण, अभियोग; Accuse = अभियोग लगाना; Acknowledgement = पावती, अभिस्वीकृति; Acquital = दोषमुक्ति; Academic = शैक्षणिक, शैक्षिक; Acquittal = दोषमुक्ति; Action = कारवाई, क्रिया; Ad-hoc = तदर्थ; Adjournment = स्थगन; Administration = प्रशासन; Administrator = प्रशासक; Admissible = ग्राह्य, स्वीकार्य; Admission = प्रवेश, दाखिला; Adultration = मिलावट, अपमिश्रण; Advance = अग्रिम, पेशगी; Advance Copy = अग्रिमप्रति; Adverse = प्रतिकूल; Advocate = अधिवक्ता; Affidavit = शपथपत्र; हलफनामा; Agency = अभिकरण, एजेंसी; Agenda = कार्यसूची; Agent = अभिकर्ता, एजेंट; Aggrieved = व्यथित; Agreement = अनुबंध; Alias = उर्फ; Alien = अन्यदेशीय; Allocate = बाँटना, विभाजित करना; Allotment = आबंटन; Allowance = भत्ता; Ambiguous - संदिग्धार्थी; Amendment = संशोधन; Amnesty = सर्वक्षमा; Ancestor = पूर्वज; Anexe = उपभवन; Annexure = संलग्नक; Anniversary = वर्षगाँठ; Anomaly = विषमता; Apathy = उदासीनता; Arms = आयुध, हथियार; Army = सेना, थलसेना; Arrears = बकाया; Artisan = कारीगर; Assault = हमला, प्रहार, धावा; Assembly = सभा; Assert = जोर देकर कहना, दृढ़तापूर्वक कहना; Assessee = निर्धारिती; Audit = लेखापरीक्षा, संपरीक्षा; Austerity = मितोपभोग; Authority = प्राधिकारी, प्राधिकार, प्राधिकरण; Autograph = स्वाक्षर; Autonomous = स्वायत्तशासी; Betray = विश्वासघात करना; Bias = पूर्वाग्रह; Bigamy = द्विविवाह; Bill = विधेयक, बिल; Biodata = जीवनवृत्त; Bonafide = वास्तविक, सद्भावपूर्ण; Bribe = घूस, रिश्वत; Buyer = खरीददार, क्रेता; Camp = शिविर, कैम्प; Career = वृत्ति, जीविका, जीवन; Carriage = ढुलाई, गाड़ीवाहन, सवारी डिब्बा; Cash-Chest = तिजोरी; Case = मामला, प्रकरण, स्थिति; Casual = आकस्मिक; Cell = प्रकोष्ठ; Censor = सेंसर; Century = शताब्दी, शती, सदी; Chairman =

अध्यक्ष; President = सभापति; Challenge = चुनौती, आपत्ति; Chaos = अव्यवस्था; Character Roll = चरित्रपंजी; Charge = आरोप, कार्यभार; Charge-sheet = आरोप पत्र; Cheque = चेक; Chorus = वृंदगान, Chronic = जीर्ण, दीर्घकालिक; Circuit-house = विश्रामगृह, सर्किट हाउस; Circular = परिपत्र; Citizenship = नागरिकता; Civic = नागरिक; Claim = दावा, दावा करना; Clinic = निदानालय, क्लिनिक; Clue = सूत्र, संकेत; Code = संहिता, संकेत; Code-number = सांकेतिक संख्या, College = महाविद्यालय, कॉलेज, Collusion = दुरभिसंधि, Colony = उपनिवेश, बस्ती, कॉलोनी; Column = स्तंभ, खाना; Communique = विज्ञप्ति; Concession = रियायत; Concurrence = सहमति; Conditional = सशर्त; Condolence = शोक, संवेदना; Condone = माफ करना; Conduct = आचरण; Conference = सम्मेलन; Confirmation = पुष्टि, स्थायीकरण; Consensus = मतैक्य; Consent = सम्मति; Consipiracy = षड्यंत्र; Constituency = निर्वाचन क्षेत्र; Constituent = संघटक; Constitution = संविधान, गठन; Consumable = उपभोज्य; Convener = संयोजक; Convocation = दीक्षांत समारोह; Copy = प्रतिलिपि, नकल, प्रति; Cost = लागत; Council = परिषद्, Course = पाठ्यक्रम; Covering Letter = सहपत्र; Culprit = अपराधी, दोषी; Daily दैनिक; Data = आधार सामग्री, आंकड़े; Dearness Allowance = महंगाई भत्ता; Death anniversary = पुण्यतिथि; Death-cum-retirement gratuity = मृत्युनिवृत्ति, उपदान; Debar =रोकना, वर्जन करना, Designate = नामोदिष्ट करना, अभिहित करना, Device = युक्ति, साधन; Diplomacy = राजनय; Diplomat = राजनयज्ञ; Directory = निर्देशिका; Termmenate = पदच्युत करना, बर्खास्त करना; Dispose of = निपटाना; Drawee = अदाकर्ता; Employee = कर्मचारी; Employer = नियोक्ता; Entry = प्रविष्टि; Exception = अपवाद; Exemption = छूट, माफी; Expert = विशेषज्ञ; Faculty = संकाय; False = मिथ्या, झूठा; Forecast = पूर्वानुमान; Formal = औपचारिक; Formula = सूत्र; Forward = अग्रेषण करना, अग्रवर्ती; Fund = निधि; Gallery = दीर्घा, वीथी, गैलरी; Habit = स्वभाव, आदत, अभ्यास; Her Majesty = महामहिम; Humiliation = अपमान, अनादर; Ignorance = अनभिज्ञता; Illegal = अवैध, lllegible = अपाठ्य; Illicit =निषिद्ध; Illiteracy = निरक्षरता; Ill-Will = वैमनस्य; Index = अनुक्रमणिका, सूचक; Issue = निर्गम, जारी करना, देना; Juniority = कनिष्ठता; Jurisdiction = अधिकार क्षेत्र, क्षेत्राधिकार; Lawfull = विधिसम्मत; Laxity = शिथिलता; Menu = मेनू, भोज्यतालिका; Nutrition = पोषण; Oath = शपथ; Opinion = मत, राय; Option = विकल्प; Original = मूलप्रति, मौलिक; Panel = नामिका, Pass = पास, पारण, पास करना, गुजरना; Pay = वेतन, भुगतान करना; Payee = प्राप्तकर्ता, पाने वाला, आदाता; Prerogative = परमाधिकार; Panctual = समयनिष्ठ; Put in abeyance = प्रास्थगित करना; Put up = प्रस्तुत करना; Quantity = मात्रा, परिमाण, राशि; Quash = अभिखंडित करना; Raid = छापा, छापा मारना; Random = यादृच्छिक, सांयोगिक; Ratio = अनुपात; Rebate = घटौती; Recovery = वसूली; Recommendation = संस्तुति, सिफारिश; Record = अभिलेख, कीर्तिमान; Registration = पंजीकरण; Registry = रजिस्ट्री; Regret = खेद, खेद प्रकट करना; Re-hearsal = पूर्वाभ्यास; Re-joinder = प्रत्युत्तर; Remitee = प्रेषिती, पानेवाला; Re-newal = नवीनीकरण; Report = प्रतिवेदन, रिपोर्ट; Republic day = गणंतत्र

दिवस; Sabotage = तोड़फोड़, अंतर्ध्वंस; Sample = नमूना, प्रतिदर्श; Sanction = मंजूरी, संस्वीकृति, Sancity = पवित्रता, Sane = स्वस्थचित्त, Scale = माप, पैमाना, Scheme = योजना; Scholarship = छात्रवृत्ति, विद्वत्ता(Secrcey = गोपनीयता; Seizure = अभिग्रहण; Seniority = वरिष्ठता; Sine die = अनिश्चित काल के लिए; Sine Qua Non = अनिवार्य शर्त; Sir = श्रीमान्, महोदय; Site = स्थल, स्थान; Site Plan = स्थल नक्शा; Slum = गंदी बस्ती, Smuglling = तस्करी; Stay = रोक; Storey = मंजिल, तल; Strain = तनाव; Summon = सम्मन, आह्वान करना; Supply = आपूर्ति; Syndicate = अभिषद् सिंडीकेट; Tenant = किरायेदार; Tender = टेण्डर, निविदा; Tension = तनाव; Tenure = अवधि, कार्यकाल; Tenure of Office = पदावधि; Term = अवधि; Terror = आतंक; Testimonial = संशापत्र; Time-barred = कालातीत; Timebound = समयबद्ध; Trailer = अनुयान; Train = ट्रेन, रेलगाड़ी; Trainee = प्रशिक्षाणार्थी; Transport = परिवहन; Trustee = न्यासी; Uncertain = अनिश्चित; Undertaking = उपक्रम, वचन, वचनबंध; Union = संघ; Unique =अनुपम, अपूर्व; Valid = मान्य, विधिमान; Value = मूल्य; Visa = वीजा, प्रवेशपत्र; Vis-a-vis = के सामने की तुलना में, बनाम; Wage = मजदूरी, मजूरी; Warrent = अधिपत्र; Zone = जोन, अंचल।

बी0ए0 प्रथम वर्ष
प्रथम सत्रार्ध
आधार पाठ्यक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)
हिंदी भाषा
द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 75**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिंदी की शैलियाँ– हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू।
2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।
3. हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ–(1)पश्चिमी हिन्दी (2)पूर्वी हिन्दी (3)राजस्थानी (4) बिहारी (5)पहाड़ी एवं उनकी बोलियाँ।
4. हिन्दी भाषा : विविध सन्दर्भ

5. देवनागरी लिपि और अंक।

6. हिंदी भाषा का मानकीकरण।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

पाँच लघूत्तरी प्रश्न	5x5 = 25अंक
तीन दीर्ध उत्तरीय प्रश्न	10×3 = 30अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20अंक
कुल योग	75अंक

सहायक ग्रंथ : डॉ0 केशवदत्त रुवाली– हिंदी भाषा : प्रथम भाग, हिंदी भाषा : द्वितीय भाग, हिंदी भाषा शिक्षण, मानक हिंदी ज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा का इतिहास, देवनागरी लिपि और अंक, हिंदी भाषा और नागरी लिपि। डॉ0 लक्ष्मण सिंह बिष्ट 'बटरोही' –हिंदी साहित्य : संक्षिप्त परिचय। डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा– हिंदी भाषा का इतिहास। डॉ0 भोलानाथ तिवारी– हिंदी भाषा। डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा – हिंदी भाषा का विकास। डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया– प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास। डॉ0 पूरनचंद्र टण्डन– व्यावहारिक हिंदी।

बी0ए0 प्रथम वर्ष
द्वितीय सत्रार्ध
आधार पाठ्यक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)
हिंदी भाषा
तृतीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 75**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. पत्रलेखन : कार्यालयी पत्र– आवेदन पत्र, प्रत्यावेदन, प्रतिवेदन, शासकीय पत्र, अर्धशासकीय पत्र, शासनादेश, परिपत्र, अनुस्मरण–पत्र, कार्यालय आदेश, टिप्पणी, अधिसूचना, प्रेसविज्ञप्ति, निविदा, विज्ञापन।

2.सम्पादक के नाम पत्र।
3.मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ।
4.अपठित ।
5.संक्षेपण और विस्तारण।
6.आन्तरिक मूल्यांकन।

सहायक ग्रन्थ : रामचन्द्र वर्मा–अच्छी हिन्दी। डॉ. केशवदत्त रुवाली–हिन्दी भाषा : प्रथम भाग, हिन्दी भाषा : द्वितीय भाग। हिन्दी भाषा–शिक्षणः संक्षिप्त परिचय, हिन्दी भाषा और व्याकरण, डॉ. देवसिंह पोखरिया–व्यावहारिक पत्र–लेखन कला, मानवेन्द्र पाठक– व्यावहारिक हिन्दी

अंक विभाजन–

1कार्यालयीय पत्रलेखन– 20 अंक
2.संपादक के नाम पत्र–10 अंक
3.मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ– 10 अंक
4.अपठित – 05 अंक
5.संक्षेपण और विस्तारण।– 02X05=10 अंक कुल अंक 55
6.आन्तरिक मूल्यांकन। 20अंक
कुल योग 75 अंक

बी0ए0 प्रथम वर्ष
द्वितीय सत्रार्ध
आधार पाठ्यक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)
हिंदी भाषा
चतुर्थ प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 75**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिन्दी के विविध रूप –राजभाषा, राष्ट्रभाषा, एवं सम्पर्क भाषा ।
2.राजभाषा और राष्ट्रभाषा की समस्याएँ।
3.हिन्दी भाषा का मानकीकरण।
4.देवनागरी लिपि और अंक ।

सहायक ग्रन्थ : डॉ. केशवदत्त रुवाली–हिन्दी भाषा : प्रथम भाग, हिन्दी भाषा : द्वितीय भाग। हिन्दी भाषा–शिक्षण : संक्षिप्त परिचय, हिन्दी भाषा और व्याकरण, डॉ. देवसिंह पोखरिया–व्यावहारिक पत्र–लेखन कला, मानवेन्द्र पाठक– व्यावहारिक हिन्दी

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

पाँच लघूत्तरी प्रश्न	5×5 = 25
तीन दीर्ध उत्तरीय प्रश्न	=10×3 = 30अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20अंक
कुल योग	75अंक

एम0ए0: हिंदी

प्रथम सत्रार्ध

प्रथम प्रश्न-पत्र

आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य

पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा0 डा. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रकम)
2. चंदवरदाई: कयमास-वध, संपा0 राजेश्वर चतुर्वेदी, प्रकाशन केन्द्र, सीतापुर रोड, लखनऊ।
3. विद्यापति: संपा0 शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल प्रार्थना एवं रूप वर्णन), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा0 जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 50 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 10 पद केवल साखी भाग), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. मलिक मुहम्मद जायसी: जायसी ग्रंथावली, संपा0 रामचंद्र शुक्ल; (व्याख्या हेतु केवल 'नागमती वियोग' वर्णन खंड)।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-	3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न	3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा)	3 ×10 =30 अंक
योग	75 अंक
4. आन्तरिक मूल्यांकन	25 अंक
कुल योग	100 अंक

द्वितीय प्रश्न-पत्र

सगुण काव्य एवं रीतिकालीन काव्य: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. सूरदास: भ्रमरगीत सार: संपा0 आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 100 तक), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

2. तुलसीदास: विनयपत्रिका: तुलसीदास (व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 100 तक), गीताप्रेस गोरखपुर।
3. केशवदास: संक्षिप्त रामचन्द्रिका: संपा0 डा. रामचंद्र तिवारी। (व्याख्या हेतु प्रारंभिक पाँच प्रकाश- 1. मंगलाचरण, 2. अयोध्यापुरी वर्णन, 3. सीता स्वयंवर, 4. परशुराम संवाद, 5. वन मार्ग में राम), रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।
4. बिहारी: बिहारी नवनीत: संपा0 रवीन्द्र कुमार जैन (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 50 दोहे), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
5. घनानंद: घनानंद कवित्त: संपा0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 20 छंद)

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-	3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न	3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा)	3 ×10 =30 अंक
	योग 75 अंक
4. आन्तरिक मूल्यांकन	25 अंक
कुल योग	100 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र

भारतीय काव्यशास्त्र:

निर्धारित पाठ्यक्रम: पूर्णांक 100

1. काव्यशास्त्र: परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य भेद।
2. काव्य संप्रदाय: रस संप्रदाय: रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय, ध्वनि संप्रदाय, वक्रोक्ति संप्रदाय एवं औचित्य संप्रदाय।

3. हिंदी आलोचना: विकास, प्रमुख हिंदी आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत (आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डा. नगेन्द्र, डा. रामविलास शर्मा, डा. नामवर सिंह)।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. 6 लघूत्तरी प्रश्न(कुल 10 प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को छ: प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

06X05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3×15 =45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से रीतिकाल तक: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य पंरपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।
2. मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।
3. भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।
4. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. 6 लघूत्तरी प्रश्न(कुल 10 प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को छ: प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

06X05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच

आन्तरिक विकल्प होगा) 3×15 =45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

द्वितीय सत्रार्ध

पंचम प्रश्न-पत्र

आधुनिक हिंदी काव्य (छायावाद तक): पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. जगन्नाथदास 'रत्नाकर': उद्धत शतक (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 पद), नागरी प्रचारिणी सभी काशी।
2. मैथिलीशरण गुप्त: साकेत (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, चिरगांव झाँसी।
3. जयशंकर प्रसाद: कामायनी (व्याख्या के लिए केवल श्रद्धा और इड़ा सर्ग), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राग-विराग, संपा0 रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए 'राम की शक्तिपूजा), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।
5. सुमित्रानंदन पंतः रश्मिबंध (व्याख्या के लिए प्रारंभिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
6. महादेवी वर्मा: संधिनी (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. 6 लघूत्तरी प्रश्न(कुल 10 प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को छः प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 06X05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3×15 =45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

षष्ठ प्रश्न-पत्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: संक्षिप्त परिचय, प्लेटो के काव्य सिद्धांत, अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धात एवं त्रासदी विवेचन, लोंजाइन्स: उदात्त की अवधारणा एवं भेद।
2. मैथ्यू आर्नल्ड: कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे: अभिव्यंजनावाद, आई0 ए0 रिचर्ड्स: काव्यमूल्य, टी0 एस0 इलियट: कला की निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
3. वर्डसवर्थ: काव्यभाषा सिद्धांत, कालरिज: कल्पना सिद्धांत।
4. विविध वाद: स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. 6 लघूत्तरी प्रश्न(कुल 10 प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को छ: प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 06X05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3×15 =45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

सप्तम प्रश्न-पत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल): पूर्णांक100

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: भारतेन्दु युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।
2. छायावाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।

3. हिंदी गद्य साहित्य का विकास: नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।
4. हिंदी का स्मारक साहित्य: संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. 6 लघूत्तरी प्रश्न(कुल 10 प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को छ: प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 06X05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3×15 =45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अष्टम प्रश्न-पत्र

हिंदी कथा एवं नाटक साहित्य: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. प्रेमचंद: गोदान, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
2. हिमांशु जोशी: कगार की आग, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
3. सं0 बटरोही: हिंदी कहानी के नौ कदम, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।
4. जयशंकर प्रसाद: स्कन्दगुप्त, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।
5. मोहन राकेश: लहरों के राजहंस, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।
6. संपा0 राकेश गुप्त एवं चतुर्वेदी: एकांकी मानस (संक्षिप्त संस्करण), ग्रंथायन, अलीगढ़।

उक्त पुस्तकों में से गोदान, हिन्दी कहानी के नौ कदम तथा स्कन्दगुप्त से व्याख्याएँ पूछी जाएँगी।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

तृतीय सत्रार्ध

नवम प्रश्न-पत्र

आधुनिक हिंदी काव्य (छायावादोत्तर):

पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. रामधारी सिंह दिनकर: उर्वशी (व्याख्या के लिए केवल तृतीय सर्ग)। प्रकाशक: उदयांचल प्रकाशन, राजेन्द्र नगर, पटना।
2. वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन': नागार्जुन' की प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. संपादक: डा. मधुबाला नयाल: समय राग। (व्याख्या हेतु सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, शमशेर बहादुर, नरेश मेहता, केदारनाथ सिंह, अशोक वाजपेयी, लीलाधर जगूड़ी और अरुण कमल की सभी रचनाएँ), ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-		3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न		3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा)		3 ×10 =30 अंक
	योग	75 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन		25 अंक
	कुल योग	100 अंक

दशम प्रश्न-पत्र

भाषा विज्ञान:

पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. भाषा और भाषा विज्ञान: भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक-प्रकार्य, साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता।

2. स्वन प्रक्रिया: स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप,स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।
3. रूपप्रक्रिया: रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद: मुक्त-आबद्ध, अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन संरचना और बाह्य संरचना।
4. अर्थविज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-परिवर्तन।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. 6 लघूत्तरी प्रश्न(कुल 10 प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को छ: प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 06X05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3×15 =45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

एकादश प्रश्न-पत्र

निबंध एवं स्मारक साहित्य: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:

1. नीरजा टंडन: हिंदी के सर्वश्रेष्ठ निबंध, शाइनिंग स्टार पब्लिकेशन, रामनगर (नैनीताल)।
2. महादेवी वर्मा: पथ के साथी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. केशवदत्त रुवाली/जगतसिंह बिष्ट: स्मारक साहित्य संग्रह, तारामंडल प्रकाशन, अलीगढ़।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

द्वादश प्रश्नपत्र

हिंदी भाषा: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ: वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ: पालि, प्राकृत: शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी। अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार: हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ, कुमाउनी और गढ़वाली की विशेषताएँ।
3. हिंदी का भाषिक स्वरूप: हिंदी शब्द रचना: उपसर्ग, प्रत्यय, समास, रूपरचना-लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप, हिंदी वाक्य-रचना, पदक्रम और अन्विति।
4. हिंदी के विविध रूप: सपंर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यमभाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति।

5.हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ: आँकड़ा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. 6 लघूत्तरी प्रश्न(कुल 10 प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को छ: प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 06X05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3×15 =45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

चतुर्थ सत्रार्ध

त्रयोदश प्रश्न-पत्र पूर्णांक 100

(क) कुमाउनी साहित्य

1. सं. डॉ दिवाभट्ट : पछ्याण, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा

2. डॉ शेरसिंह बिष्ट : इजा (व्याख्या हेतु 1.बाट, 2.चाणै में छुँ, 3.कास, 4.रितुबदव, 5.हे राम,6. गौं-घर, 7. शहरी गौंक दुदी, 8.उन दिन,9. नई सुराज, 10. इजा) -गोपी प्रकाशन अन्मोड़ा

3. बहादुर बोरा'श्रीबन्धु' :मन्याडर, कुमाउनी भाषा-साहित्य प्रचार-प्रसार समिति, अल्मोड़ा

4.डॉ.शेरसिंह बिष्ट : मन्खिब्र , अविचल प्रकाशन,बिजनौर

5. सं. दामोदरजोशी : आपण पन्यार, जगदम्बा कम्प्यूटर्स (नैनीताल।)

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-	3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न	3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा)	3 ×10 =30 अंक
योग	75 अंक
4. आन्तरिक मूल्यांकन	25 अंक
कुल योग	100 अंक

(ख) उत्तराखण्ड के हिंदी कवि

(1. गुमानी 2. चंद्रकुँवर बर्त्वाल 3. लीलाधर जगूड़ी 4. मंगलेश डबराल 5. वीरेन डंगवाल 6. हरीशचंद्र पाण्डेय)

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

उत्तराखण्ड के हिंदी कवि - संपा0 प्रो0 दिवा भट्ट, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-	3×10=30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न	3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा)	3 ×10 =30 अंक
योग	75 अंक
4. आन्तरिक मूल्यांकन	25 अंक
कुल योग	100 अंक

(ग) उत्तराखण्ड के हिंदी कथाकार:

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:

(क) उपन्यासकार:

1. मनोहरश्याम जोशी: कसप (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रमेशचंद्र शाह: गोबर गणेश (व्याख्या हेतु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(ख) कहानी-संग्रह:

3. पाँच कहानियाँ (1. दुष्कर्मी- इलाचन्द्र जोशी, 2. रज्जो- रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी', 3. हलवाहा- शेखर जोशी, 4. बीच की दरार- गंगाप्रसाद 'विमल', 5. अ-रचित- दिवा भट्ट)- संपा0 डा. जगतसिंह बिष्ट, प्रकाश प्रकाशन, चैघानपाटा, अल्मोड़ा।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-	3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न	3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा)	3 ×10 =30 अंक
	योग 75 अंक
4. आन्तरिक मूल्यांकन	25 अंक
	कुल योग 100 अंक

चतुर्दश प्रश्नपत्र

(क) लोक साहित्य: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. लोक और लोक-वार्ता, लोक-विज्ञान।
2. लोक संस्कृति और साहित्य
3. लोक साहित्य का स्वरूप
4. अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतःसंबंध।
5. लोक साहित्य की अध्ययन-प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ।
6. लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण: लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरे, पहेलियाँ, लोक संगीत।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. 6 लघूत्तरी प्रश्न(कुल 10 प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को छः प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 06X05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3×15 =45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अथवा

(ख) कुमाउनी लोकसाहित्य पूर्णांक 100

पाठ्यपुस्तके -

1. सं. देवसिंह पोखरिया :न्योली सतसई(व्याख्या हेतु प्रारम्भ के 300 छंद ,कंसल बुकडिपो , नैनीताल।

2. सं. देवसिंह पोखरिया :कुमाउनी लोकसाहित्य (व्याख्या हेतुनयोली को छोड़कर सभी लोकगीत,मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद्,भोपाल।

3. डॉ. प्रयागजोशी : कुमाउनी लोकगाथाएँ (प्रथमभाग) व्याख्या हेतु प्रारम्भ की 6 लोकगाथाएँ । किशोरएण्ड सन्स, देहरादून

4.डॉ. प्रभा पन्त : कुमाउनी लोककथा (व्याख्या हेतु प्रारम्भ की 10 लोकगाथाएँ) अल्मोड़ाबुकडिपो, अल्मोड़ा

5.डॉ. कृष्णानन्दजोशी : कुमाऊँ का लोकसाहित्य (व्याख्या हेतुकेवलधार्मिकगीत) प्रकाशबुकडिपो,बरेली।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अथवा

(ग) भारतीय साहित्य: पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यक्रम:

प्रथम खंड: श्रेयांक :5

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
4. भारतीयता का समाजशास्त्र
5. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

द्वितीय खंड:

1. दाक्षिणात्य भाषा वर्ग: मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़।
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग: उड़िया, बँगला, असमिया, मणिपुरी।
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग: मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, उर्दू।

तृतीय खंड:

पाठ्यपुस्तकें:

1. अग्निगर्भ (बंगला)- महाश्वेता देवी
2. कोच्चिन के दरख्त (मलयालम)- के0जी0 शंकरपिल्लै
3. घासीराम कोतवाल (मराठी)- विजय तेंदुलकर
4. जसमा ओड़न (गुजराती)- शांता गाँधी

(नोट: उक्त पुस्तकों से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं-	3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न	3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा)	3 ×10 =30 अंक
	योग 75 अंक
4. आन्तरिक मूल्यांकन	25 अंक
कुल योग	100 अंक

पंचदश प्रश्नपत्र

विशिष्ट अध्ययन

(क) प्रेमचन्द पूर्णांक 100

पाठ्यपुस्तकें

1. रंगभूमि
2. कुछ विचार
3. मानसरोवर, भाग -1

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अथवा

(ख) आचार्य रामचन्द्रशुक्ल पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यपुस्त : रामचन्द्रशुक्ल ग्रन्थावली
(व्याख्या हेतु केवलनिबन्ध भाग)

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अथवा

(ग) कबीरदास पूर्णांक 100

सं. श्यामसुन्दरदास :कबीरग्रन्थावली (व्याख्या हेतु साखीभाग और आरम्भिक 100 पद).
आलोचनत्मक प्रश्न कबीर के सम्पूर्ण साहित्य से पूछेजाएँगे।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अथवा

(घ) सूरदास पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यपुस्तक

सं.धीरेन्द्र वर्मा :सूरसागरसार

टिप्पणी -सूरदास का सम्पूर्णसाहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यक्रम से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×10 =30 अंक
2. तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x05=15अंक
3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अथवा

(ड.) सुमित्रानन्दनपन्त

तारापथ : सुमित्रानन्दनपन्त ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

टिप्पणी -सुमित्रानन्दनपन्त का सम्पूर्णसाहित्य पाठ्यक्रम में है। उक्त पाठ्यक्रम से व्याख्या पूछी जाएगी।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×10 =30 अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अथवा

(च) विशिष्ट युगप्रवृत्ति का अध्ययन (छायावाद) पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें-

1. माखनलाल चतुर्वेदी: आधुनिक कवि, प्रारम्भिक 10 कविताएँ
2.रामकुमारवर्मा: 10 कविताएँ
3.मुकुटधरपाण्डेय: कश्मीर सुषमा
4. जयशंकरप्रसाद :लहर(अन्तिम तीन कविताएँ)
5. सुमित्रानन्दन पन्त :पल्लविनी(प्रारम्भिक 10 कविताएँ)
6.निराला:अपरा (प्रारम्भ की दस कविताएँ)
7.महादेवी वर्मा: यामा (आरम्भिक 10 गीत)

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. पाठ्यपुस्तक से तीन व्याख्याएं- 3×10 =30 अंक

2. तीन लघूत्तरी प्रश्न 3x05=15अंक

3. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3 ×10 =30 अंक

योग 75 अंक

4. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अथवा

(छ) हिन्दी पत्रकारिता पूर्णांक 100

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ।
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।

4. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
5. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।
7. दृश्यों सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राॅफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।
10. पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।
11. इलैक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता: रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।
12. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ-सज्जा।
13. पत्रकारिता का प्रबंधन- प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।
14. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार।
15. मुक्त प्रेस की अवधारणा।
16. लोक-संपर्क तथा विज्ञापन।
17. प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
18. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।
19. प्रजातंत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. 6 लघूत्तरी प्रश्न(कुल 10 प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को छ: प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 06X05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3×15 =45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अथवा

अनुवाद: सिद्धांत एवं प्रयोग पूर्णांक-100

1. अनुवाद: परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ।

2. अनुवाद का स्वरूप: अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प।

3. अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।

4. अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति।

5. अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत।

6. अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार: कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि।

7. अनुवाद की समस्याएँ: सुजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, विधि-साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

8. अनुवाद के उपकरण: कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि।

9. अनुवाद: पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन।

10. मशीनी अनुवाद।

11. अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य।

12. अनुवादक के गुण।

13. पाठ की अवधारणा और प्रकृति: पाठ शब्द, प्रति शब्द।
    शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।

14. व्यावहारिक अनुवाद: प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रेजी अवतरण का हिंदी अनुवाद।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

1. 6 लघूत्तरी प्रश्न(कुल 10 प्रश्न पूछेजाएँगे,जिनमें से परीक्षार्थी को छ: प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। 06X05=30अंक

2. तीन दीर्घोत्तरी आलोचनात्मक प्रश्न (सभी अनिवार्य,प्रश्नों के बीच आन्तरिक विकल्प होगा) 3×15 =45 अंक

योग 75 अंक

3. आन्तरिक मूल्यांकन 25 अंक

कुल योग 100 अंक

अथवा

लघु शोधप्रबंध **पूर्णांक 100**

टिप्पणी: जिन संस्थागत विद्यार्थियों ने एम0ए0 पूर्वार्द्ध (हिंदी) परीक्षा में 55 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों, वे पंचदश प्रश्नपत्र के विकल्प में विभागाध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट विभागीय प्राध्यापक के निर्देशन में लघु-शोध प्रबंध प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसका मूल्यांकन निर्देशक तथा बाह्य परीक्षक द्वारा पचास-पचास अंकों में किया जाएगा। लघु शोध-प्रबंध का टंकित कलेवर यथासंभव सौ पृष्ठों से अधिक का नहीं होना चाहिए।

लघु-शोध-प्रबंध को लिखित परीक्षा प्रारंभ होने से पन्द्रह दिन पूर्व निर्देशक के माध्यम से एक प्रतिलेख के लिए संबंधित संस्था के हिंदी विभागाध्यक्ष के कार्यालय में तथा दो प्रतियाँ कुलसचिव (परीक्षा) कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में संबंधित विद्यार्थी को जमा करनी होगी।

ङ -

मौखिकी: पूर्णांक: 100

निर्धारित पाठ्यक्रम:

टिप्पणी: एम0ए0 पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध (हिंदी) के पाठ्यक्रम के आलोक में लिखित परीक्षा की समाप्ति के पश्चात् हिंदी विभाग में निर्धारित तिथि को मौखिक परीक्षा संपन्न होगी, जिसकी सूचना परीक्षार्थियों को विभाग द्वारा दी जाएगी। मौखिकी के समय समस्त परीक्षार्थियों को एम0ए0 पूर्वार्द्ध की अपनी मूल अंक-तालिका परीक्षकों के समक्ष अवलोकनार्थ अनिवार्यतः प्रस्तुत करनी होगी।

(प्रो0नीरजा टण्डन)
अध्यक्ष एवं संयोजक
हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय
नेनीताल।

सत्र 2014–15 से प्रभावी

आधार पाठ्यक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)

बी0ए0 प्रथम वर्ष

हिंदी भाषा : प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 75**

1. हिंदी–वर्तनीः वर्तनी–विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन, वाक्य–शुद्धि। –10 अंक
2. हिंदी शब्द संपदा : शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्दभेद– रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर– तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द। –15 अंक
3. पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य, परिभाषा तथा संलग्न परिशिष्ट के अंतर्गत संगृहीत– 250 अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द। – 10 अंक
4. मुहावरे, लोकोक्तियाँ विरामचिह्न। – 10 अंक
5. पत्राचार– आवेदनपत्र, प्रत्यावेदन, प्रतिवेदन, शासकीय पत्र, अर्धशासकीय पत्र, संपादक के नाम पत्र। – 20 अंक
6. संक्षेपण और विस्तारण। – 10 अंक

टिप्पणी : स्नातक स्तर पर हिंदी भाषा का पाठ्यक्रम पूर्ववत् रहेगा। सत्र 2003–2004 से इस पाठ्यक्रम को बी0ए0 प्रथम वर्ष की परीक्षा में उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा तथा अब इसके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ेंगे।

सहायक ग्रंथ : डॉ0 बाहरी– व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, हिंदी : रूप, उद्भव–विकास, हिंदी का सामान्य ज्ञान, शुद्ध हिंदी। डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा– हिंदी भाषा का इतिहास। डॉ0 भोलानाथ तिवारी– हिंदी भाषा। रामचंद्र वर्मा– अच्छी हिंदी। डॉ0 केशवदत्त रुवाली– हिंदी भाषा : प्रथम भाग, हिंदी भाषा, द्वितीय भाग। हिंदी भाषा–शिक्षण : संक्षिप्त परिचय, हिंदी भाषा और नागरी लिपि, प्रयोजनमूलक हिंदी एवं कम्प्यूटर ज्ञान, मानक हिंदी ज्ञान, हिंदी साहित्य का इतिहास, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा और व्याकरण, हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदी की मानक वर्तनी, आधुनिक भाषा विज्ञान। डॉ0 देवसिंह पोखरिया– व्यावहारिक पत्र–लेखन कला। डॉ0 मानवेन्द्र पाठक– व्यावहारिक हिंदी। किशोरीदास वाजपेयी– हिंदी शब्दानुशासन। डॉ0 अवस्थी हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास।

परिशिष्ट :

पाठ्यक्रम में निर्धारित पारिभाषिक शब्दों की सूची निम्नांकित है–

Academic = शैक्षणिक, शैक्षिक; Academic Council = विद्यापरिषद्; Academy = अकादमी; Account = लेखा, खाता, हिसाब; Accusation = दोषारोपण, अभियोग; Accuse = अभियोग लगाना; Acknowledgement = पावती, अभिस्वीकृति; Acquital = दोषमुक्ति; Academic = शैक्षणिक, शैक्षिक; Acquittal = दोषमुक्ति; Action = कारवाई, क्रिया; Ad-hoc = तदर्थ; Adjournment = स्थगन; Administration = प्रशासन; Administrator = प्रशासक; Admissible = ग्राह्य, स्वीकार्य; Admission = प्रवेश, दाखिला; Adultration = मिलावट, अपमिश्रण; Advance = अग्रिम, पेशगी; Advance Copy = अग्रिमप्रति; Adverse = प्रतिकूल; Advocate = अधिवक्ता; Affidavit = शपथपत्र; हलफनामा; Agency = अभिकरण, एजेंसी; Agenda = कार्यसूची; Agent = अभिकर्ता, एजेंट; Aggrieved = व्यथित; Agreement = अनुबंध; Alias = उर्फ; Alien = अन्यदेशीय; Allocate = बाँटना, विभाजित करना; Allotment = आबंटन; Allowance = भत्ता; Ambiguous - संदिग्धार्थी; Amendment = संशोधन; Amnesty = सर्वक्षमा; Ancestor = पूर्वज; Anexe = उपभवन; Annexure = संलग्नक; Anniversary = वर्षगाँठ; Anomaly = विषमता; Apathy = उदासीनता; Arms = आयुध, हथियार; Army = सेना, थलसेना; Arrears = बकाया; Artisan = कारीगर; Assault = हमला, प्रहार, धावा; Assembly = सभा; Assert = जोर देकर कहना, दृढ़तापूर्वक कहना; Assessee = निर्धारिती; Audit = लेखापरीक्षा, संपरीक्षा; Austerity = मितोपभोग; Authority = प्राधिकारी, प्राधिकार, प्राधिकरण; Autograph = स्वाक्षर; Autonomous = स्वायत्तशासी; Betray = विश्वाघात करना; Bias = पूर्वाग्रह; Bigamy = द्विविवाह; Bill = विधेयक, बिल; Biodata = जीवनवृत्त; Bonafide = वास्तविक, सद्भावपूर्ण; Bribe = घूस, रिश्वत; Buyer = खरीददार, क्रेता; Camp = शिविर, कैम्प; Career = वृत्ति, जीविका, जीवन; Carriage = ढुलाई, गाड़ीवाहन, सवारी डिब्बा; Cash-Chest = तिजोरी; Case = मामला, प्रकरण, स्थिति; Casual = आकस्मिक; Cell = प्रकोष्ठ; Censor = सेंसर; Century = शताब्दी, शती, सदी; Chairman = अध्यक्ष; President = सभापति; Challenge = चुनौती, आपत्ति; Chaos = अव्यवस्था; Character Roll = चरित्रपंजी; Charge = आरोप, कार्यभार; Charge-sheet = आरोप पत्र; Cheque = चेक; Chorus = वृंदगान, Chronic = जीर्ण, दीर्घकालिक; Circuit-house = विश्रामगृह, सर्किट हाउस; Circular = परिपत्र; Citizenship = नागरिकता; Civic = नागरिक; Claim = दावा, दावा करना; Clinic = निदानालय, क्लिनिक; Clue = सूत्र, संकेत; Code = संहिता, संकेत; Code-number = सांकेतिक संख्या, College = महाविद्यालय, कॉलेज, Collusion = दुरभिसंधि, Colony = उपनिवेश, बस्ती, कॉलोनी; Column = स्तंभ, खाना; Communique = विज्ञप्ति; Concession = रियायत;

Concurrence = सहमति; Conditional = सशर्त; Condolence = शोक, संवेदना; Condone = माफ करना; Conduct = आचरण; Conference = सम्मेलन; Confirmation = पुष्टि, स्थायीकरण; Consensus = मतैक्य; Consent = सम्मति; Consipiracy = षड्यंत्र; Constituency = निर्वाचन क्षेत्र; Constituent = संघटक; Constitution = संविधान, गठन; Consumable = उपभोज्य; Convener = संयोजक; Convocation = दीक्षांत समारोह; Copy = प्रतिलिपि, नकल, प्रति; Cost = लागत; Council = परिषद्, Course = पाठ्यक्रम; Covering Letter = सहपत्र; Culprit = अपराधी, दोषी; Daily दैनिक; Data = आधार सामग्री, आंकड़े; Dearness Allowance = महंगाई भत्ता; Death anniversary = पुण्यतिथि; Death-cum-retirement gratuity = मृत्युनिवृत्ति, उपदान; Debar =रोकना, वर्जन करना, Designate = नामोदिष्ट करना, अभिहित करना, Device = युक्ति, साधन; Diplomacy = राजनय; Diplomat = राजनयज्ञ; Directory = निर्देशिका; Termmenate = पदच्युत करना, बर्खास्त करना; Dispose of = निपटाना; Drawee = अदाकर्ता; Employee = कर्मचारी; Employer = नियोक्ता; Entry = प्रविष्टि; Exception = अपवाद; Exemption = छूट, माफी; Expert = विशेषज्ञ; Faculty = संकाय; False = मिथ्या, झूठा; Forecast = पूर्वानुमान; Formal = औपचारिक; Formula = सूत्र; Forward = अग्रेषण करना, अग्रवर्ती; Fund = निधि; Gallery = दीर्घा, वीथी, गैलरी; Habit = स्वभाव, आदत, अभ्यास; Her Majesty = महामहिम; Humiliation = अपमान, अनादर; Ignorance = अनभिज्ञता; Illegal = अवैध, lllegible = अपाठ्य; Illicit =निषिद्ध; Illiteracy = निरक्षरता; Ill-Will = वैमनस्य; Index = अनुक्रमणिका, सूचक; Issue = निर्गम, जारी करना, देना; Juniority = कनिष्ठता; Jurisdiction = अधिकार क्षेत्र, क्षेत्राधिकार; Lawfull = विधिसम्मत; Laxity = शिथिलता; Menu = मेनू, भोज्यतालिका; Nutrition = पोषण; Oath = शपथ; Opinion = मत, राय; Option = विकल्प; Original = मूलप्रति, मौलिक; Panel = नामिका, Pass = पास, पारण, पास करना, गुजरना; Pay = वेतन, भुगतान करना; Payee = प्राप्तकर्ता, पाने वाला, आदाता; Prerogative = परमाधिकार; Panctual = समयनिष्ठ; Put in abeyance = प्रास्थगित करना; Put up = प्रस्तुत करना; Quantity = मात्रा, परिमाण, राशि; Quash = अभिखंडित करना; Raid = छापा, छापा मारना; Random = यादृच्छिक, सांयोगिक; Ratio = अनुपात; Rebate = घटौती; Recovery = वसूली; Recommendation = संस्तुति, सिफारिश; Record = अभिलेख, कीर्तिमान; Registration = पंजीकरण; Registry = रजिस्ट्री; Regret = खेद, खेद प्रकट करना; Re-hearsal = पूर्वाभ्यास; Re-joinder = प्रत्युत्तर; Remitee = प्रेषिती, पानेवाला; Re-newal = नवीनीकरण; Report = प्रतिवेदन, रिपोर्ट; Republic day = गणंतत्र दिवस; Sabotage = तोड़फोड़, अंतर्ध्वंस; Sample = नमूना, प्रतिदर्श; Sanction = मंजूरी, संस्वीकृति, Sancity = पवित्रता, Sane = स्वस्थचित्त, Scale = माप, पैमाना, Scheme = योजना; Scholarship = छात्रवृत्ति, विद्वत्ता; Secrcey = गोपनीयता; Seizure = अभिग्रहण; Seniority =

वरिष्ठता; Sine die = अनिश्चित काल के लिए; Sine Qua Non = अनिवार्य शर्त; Sir = श्रीमान्, महोदय; Site = स्थल, स्थान; Site Plan = स्थल नक्शा; Slum = गंदी बस्ती, Smuglling = तस्करी; Stay = रोक; Storey = मंजिल, तल; Strain = तनाव; Summon = सम्मन, आह्वान करना; Supply = आपूर्ति; Syndicate = अभिषद् सिंडीकेट; Tenant = किरायेदार; Tender = टेण्डर, निविदा; Tension = तनाव; Tenure = अवधि, कार्यकाल; Tenure of Office = पदावधि; Term = अवधि; Terror = आतंक; Testimonial = संशापत्र; Time-barred = कालातीत; Timebound = समयबद्ध; Trailer = अनुयान; Train = ट्रेन, रेलगाड़ी; Trainee = प्रशिक्षाणार्थी; Transport = परिवहन; Trustee = न्यासी; Uncertain = अनिश्चित; Undertaking = उपक्रम, वचन, वचनबंध; Union = संघ; Unique =अनुपम, अपूर्व; Valid = मान्य, विधिमान; Value = मूल्य; Visa = वीजा, प्रवेशपत्र; Vis-a-vis = के सामने की तुलना में, बनाम; Wage = मजदूरी, मजूरी; Warrent = अधिपत्र; Zone = जोन, अंचल।

सत्र 2014–2015 से प्रभावी

आधार पाठयक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)
बी0ए0 प्रथम वर्ष
हिंदी भाषा : द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 75**

पाठ्यक्रम

1. हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू। हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
2. हिंदी की उपभाषाओं और बोलियों का सामान्य परिचय
3. राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी
4. देवनागरी लिपि और अंक
5. निबंध–लेखन

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 2 X 10	= 20 अंक
निबंध लेखन	– 1 X 15	= 15 अंक
पाँच लघूत्तरी प्रश्न	– 5 X 5	= 25 अंक
पन्द्रह अति लघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न	– 1 X 15	= 15 अंक

सहायक ग्रंथ : डॉ0 केशवदत्त रुवाली– हिंदी भाषा : प्रथम भाग, हिंदी भाषा : द्वितीय भाग, हिंदी भाषा शिक्षण, मानक हिंदी ज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा का इतिहास, देवनागरी लिपि और अंक, हिंदी भाषा और नागरी लिपि। डॉ0 लक्ष्मण सिंह बिष्ट 'बटरोही' –हिंदी साहित्य : संक्षिप्त परिचय। डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा– हिंदी भाषा का इतिहास। डॉ0 भोलानाथ तिवारी– हिंदी भाषा। डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा – हिंदी भाषा का विकास। डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया– प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास। डॉ0 पूरनचंद्र टण्डन– व्यावहारिक हिंदी।

हिंदी विभाग
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित पाठ्यक्रम
बी0ए0 प्रथम वर्ष
हिंदी भाषा
आधार पाठ्यक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)

NOTE:

- ***The course work shall be divided into two semesters with two papers in each semester.***
- ***The Foundation course will have two papers in each semester of 75 marks each; out of which 55 marks are assigned for end semester examination and 20 marks are assigned for internal assessment in the form of class test, assignments or combination of both. The qualifying marks will be 33% (total of end semester exam and internal assessment).***

बी0ए0 प्रथम वर्ष, हिंदी भाषा का पाठ्यक्रम एकवर्षीय है, जिसमें **दो सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में दो–दो प्रश्नपत्र हैं।

प्रथम सत्रार्ध (First Semester)
हिंदी भाषा
प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिंदी वर्णमाला : स्वर और व्यंजन —05 अंक
2. हिंदी–वर्तनीः हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी–विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन। —10 अंक
3. हिंदी शब्द रचना– समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्दभेद– रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर– तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, । —16 अंक
4. पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य, परिभाषा तथा संलग्न परिशिष्ट के अंतर्गत संगृहीत– 250 अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द, हिंदी पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी प्रतिपारिभाषिक । — 12 अंक
5. विराम चिह्न और उनका प्रयोग। —06 अंक
6. वाक्य रचना, वाक्य–भेद, वाक्य–विश्लेषण, वाक्य–संस्लेषण, वाक्य–शुद्धि।—06 अंक
7. **आन्तरिक मूल्यांकन— —20 अंक**

टिप्पणी : सत्र 2003–2004 से इस पाठ्यक्रम को बी0ए0 प्रथम वर्ष की परीक्षा में उत्तीर्ण करना अनिवार्य हो गया है तथा अब इसके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ते हैं।

इस प्रश्नपत्र में केवल वस्तुनिष्ठ (Objective) प्रश्न ही पूछे जाएँगे।

परिशिष्ट

पाठ्यक्रम में निर्धारित पारिभाषिक शब्दों की सूची निम्नांकित है–

Academic = शैक्षणिक, शैक्षिक; Academic Council = विद्यापरिषद्; Academy = अकादमी; Account = लेखा, खाता, हिसाब; Accusation = दोषारोपण, अभियोग; Accuse = अभियोग लगाना; Acknowledgement = पावती, अभिस्वीकृति; Acquital = दोषमुक्ति; Academic = शैक्षणिक, शैक्षिक; Acquittal = दोषमुक्ति; Action = कारवाई, क्रिया; Ad-hoc = तदर्थ; Adjournment = स्थगन; Administration = प्रशासन; Administrator = प्रशासक; Admissible = ग्राह्य, स्वीकार्य; Admission = प्रवेश, दाखिला; Adultration = मिलावट, अपमिश्रण; Advance = अग्रिम, पेशगी; Advance Copy = अग्रिमप्रति; Adverse = प्रतिकूल; Advocate = अधिवक्ता; Affidavit = शपथपत्र; हलफनामा; Agency = अभिकरण, एजेंसी; Agenda = कार्यसूची; Agent = अभिकर्ता, एजेंट; Aggrieved = व्यथित; Agreement = अनुबंध; Alias = उर्फ; Alien = अन्यदेशीय; Allocate = बाँटना, विभाजित करना; Allotment = आबंटन; Allowance = भत्ता; Ambiguous - संदिग्धार्थी; Amendment = संशोधन; Amnesty = सर्वक्षमा; Ancestor = पूर्वज; Anexe = उपभवन; Annexure = संलग्नक; Anniversary = वर्षगाँठ; Anomaly = विषमता; Apathy = उदासीनता; Arms = आयुध, हथियार; Army = सेना, थलसेना; Arrears = बकाया; Artisan = कारीगर; Assault = हमला, प्रहार, धावा; Assembly = सभा; Assert = जोर देकर कहना, दृढ़तापूर्वक कहना; Assessee = निर्धारिती; Audit = लेखापरीक्षा, संपरीक्षा; Austerity = मितोपभोग; Authority = प्राधिकारी, प्राधिकार, प्राधिकरण; Autograph = स्वाक्षर; Autonomous = स्वायत्तशासी; Betray = विश्वाघात करना; Bias = पूर्वाग्रह; Bigamy = द्विविवाह; Bill = विधेयक, बिल; Biodata = जीवनवृत्त; Bonafide = वास्तविक, सद्भावपूर्ण; Bribe = घूस, रिश्वत; Buyer = खरीददार, क्रेता; Camp = शिविर, कैम्प; Career = वृत्ति, जीविका, जीवन; Carriage = ढुलाई, गाड़ीवाहन, सवारी डिब्बा; Cash-Chest = तिजोरी; Case = मामला, प्रकरण, स्थिति; Casual = आकस्मिक; Cell = प्रकोष्ठ; Censor = सेंसर; Century = शताब्दी, शती, सदी; Chairman = अध्यक्ष; President = सभापति; Challenge = चुनौती, आपत्ति; Chaos = अव्यवस्था; Character Roll = चरित्रपंजी; Charge = आरोप, कार्यभार; Charge-sheet = आरोप पत्र; Cheque = चेक; Chorus = वृंदगान, Chronic = जीर्ण, दीर्घकालिक; Circuit-house = विश्रामगृह, सर्किट हाउस; Circular = परिपत्र; Citizenship = नागरिकता; Civic = नागरिक; Claim = दावा, दावा करना; Clinic = निदानालय, क्लिनिक; Clue = सूत्र, संकेत; Code = संहिता, संकेत; Code-number = सांकेतिक संख्या, College = महाविद्यालय, कॉलेज, Collusion = दुरभिसंधि,

Colony = उपनिवेश, बस्ती, कॉलोनी; Column = स्तंभ, खाना; Communique = विज्ञप्ति; Concession = रियायत; Concurrence = सहमति; Conditional = सशर्त; Condolence = शोक, संवेदना; Condone = माफ करना; Conduct = आचरण; Conference = सम्मेलन; Confirmation = पुष्टि, स्थायीकरण; Consensus = मतैक्य; Consent = सम्मति; Consipiracy = षड्यंत्र; Constituency = निर्वाचन क्षेत्र; Constituent = संघटक; Constitution = संविधान, गठन; Consumable = उपभोज्य; Convener = संयोजक; Convocation = दीक्षांत समारोह; Copy = प्रतिलिपि, नकल, प्रति; Cost = लागत; Council = परिषद्, Course = पाठ्यक्रम; Covering Letter = सहपत्र; Culprit = अपराधी, दोषी; Daily दैनिक; Data = आधार सामग्री, आंकड़े; Dearness Allowance = महंगाई भत्ता; Death anniversary = पुण्यतिथि; Death-cum-retirement gratuity = मृत्युनिवृत्ति, उपदान; Debar =रोकना, वर्जन करना, Designate = नामोदिष्ट करना, अभिहित करना, Device = युक्ति, साधन; Diplomacy = राजनय; Diplomat = राजनयज्ञ; Directory = निर्देशिका; Termmenate = पदच्युत करना, बर्खास्त करना; Dispose of = निपटाना; Drawee = अदाकर्ता; Employee = कर्मचारी; Employer = नियोक्ता; Entry = प्रविष्टि; Exception = अपवाद; Exemption = छूट, माफी; Expert = विशेषज्ञ; Faculty = संकाय; False = मिथ्या, झूठा; Forecast = पूर्वानुमान; Formal = औपचारिक; Formula = सूत्र; Forward = अग्रेषण करना, अग्रवर्ती; Fund = निधि; Gallery = दीर्घा, वीथी, गैलरी; Habit = स्वभाव, आदत, अभ्यास; Her Majesty = महामहिम; Humiliation = अपमान, अनादर; Ignorance = अनभिज्ञता; Illegal = अवैध, lllegible = अपाठ्य; Illicit =निषिद्ध; Illiteracy = निरक्षरता; Ill-Will = वैमनस्य; Index = अनुक्रमणिका, सूचक; Issue = निर्गम, जारी करना, देना; Juniority = कनिष्ठता; Jurisdiction = अधिकार क्षेत्र, क्षेत्राधिकार; Lawfull = विधिसम्मत; Laxity = शिथिलता; Menu = मेनू, भोज्यतालिका; Nutrition = पोषण; Oath = शपथ; Opinion = मत, राय; Option = विकल्प; Original = मूलप्रति, मौलिक; Panel = नामिका, Pass = पास, पारण, पास करना, गुजरना; Pay = वेतन, भुगतान करना; Payee = प्राप्तकर्ता, पाने वाला, आदाता; Prerogative = परमाधिकार; Panctual = समयनिष्ठ; Put in abeyance = प्रास्थगित करना; Put up = प्रस्तुत करना; Quantity = मात्रा, परिमाण, राशि; Quash = अभिखंडित करना; Raid = छापा, छापा मारना; Random = यादृच्छिक, सांयोगिक; Ratio = अनुपात; Rebate = घटौती; Recovery = वसूली; Recommendation = संस्तुति, सिफारिश; Record = अभिलेख, कीर्तिमान; Registration = पंजीकरण; Registry = रजिस्ट्री; Regret = खेद, खेद प्रकट करना; Re-hearsal = पूर्वाभ्यास; Re-joinder = प्रत्युत्तर; Remitee = प्रेषिती, पानेवाला; Re-newal = नवीनीकरण; Report = प्रतिवेदन, रिपोर्ट; Republic day = गणंतत्र दिवस; Sabotage = तोड़फोड़, अंतर्ध्वंस; Sample = नमूना, प्रतिदर्श; Sanction = मंजूरी, संस्वीकृति, Sancity = पवित्रता, Sane = स्वस्थचित्त, Scale = माप, पैमाना, Scheme = योजना; Scholarship = छात्रवृत्ति, विद्वत्ता; Secrcey = गोपनीयता; Seizure = अभिग्रहण; Seniority = वरिष्ठता; Sine die = अनिश्चित काल के लिए; Sine Qua Non = अनिवार्य शर्त; Sir = श्रीमान्, महोदय; Site = स्थल, स्थान; Site Plan = स्थल नक्शा; Slum = गंदी बस्ती, Smuglling = तस्करी; Stay = रोक; Storey = मंजिल, तल; Strain = तनाव; Summon = सम्मन, आह्वान करना; Supply = आपूर्ति; Syndicate = अभिषद् सिंडीकेट; Tenant = किरायेदार; Tender = टेण्डर, निविदा; Tension = तनाव; Tenure = अवधि, कार्यकाल; Tenure of Office = पदावधि;

Term = अवधि; Terror = आतंक; Testimonial = संशापत्र; Time-barred = कालातीत; Timebound = समयबद्ध; Trailer = अनुयान; Train = ट्रेन, रेलगाड़ी; Trainee = प्रशिक्षाणार्थी; Transport = परिवहन; Trustee = न्यासी; Uncertain = अनिश्चित; Undertaking = उपक्रम, वचन, वचनबंध; Union = संघ; Unique =अनुपम, अपूर्व; Valid = मान्य, विधिमान; Value = मूल्य; Visa = वीजा, प्रवेशपत्र; Vis-a-vis = के सामने की तुलना में, बनाम; Wage = मजदूरी, मजूरी; Warrent = अधिपत्र; Zone = जोन, अंचल।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में एक–एक अंक के सभी वस्तुनिष्ठ (Objective) प्रश्न पूछे जाएँगे। अर्थात् 50 अंकों के इस प्रश्नपत्र के लिए 50 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिसमें उत्तर के रूप में चार विकल्प दिए जाएँगे।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : **55 X 1 = 55 अंक**

आंतरिक मूल्यांकन : **= 20 अंक**

सहायक ग्रंथ : डॉ0 बाहरी– व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, हिंदी : रूप, उद्भव–विकास, हिंदी का सामान्य ज्ञान, शुद्ध हिंदी। डॉ0 भोलानाथ तिवारी– हिंदी भाषा। रामचंद्र वर्मा– अच्छी हिंदी। डॉ0 केशवदत्त रुवाली– हिंदी भाषा : प्रथम भाग, हिंदी भाषा, द्वितीय भाग। हिंदी भाषा–शिक्षण : संक्षिप्त परिचय, हिंदी भाषा और नागरी लिपि, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा और व्याकरण, हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदी की मानक वर्तनी। किशोरीदास वाजपेयी– हिंदी शब्दानुशासन।

प्रथम सत्रार्ध (First Semester)
आधार पाठयक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)
हिंदी भाषा
द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे **MM 55**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिंदी की शैलियाँ– हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू।
2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।
3. हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ– (1) पश्चिमी हिंदी (2) पूर्वी हिंदी (3) राजस्थानी (4) बिहारी (5) पहाड़ी एवं उनकी बोलियाँ।
4. हिंदी भाषा : विविध संदर्भ।

सहायक ग्रंथ : डॉ0 केशवदत्त रुवाली– हिंदी भाषा : प्रथम भाग, हिंदी भाषा : द्वितीय भाग, हिंदी भाषा शिक्षण, मानक हिंदी ज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा का इतिहास, देवनागरी लिपि और अंक, हिंदी भाषा और नागरी लिपि। डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा– हिंदी भाषा का इतिहास। डॉ0 भोलानाथ तिवारी– हिंदी भाषा। डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा – हिंदी भाषा का विकास। डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया– प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास। डॉ0 पूरनचंद्र टण्डन– व्यावहारिक हिंदी।

द्वितीय सत्रार्ध (Second Semester)
आधार पाठयक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)
हिंदी भाषा
तृतीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे **MM 55**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. पत्र–लेखन : कार्यालयी पत्र– आवेदन पत्र, प्रत्यावेदन, प्रतिवेदन, शासकीय पत्र, अर्धशासकीय पत्र, शासनादेश, परिपत्र, अनुस्मरण–पत्र, कार्यालय आदेश, टिप्पणी, अधिसूचना, प्रेस–विज्ञप्ति, निविदा, विज्ञापन।
2. संपादक के नाम पत्र।
3. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
4. अपठित
5. संक्षेपण एवं विस्तारण
6. आंतरिक मूल्यांकन :

सहायक ग्रंथ : रामचंद्र वर्मा– अच्छी हिंदी। डॉ0 केशवदत्त रुवाली– हिंदी भाषा : प्रथम भाग, हिंदी भाषा, द्वितीय भाग। हिंदी भाषा–शिक्षण : संक्षिप्त परिचय, हिंदी भाषा और व्याकरण, डॉ0 देवसिंह पोखरिया– व्यावहारिक पत्र–लेखन कला। डॉ0 मानवेन्द्र पाठक– व्यावहारिक हिंदी।

द्वितीय सत्रार्ध (Second Semester)
आधार पाठयक्रम (फाउण्डेशन कोर्स)
हिंदी भाषा
चतुर्थ प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे **MM 55**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. हिंदी के विविध रूप– राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं सम्पर्क भाषा।
2. राजभाषा और राष्ट्रभाषा की समस्याएँ।
3. हिंदी भाषा का मानकीकरण।
4. देवनागरी लिपि और अंक

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा–

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

पाँच लघूत्तरी प्रश्न

दस अति लघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न

आंतरिक मूल्यांकन :

सहायक ग्रंथ : डॉ0 केशवदत्त रुवाली– हिंदी भाषा : प्रथम भाग, हिंदी भाषा : द्वितीय भाग, हिंदी भाषा शिक्षण, मानक हिंदी ज्ञान, हिंदी भाषा और व्याकरण, सामान्य हिंदी, हिंदी भाषा का इतिहास, देवनागरी लिपि और अंक, हिंदी भाषा और नागरी लिपि। डॉ0 लक्ष्मण सिंह बिष्ट 'बटरोही' –हिंदी साहित्य : संक्षिप्त परिचय। डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा– हिंदी भाषा का इतिहास। डॉ0 भोलानाथ तिवारी– हिंदी भाषा। डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा – हिंदी भाषा का विकास। डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया– प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास। डॉ0 पूरनचंद्र टण्डन– व्यावहारिक हिंदी।

स्नातक प्रथम सत्रार्ध (First Semester)

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र

प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य : संपादक डॉ. मानवेन्द्र पाठक

टिप्पणी : (क) निम्नांकित कवियों के रचना अंशों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे-

1. चन्दवरदायी, 2. कबीर, 3. जायसी, 4. सूरदास, 5. तुलसीदास।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से दो व्याख्याएं-	2×7=14 अंक
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2×8=16 अंक
तीन लघूत्तरी प्रश्न	3×5=15 अंक
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1X10=10 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक प्रथम सत्रार्ध (First Semester)

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्नपत्र

हिन्दी कथा-साहित्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:
1. त्यागपत्र - जैनेन्द्र
2. कहानीसप्तक - सम्पादक -डॉ.नीरजा टण्डन
अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तकों से दो व्याख्याएं-		2×7=14 अंक
दो आलोचनात्मक प्रश्न		2×8=16 अंक
तीन लघूत्तरी प्रश्न		3×5=15 अंक
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न		1X10=10 अंक
	योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन		20 अंक
	कुल योग	75 अंक

स्नातक द्वितीय सत्रार्ध [Second semester]

हिन्दी साहित्य

तृतीय प्रश्नपत्र

रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

रीतिकालीन काव्य - संपा0 प्रो0 मानवेन्द्र पाठक

टिप्पणी- अग्रांकित कवियों के रचनाअंशों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

1- केशवदास 2- बिहारी 3- देव 4- घनानंद 5- भूषण

2- काव्यांग परिचय (रस, छंद, अलंकार, शब्दशक्तियाँ)

क- छंद- निम्नांकित छंदों के उदाहरण - दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, गीतिका, सवैया, हरिगीतिका, कवित्त, ताटंक, मानव, श्रृंगार, इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, बसंततिलका, पंचचामर।

ख- अलंकार- निम्नांकित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण- अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, रूपकातिश्योक्ति, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, संदेह, भ्रांतिमान, प्रतीप, व्यतिरेक, मानवीकरण, अतिश्योक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति।

ग- रस - रसावयव- स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव।

रस भेद- श्रृंगार, हास्य, वीर, अद्भुत, करूण, रौद्र, वीभत्स, भयानक, शांत, भक्ति, वात्सल्य- रसों के लक्षण एवं उदाहरण।

घ- शब्दशक्तियाँ - शब्दशक्तियों का सामान्य परिचय- अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से दो व्याख्याएं(रीतिकालीन काव्य)-	2×7=14 अंक
दो आलोचनात्मक प्रश्न(रीतिकालीन काव्य)	2×8=16 अंक
तीन लघूत्तरी प्रश्न(काव्यांग परिचय)-	3×5=15 अंक
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न(5 रीतिकालीन काव्य+5काव्यांग परिचय	1X10=10 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक द्वितीय सत्रार्ध [Second semester]

हिन्दी साहित्य

चतुर्थ प्रश्नपत्र

नाटक एवं एकांकी

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें:

1- ध्रुवस्वामिनी- जयशंकर प्रसाद

2- चार एकांकी - एकांकी संग्रह, संपा0 प्रो0 देवसिंह पोखरिया

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से दो व्याख्याएं-	2×7=14 अंक
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2×8=16 अंक

तीन लघूत्तरी प्रश्न		3×5=15 अंक
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न		1X10=10 अंक
	योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन		20 अंक
	कुल योग	75 अंक

स्नातक तृतीय सत्रार्ध (Third Semester)

हिन्दी साहित्य

पंचम प्रश्नपत्र

द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य: संपादक डॉ. चन्द्रकला रावत

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से दो व्याख्याएं-		2×7=14 अंक
दो आलोचनात्मक प्रश्न		2×8=16 अंक
तीन लघूत्तरी प्रश्न		3×5=15 अंक
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न		1X10=10 अंक
	योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन		20 अंक
	कुल योग	75 अंक

स्नातक तृतीय सत्रार्ध (Third Semester)

हिन्दी साहित्य

षष्ठ प्रश्नपत्र

हिन्दी निबन्ध

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

1. हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्ध : संपादक डॉ. नीरजा टण्डन

टिप्पणी : (क) निम्नांकित लेखकों के निबन्धों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे-

1. कछुआ धरम-चन्द्रधरशर्मा गुलेरी, 2. साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है-बालकृष्णभट्ट, 3. कविता क्या है-रामचन्द्रशुक्ल 4. अशोक के फूल-हजारी प्रसाद द्विवेदी, 5. जीने की कला-महादेवी वर्मा, 6. पगडंडियों का ज़माना-हरिशंकर परसाई । इन निबन्धों के अतिरिक्त द्रुतपाठ के लिए निर्धारित निबन्ध हैं- 1.अस्ति की पुकार हिमालय- विद्यानिवास मिश्र, 2.रामधारी सिंह दिनकर- भारत की सांस्कृतिक एकता, 3.अतीत एक आत्ममन्थन- निर्मल वर्मा, 4. कुबेरनाथराय- एक महाकाव्य का जन्म।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से दो व्याख्याएं-	2×7=14 अंक	
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2×8=16 अंक	
तीन लघूत्तरी प्रश्न	3×5=15 अंक	
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1X10=10 अंक	
	योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन		20 अंक
	कुल योग	75 अंक

स्नातक चतुर्थ सत्रार्ध (Fourth Semester)

हिन्दी साहित्य

सप्तम प्रश्नपत्र

छायावादोत्तर हिंदी कविता

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

छायावादोत्तर हिंदी कविता : प्रो0 शिरीष कुमार मौर्य

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से दो व्याख्याएं-	2×7=14 अंक
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2×8=16 अंक
तीन लघूत्तरी प्रश्न	3×5=15 अंक
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1X10=10 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक चतुर्थ सत्रार्ध (Fourth Semester)

हिन्दी साहित्य

अष्टम प्रश्नपत्र

स्मारक साहित्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक:

स्मृति वीथिका : प्रो0 निर्मला ढैला बोरा

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से दो व्याख्याएं-	2×7=14 अंक
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2×8=16 अंक
तीन लघूत्तरी प्रश्न	3×5=15 अंक
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1X10=10 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक पंचम सत्रार्ध (Fifth Semester)

हिन्दी साहित्य

नवम प्रश्नपत्र

प्रयोजनमूलक हिंदी

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. पत्राचार : कार्यालयी पत्र, प्रारूपण, टिप्पणी, व्यावसायिक पत्र।

2. संक्षेपण एवं पल्लवन।

3. भाषा कम्पयूटिंग - वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग और फॉण्ट प्रबंधन। 4. संपादन कला - प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, फीचर लेखन, पृष्ठसज्जा एवं प्रस्तुतीकरण।

5. मीडिया लेखन - संचार भाषा का स्वरूप और वर्तमान संचार व्यवस्था।

6. प्रमुख जनसंचार माध्यम - प्रेस, रेडियो, टीवी, फिल्म, वीडियो और इंटरनेट। माध्यमोपयोगी लेखन-प्रविधि।

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न	2×10=20 अंक
पांच लघूत्तरी प्रश्न	5×5=25 अंक
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1X10=10 अंक
योग	55 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

कुल योग 75 अंक

स्नातक पंचम सत्रार्ध (Fifth Semester)

हिन्दी साहित्य

दशम प्रश्नपत्र

लोक-साहित्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक :

लोक-साहित्य - संपा0 प्रो0 चंद्रकला रावत

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से दो व्याख्याएं-	2×7=14 अंक
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2×8=16 अंक
तीन लघूत्तरी प्रश्न	3×5=15 अंक
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1X10=10 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक षष्ठ सत्रार्ध (Sixth Semester)

हिन्दी साहित्य

एकादश प्रश्नपत्र

हिंदी पत्रकारिता

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार
2. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
3. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व - समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम

4. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत - शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया

5. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्रॉफिक्स) की व्यवस्था और फोटोपत्रकारिता

6. पत्रकारिता से संबंधित लेखन : संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलोअप) आदि की प्रविधि

7. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता

8. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न	2×10=20 अंक
पांच लघूत्तरी प्रश्न	5×5=25 अंक
दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1X10=10 अंक
योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन	20 अंक
कुल योग	75 अंक

स्नातक षष्ठ सत्रार्ध (Sixth Semester)

हिन्दी साहित्य

द्वादश प्रश्नपत्र

उत्तराखंड का हिंदी साहित्य

समय: तीन घंटे पूर्णांक 75

निर्धारित पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यपुस्तक :

उत्तराखंड का हिंदी साहित्य : संपा0 प्रो0 जगतसिंह बिष्ट

अंक विभाजन इस प्रकार रहेगा-

पाठ्यपुस्तक से दो व्याख्याएं-	2×7=14 अंक
दो आलोचनात्मक प्रश्न	2×8=16 अंक
तीन लघूत्तरी प्रश्न	3×5=15 अंक

दस अति लघूत्तरी /वस्तुनिष्ठ प्रश्न		1X10=10 अंक
	योग	55 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन		20 अंक
	कुल योग	75 अंक

प्रो.नीरजा टंडन
संयोजक व अध्यक्ष
हिंदी विभाग
कुमाऊं विश्वविद्यालय
नैनीताल

पत्रांक:हिन्दी/पाठ्यसमिति/ दिनांक : 25 जून 2022

National Education Policy-2020

SYLLABUS KUMAUN UNIVERSITY

STRUCTURE OF UG HINDI SYLLABUS

2022

List of all Papers in Six Semester Semester-wise Titles of the Papers in HINDI					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
Certificate Course in ARTS-HINDI					
FIRST YEAR	I		प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य Major/Core	Theory	6
			हिन्दी भाषा :व्याकरणElective	Theory	4
			कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा /Skill Development Course (प्रस्तावित)	Theory	3
	II		हिन्दी कथा साहित्य Major/Core	Theory	6
			प्रयोजनमूलक हिन्दी/Skill DevelopmentCourse (प्रस्तावित)	Theory	3

Diploma in ARTS-HINDI					
SECOND YEAR	III		रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन Major/Core	Theory	6
			हिन्दी भाषा : स्वरूप (राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानक भाषा)Elective	Theory	4
			प्रयोजनमूलक कुमाउनी/Skill Development Course(प्रस्तावित)	Theory	3
	IV		नाटक एवं स्मारक साहित्य Major/Core	Theory	6
			हिन्दी पत्रकारिता/ Skill Development Course(प्रस्तावित)	Theory	3
Bachelor of ARTS-HINDI					
THIRD YEAR	V		द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य Major/Core	Theory	5
			छायावादोत्तर हिन्दी कविता Major/Core	Theory	5
			हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली/Project	Project	4
	VI		हिन्दी निबंध Major/Core	Theory	5
			लोकसाहित्य Major/Core	Theory	5
			साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन : भक्ति-आन्दोलन, छायावाद, प्रगतिवाद,राष्ट्रवाद, आधुनिकताबोध, उत्तरआधुनिकता में से कोई एक/Project	Project	4

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों (Skill Development Course) की स्वीकृति एवं संचालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाएगा। इस क्रम में हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग द्वारा प्रस्तुत ऐसे पाठ्यक्रमों का संचालन पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय के अधीन रहेगा।

COURSE INTRODUCTION

Programme outcomes (POs): 1.साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य समाज का प्रतिदर्श है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन व अध्ययन से शिक्षार्थी को साहित्य के सांगोपांग महत्व का ज्ञान होता है। 2.शिक्षार्थी को राष्ट्र की सर्वप्रमुख भाषा हिन्दी के अत्यन्त समृद्ध साहित्य के सम्पूर्ण स्वरूप का ज्ञान होता है। 3.शिक्षार्थी को हिन्दी साहित्य की सभी प्रमुख विधाओं का ज्ञान होता है, जिससे उसमें रचनात्मकता का प्रस्फुटन एवं विकास होता है। 4.शिक्षार्थी को जीवन के आजीविकोपार्जन सम्बन्धी पक्ष के रूप में हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप व महत्व का ज्ञान एवं प्रशिक्षण होता है। 5.साहित्य के अध्ययन में अन्य अनुशासनों के सन्दर्भ यथा सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, पर्यावरणीय आदि समाहित होते हैं। स्नातक में हिन्दी साहित्य का चयन शिक्षार्थी को समग्र रूप से शिक्षित करता है। 6.शिक्षार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित हिन्दी साहित्य की आधार व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करता है।
Programme specific outcomes (PSOs): *UG I Year / Certificate course*Arts with Hindi
1. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता तथा कथा साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा। 2. शिक्षार्थी स्नातक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी व्याकरण का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा । 3. शिक्षार्थी प्रमाण पत्र वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। 4. प्रथम वर्ष में शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजाविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

Programme specific outcomes (PSOs): *UG III Year / Bachelor of ARTS with Hindi*	
PSO 1	1. शिक्षार्थी स्नातक उपाधि वर्ष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की द्विवेदीयुगीन, छायावादी तथा छायावादोत्तर एवं समकालीन कविता, हिन्दी निबन्ध एवं लोक-साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO2	2. शिक्षार्थी के पास उपधि वर्ष में विगत वर्षों के अध्ययन से हिन्दी साहित्य के विविध पक्षों तथा उनके अकादमिक स्वरूप ज्ञान होगा, उसे हिन्दी भाषा के व्याकरण एवं स्वरूप का ज्ञान होगा, उसे कार्यालयी हिन्दी तथा पत्रकारिता जैसे रोजगारपरक विषयों का ज्ञान होगा और वह आगे की शिक्षा एवं शोध के लिए भाषा तथा साहित्य के उच्चस्तरीय आधारभूत ज्ञान व कुशलता के साथ उपाधि प्राप्त करेगा।

Programme specific outcomes (PSOs): *UG II Year/ (Diploma in ARTS with Hindi*
1. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में हिन्दी की रीतिकालीन कविता व काव्यांग परिचय तथा नाटक एवं स्मारक साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगा। 2. शिक्षार्थी स्नातक डिप्लोमा पाठृयक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक/सहायक विषय के रूप में हिन्दी भाषा के स्वरूप का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा । विकल्प के रूप में यह चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा । 3. शिक्षार्थी डिप्लोमा वर्ष में एवं कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम के रूप में हिन्दी पत्रकारिता का ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। 4. शिक्षा में बाधा हो जाने की स्थिति में शिक्षार्थी हिन्दी तथा अन्य विषयों के साथ स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करेगा, जिसका लाभ उसे आजीविका प्राप्त करने में प्राप्त होगा।

	Year wise Structure of UG / BA (CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)										
	Subject:Hindi										Total Credits /hrs/
Course/ Entry –Exit Levels	Year	Sem.	Paper 1 Major Course	Credit	Paper 2 Minor Elective	Credit 4/5/6	Paper 3 Vocational/Skill Development Course	Credit s /hrs	Research Project	Credit/	
Certificate Course In Arts-HINDI	I	I	प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य	6	हिन्दी भाषा :व्याकरण	4	कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा/Skill Development Course(प्रस्तावित)	3			13
		II	हिन्दी कथा साहित्य	6			प्रयोजनमूलक हिन्दी/Skill Development Course(प्रस्तावित)	3			09
Diploma in Arts HINDI	II	III	रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन	6	हिन्दी भाषा :स्वरूप (राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानक भाषा आदि)	4	प्रयोजनमूलक कुमाउनी/Skill Development	3			13

							Course(प्रस्तावित)				
		IV	नाटक एवं स्मारक साहित्य	6			हिन्दी पत्रकारिता/ Skill Development Course(प्रस्तावित)	3			09
Bachelor of Arts HINDI	III	V	द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य	5					हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली	4	14
			छायावादोत्तर हिन्दी कविता	5							
		VI	हिन्दी निबंध	5					साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन : भक्ति-आन्दोलन, छायावाद, प्रगतिवाद,राष्ट्रवाद, आधुनिकता बोध, उत्तरआधुनि	4	14

									कता में से कोई एक		
			लोकसाहित्य	5							

Comments	कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों (Skill Development Course) की स्वीकृति एवं संचालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाएगा। इस क्रम में हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग द्वारा प्रस्तुत ऐसे पाठ्यक्रमों का संचालन पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय के अधीन रहेगा।

Internal Assessment & External Assessment			
Internal Assessment	Marks 25	External Assessment	Marks 75
नियतकार्य, समूहचर्चा, कक्षा सेमिनार, मौखिकी आदि		लिखित परीक्षा	

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS-Hindi*	Year: I	Semester:I Paper-I
Subject: Hindi		
CourseCode:	Course Title: **प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य**	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
2.शिक्षार्थी चंदबरदाई, जायसी व तुलसी के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विधा का शिल्पगत परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
3.शिक्षार्थी आदिकालीन वीरकाव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
4.शिक्षार्थी निर्गुण काव्यधारा व संत साहित्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा तथा उसके अंतर्गत रामभक्ति तथा कृष्णभक्ति शाखा के महत्वपूर्ण काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures

Unit I	प्राचीन हिन्दी काव्य : परिचय एवं इतिहास	10
Unit II	भक्तिकालीन हिन्दी काव्य :भक्ति आन्दोलन,प्रमुख सिद्धान्त, निर्गुण काव्य – ज्ञानमार्ग, प्रेममार्ग, सगुण काव्य – रामभक्ति, कृष्णभक्ति, सूफीकाव्य	10
Unit III	चंदबरदाई और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit IV	कबीर और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit V	जायसी और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit VI	सूरदास और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक)	10
Unit VII	तुलसीदास और उनका काव्य व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्यपुस्तक प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य (संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक)	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

पाठ्यपुस्तक

1.प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य -संपादक :डॉ .मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)

सहायक ग्रंथ

2 कबीर :एक नई दृष्टि -डॉ .रघुवंश, लोकभारती, 15 एक, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,

3. जायसी :एक नई दृष्टि -डॉ .रघुवंश, लोकभारती, इलाहाबाद,

4. जायसीतर हिंदी सूफी कवियों की बिम्ब योजना -डॉ .मृदुला जुगरान, सरिता बुक डिपो, नई दिल्ली।

5. जायसी -विजयदेव नारायण साही; हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS – Hindi*	Year: I	Semester:I Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: **हिन्दी भाषा :व्याकरण**	
Course Outcomes: 1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा के व्यावहारिक प्रयोजनार्थ वर्तनी एवं शब्दों के मानक स्वरूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है। 2.शिक्षार्थी व्यावहारिक प्रयोजनार्थ शुद्ध लेखन हेतु हिन्दी की वाक्य-संरचना एवं व्याकरण का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है। 3.शिक्षार्थी को व्यावहारिक-व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हिन्दी भाषा की अत्यन्त समृद्ध शब्द सम्पदा तथा उसकी समाहार- समायोजन शक्ति का ज्ञान होता है। 4.शिक्षार्थी कार्यालयी प्रयोजनार्थ पारिभाषिक –प्रतिपारिभाषिक शब्दों के प्रयोग का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।		
Credits:4	Elective Paper	

Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वर्ण विचार - हिंदी वर्णमाला :स्वर और व्यंजन,वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण	07
Unit II	हिंदी-वर्तनीः हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी-विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन।	07
Unit III	शब्द विचार :- (व्याकरण के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण)विकारी और अविकारी शब्द	07
Unit IV	हिंदी शब्द रचना -समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द की परिभाषा, रचना के आधार पर शब्द भेद -रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर -तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द।	07
Unit V	पारिभाषिक शब्द :तात्पर्य, परिभाषा। शब्दों के हिंदी प्रतिपारिभाषिक शब्द, हिंदी पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी प्रतिपारिभाषिक ।	07
Unit VI	विरामचिह्न और उनका प्रयोग।	07
Unit VII	वाक्यरचना, वाक्य-भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य-संश्लेषण, वाक्य-शुद्धि।	07

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total-60

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति,बद्रीनाथ कपूर वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक।
2. हिंदी व्याकरण,कामता प्रसाद गुरु इलाहाबाद :लोकभारती प्रकाशन।
3. हिंदी व्याकरण विमर्श, तेजपाल चौधरी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
4. हिंदी भाषा: कल आज कल, पूरन चन्द्र टंडन, मुकेश अग्रवाल, किताबघर : नई दिल्ली।
5. मानक हिंदी व्याकरण और रचना, हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान : नई दिल्ली।
6. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी,नई दिल्ली :वाणी प्रकाशन।
7. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण,कैलाश चन्द्र भाटिया,तक्षशिला प्रकाशन: नई दिल्ली।
8. अच्छी हिंदी, रामचन्द्र वर्मा, इलाहाबाद :लोकभारती प्रकाशन।
9.हिंदी शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, वाराणसी :नागरी प्रचारिणी सभा।
10.हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम,रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव,नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन।

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS- Hindi*	Year: I	Semester:II Paper-I
Subject: Hindi		
Course	Course Title: **हिंदी कथा-साहित्य**	

Code:	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी की कथा परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी हिन्दी कहानी के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानी विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी कथा-साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिन्दी में गद्य का आरम्भ : आधुनिककाल	10
Unit II	हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास	10
Unit III	हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास	10

Unit IV	हिन्दी उपन्यास का शिल्प	10
Unit V	हिन्दी कहानी का शिल्प	10
Unit VI	त्यागपत्र : जैनेंद्र	10
Unit VII	प्रतिनिधि हिन्दी कहानियाँ: उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नमक का दरोगा – प्रेमचंद, आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद, पाजेब- जैनेन्द्र कुमार, परदा -यशपाल, दोपहर का भोजन – अमरकान्त, वापसी – उषा प्रियंवदा	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

पाठ्यपुस्तक

1. कहानी सप्तक - संपादक:प्रो .नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी(व्याख्या हेतु संकलित कहानियाँ)

सहायक ग्रंथ

2. कहानी :नई कहानी -डॉ .नामवर सिंह, लोकभारती, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,
3. हिंदी कहानी :पहचान और परख -इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कहानी :संवाद का तीसरा आयाम -बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली,
6. कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद
7. समकालीन हिंदी कहानी -गंगाप्रसाद विमल) सं., मैकमिलन, दिल्ली।

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:III Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: **रीतिकालीन काव्य एवं काव्यांग विवेचन**	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कविताओं के आधार पर रीतिकालीन कविता की कला और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत रस के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत छंद के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत अलंकार के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी काव्यांग के अन्तर्गत शब्द शक्ति के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रीतिकाल : परिचय व इतिहास	05

Unit II	रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ	05
Unit III	प्रमुख रीतिकालीन कवि : 1. केशवदास 2. बिहारी 3. देव 4. घनानंद 5. भूषण **रीतिकालीन काव्य -संपादक :प्रो .मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)**	20
Unit IV	छंद –निम्नांकित छंदों के लक्षण एवं उदाहरण -दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, सवैया, बरवै, गीतिका, हरिगीतिका, कवित्त, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा	10
Unit V	अलंकार –निम्नांकित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण -अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, संदेह, भ्रांतिमान, प्रतीप, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति।	10
Unit VI	रस :रसावयव -स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव। रसभेद -श्रृंगार, हास्य, वीर, अद्भुत, करुण, रौद्र, वीभत्स, भयानक, शांत, भक्ति, वात्सल्य –रसों के लक्षण एवं उदाहरण।	10
Unit VII	शब्दशक्तियाँ- शब्दशक्तियों का सामान्य परिचय -अभिधा, लक्षणा, व्यंजना ,शैली विज्ञान का संक्षिप्त परिचय।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70+20 Total-90

पाठ्यपुस्तक

1. रीतिकालीन काव्य -संपादक :प्रो .मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)

सहायक ग्रंथ

2. काव्यप्रदीप –रामबहोरी शुक्ल,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
4. मध्यकालीन बोध का स्वरूप -डॉ .हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
5. मध्यकालीन काव्य साधना -डॉ .वासुदेवसिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
6. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. रस, छंद, अलंकार -डॉ .केशवदत्त रुवाली, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा,

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:III Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title:हिन्दी भाषा :स्वरूप	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी को हिन्दी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को हिन्दी की शैलियों यथा हिन्दी, हिन्दुस्तानी व उर्दू का ज्ञान होता है, जो भाषा के व्यावहारिक प्रयोग में काम आता है।
3. शिक्षार्थी को हिन्दी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग अधिक कुशलता के साथ कर पाता है।
4. शिक्षार्थी को राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होता है, जिसकी आवश्यकता उसे सरकारी सेवाओं में होती है।
5. शिक्षार्थी विभिन्न व्यावहारिक व व्यावसायिक प्रयोजनों हेतु हिन्दी के मानकीकृत रूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
6. शिक्षार्थी कम्प्यूटर व इंटरनेट की तकनीक में हिन्दी के प्रयोग का आरंभिक ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Credits:4	Elective Paper
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।	07
Unit II	हिंदी की शैलियाँ- हिंदी, हिंदुस्तानी, उर्दू।	07

Unit III	हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ) -1 पश्चिमी हिंदी)2 पूर्वी हिंदी)3 राजस्थानी)4 बिहारी)5 पहाड़ी एवं उसकी बोलियाँ।	07
Unit IV	राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा,	10
Unit V	हिन्दी और न्यू मीडिया ।	05
Unit VI	देवनागरी लिपि एवं अंक।	07
Unit VII	निबंध लेखन।	06
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total-60

सहायक ग्रंथ

1 डॉ .केशवदत्त रुवाली -हिंदी भाषा :प्रथम भाग, हिंदी भाषा :द्वितीय भाग

2. डॉ .धीरेन्द्र वर्मा -हिंदी भाषा का इतिहास।

3. डॉ .भोलानाथ तिवारी -हिंदी भाषा।

4. डॉ .देवेन्द्र नाथ शर्मा –हिंदी भाषा का विकास।

5. डॉ .कैलाश चंद्र भाटिया -प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास।

6. डॉ .पूरनचंद्र टण्डन -व्यावहारिक हिंदी।

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:IV Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: **नाटक एवं स्मारक साहित्य**	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी नाटक की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी नाटक के स्वरूप एवं प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक के अध्ययन के आधार पर नाट्य समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी को हिन्दी में स्मारक साहित्य लेखन परम्परा का ज्ञान होता है।
5. शिक्षार्थी को स्मारक साहित्य के स्वरूप व उसकी विधाओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
6. शिक्षार्थी को महान साहित्यकारों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को पढ़ने से उच्च जीवन मूल्यों की शिक्षा व प्रेरणा प्राप्त होती है।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of

		Lectures
Unit I	नाटक : विधागतस्वरूप, उद्भव एवं विकास	10
Unit II	जयशंकर प्रसाद कृत ध्रुवस्वामिनी	10
Unit III	स्मारक साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप, उद्भव एवं विकास	10
Unit IV	संस्मरण : तुम्हारी स्मृति–माखनलाल चतुर्वेदी, स्मरण का स्मृतिकार (रायकृष्ण दास) – अज्ञेय, दादा स्वर्गीय पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'—डॉ. नगेन्द्र, निराला भाई –महादेवी वर्मा रेखाचित्र : महाकवि जयशंकर प्रसाद –शिवपूजन सहाय, मकदूम बख्श– सेठ गोविन्ददास, एक कुत्ता और एक मैना –हजारीप्रसाद द्विवेदी, ये हैं प्रोफेसर शशांक –विष्णुकान्त शास्त्री	10
Unit V	जीवनी एवं आत्मकथा	10
Unit VI	यात्रावृत्त एवं रिपोर्ताज	10
Unit VII	स्मारक साहित्य की अन्य विधाएँ	10

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

पाठ्यपुस्तक

1. स्मरण वीथिका– प्रो. निर्मला ढैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित संस्मरण एवं रेखाचित्र)

सहायक ग्रंथ

2. प्रसाद के नाटक :स्वरूप और संरचना -डॉ .गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारीरोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी स्मारक साहित्य -डॉ .केशवदत्त रुवाली एवं डॉ .जगत सिंह बिष्ट, तारामण्डल, अलीगढ़।
4. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ -डॉ .निर्मला ढैला एवं डॉ .रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़।

DEGREE COURSE IN UG		
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: V Paper-I
Subject: Hindi		

Course Code:	Course Title: **द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य**

Course Outcomes:

1.शिक्षार्थी हिन्दी के द्विवेदी युग व नवजागरण काल के विषय में ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

2.शिक्षार्थी हिन्दी कविता के छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

3.शिक्षार्थी खड़ी बोली हिन्दी की आरम्भिक समर्थ काव्य-परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।

4.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित द्विवेदीयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित छायावादयुगीन कविताओं के अध्ययन से तत्कालीन हिन्दी कविता के स्वरूप, महत्व तथा शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

6.शिक्षार्थी आधुनिक कविता की समीक्षा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	द्विवेदी युगीन काव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्वऔर संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प, काव्यालोचना	08

Unit II	छायावादीकाव्य : युगीन प्रवृत्तियाँ, महत्व और संक्षिप्त इतिहास, काव्यभाषा, काव्यशिल्प और काव्यालोचना	09
Unit III	अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (माँ की ममता, सच्चे देवते तथा साहसी)	08
Unit IV	मैथिलीशरणगुप्त (पंचवटी)	08
Unit V	जयशंकर प्रसाद (आँसू तथा गीत)	08
Unit VI	सुमित्रानंदन पंत (परिवर्तन तथा प्रथम रश्मि)	08
Unit VII	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (वंदना, जुही की कली तथा वह तोड़ती पत्थर)	08
Unit VIII	महादेवी वर्मा (गीत–धीरे धीरे उतर क्षितिज से, बीन भी हूँ मैं, लाए कौन संदेश नए घन, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो, हे चिर महान, सब बुझे दीपक जला लूँ)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

पाठ्यपुस्तक

1. द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य -संपादक :प्रो .चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएँ)

सहायक ग्रंथ

2. छायावाद –नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
3. छायावाद और रहस्यवाद -गंगाप्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
4. आधुनिक कविता यात्रा -रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
5. निराला :मूल्यांकन -इन्द्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
6. पंत की काव्य भाषा -कांता पंत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
7. छायावाद की परिक्रमा -डॉ .श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

<table>
<tr><td colspan="4">DEGREE COURSE IN UG</td></tr>
<tr><td colspan="2">Programme:Degree Course in ARTS- Hindi</td><td>Year: III</td><td>Semester: V
Paper-II</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject: Hindi</td></tr>
<tr><td>Course Code:</td><td colspan="3">Course Title: छायावादोत्तर हिंदी कविता</td></tr>
<tr><td colspan="4">Course Outcomes:
1. शिक्षार्थी छायावादोत्तरी कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।</td></tr>
</table>

4. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रगतिवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 5. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में प्रयोगवाद का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 6. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में नयी कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है। 7. शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता में समकालीन कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।	
Credits:5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रगतिवाद : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	14
Unit II	प्रयोगवाद : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	08
Unit III	नयी कविता : विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	08
Unit IV	समकालीन हिन्दी कविता : विविध विचार, काव्यप्रवृत्ति, विशेषताएँ, महत्व प्रमुख कवि	15
Unit V	कविताएँ एवं व्याख्या - 1 अज्ञेय (कलगी बाजरे की,यह दीप अकेला) 2. मुक्तिबोध (भूल-गलती, एक रग का राग) 3. नागार्जुन (कालिदास, अकाल और उसके बाद) 4. शमशेर बहादुर सिंह (सूना-सूना पथ है उदास झरना,वह सलोना जिस्म) 5. कुँवर नारायण	20

	(नचिकेता) 6. भवानी प्रसाद मिश्र (कहीं नहीं बचे,गीतफ़रोश) 7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (मैंने कब कहा,हम ले चलेंगे) 8. केदारनाथ सिंह (रचना की आधी रात,फ़र्क नहीं पड़ता)	
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

पाठ्यपुस्तक

1. छायावादोत्तर हिंदी कविता -संपादक :प्रो .शिरीष कुमार मौर्य, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कविताएं)

सहायक ग्रंथ

2. नई कविताएँ : एक साक्ष्य -डॉ .रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
3. नयी कविता : नये कवि -डॉ .विश्वम्भर मानव, लोकभारती, इलाहाबाद,
4. हिंदी के आधुनिक कवि -डॉ .द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां –नामवर सिंह,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,
6. छायावादोत्तर हिन्दी कविता के प्रतिमान –प्रो .निर्मला ढैला बोरा, आधार शिला प्रकाशन, हल्द्वानी
7. छायावाद की परिक्रमा -डॉ .श्यामकिशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,

DEGREE COURSE IN UG		
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: V Project
Subject: Hindi		

Course Code:	Course Title:लघुशोध अध्ययन एवं कार्य –हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली

Course Outcomes:

शिक्षार्थी इस लघु शोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का ज्ञान प्राप्त करता है। विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिन्दी के प्रसार के लिए यह अध्ययन आवश्यक है।

Credits:4	Project
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : परिभाषा एवं अर्थ। वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग –स्थापना, इतिहास, उद्देश्य आदि।	20
Unit II	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : चयन एवं निर्माण, प्रकिया एवं महत्व।	20
Unit III	वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली : समस्याएं और समाधान।	20

	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: VI Paper-I
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title: **हिंदी निबंध**	
Course Outcomes: 1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक सम्बन्ध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त करता है।		

4.शिक्षार्थी निबंध के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है। 5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।		
Credits: 5	Core Compulsory	
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	निबन्ध विधा – परिचय, स्वरूप, शिल्प तथा प्रकार उद्भव एवं विकास	09
Unit II	बालकृष्ण भट्ट (साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)	08
Unit III	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (कछुआ धर्म)	08
Unit IV	रामचन्द्रशुक्ल (कविता क्या है)	08
Unit V	महादेवी वर्मा (जीने की कला)	08

Unit VI	हजारी प्रसाद द्विवेदी (अशोक के फूल)	08
Unit VII	हरिशंकर परसाई (पगडंडियों का ज़माना)	08
Unit VIII	विद्यानिवास मिश्र (अस्ति की पुकार)	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

पाठ्यपुस्तक

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंध -संपादक :प्रो .नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित निबन्ध)

सहायक ग्रंथ

2. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार -डॉ .हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारीरोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार -डॉ .गंगाप्रसाद, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. हिंदी गद्य :विन्यास और विकास -डॉ .रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: VI Paper-II
Subject: Hindi		

Course Code:	Course Title: **लोक साहित्य**

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी साहित्य के लोकपक्ष का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप, अध्ययन की प्रविधियों, संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी लोकगीतों के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी लोक नाट्य के स्वरूप, उसके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी लोककथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
7. शिक्षार्थी लोकगाथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतों तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
8. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित लोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures

Unit I	लोक-साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, लोक संस्कृति अध्ययन की प्रक्रिया, संकलन प्रविधि और समस्याएँ।	15
Unit II	लोक-गीत : अर्थ एवं स्वरूप, संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम परिहार-गीत, ऋतु-गीत।	12
Unit III	लोक-नाट्य : अर्थ एवं स्वरूप, विविध रूप–रामलीला, स्वाँग, यक्षगान, भवाई, नाच, तमाश, नौटंकी, जात्रा, कथकली।	12
Unit IV	लोक-कथा : अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार -व्रत-कथा, परीकथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक रूढियाँ एवं अभिप्राय।	12
Unit V	लोक-गाथा : अर्थ एवं स्वरूप, उत्पत्ति, परम्परा, सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध लोक-गाथाएँ– राजुला-मालूशाही, गौरा-माहेश्वरी, तीलूरौतेली।	14
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

पाठ्यपुस्तक

1. लोकसाहित्य–सम्पादक :प्रो .चन्द्रकला रावत, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित लोकसाहित्य)

सहायक ग्रंथ

2. लोक साहित्य की भूमिका :कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय :विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय लोक साहित्य :श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
5. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय

DEGREE COURSE IN UG		
Programme:*Degree Course in ARTS- Hindi*	Year: III	Semester: VI Project
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title:**लघुशोध अध्ययन एवं कार्य – साहित्यिक विचारधाराओं का अध्ययन**	
Course Outcomes: शिक्षार्थी इस लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से हिन्दी की साहित्यिक विचारधाराओं का ज्ञान प्राप्त करता है। हिन्दी साहित्य में उच्चस्तरीय शोध के लिए यह पूर्व-अध्ययन अत्यन्त आवश्यक है।		

Credits:4		Project
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures/Hours
Unit I	निम्नांकित विचारधाराओं अथवा साहित्य आन्दोलनों में से किसी एक पर लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य करना है – 1. भक्ति-आन्दोलन 2. छायावाद 3. प्रगतिवाद 4. राष्ट्रवाद 5. आधुनिकताबोध 6. उत्तरआधुनिकता	60
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total-60

कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों (Skill Development Course) की स्वीकृति एवं संचालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर किया जाएगा। इस क्रम में हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग द्वारा प्रस्तुत ऐसे पाठ्यक्रमों का संचालन पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए निर्णय के अधीन रहेगा।

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS- Hindi*	Year: I	Semester:I Paper-III
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title :कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा	

Course Outcomes:		
1. शिक्षार्थी संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी स्थानीय सांस्कृतिक परम्पराओं से परिचित होता है। 3. शिक्षार्थी कुमाउनी संस्कृति के विवधि पक्षों से परिचित होता है। 4. शिक्षार्थी कुमाउनी के सामान्य व्याकरण तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।		
Credits:3		Skill Development Course (प्रस्तावित)
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संस्कृति : अर्थ एवं स्वरूप, मानव सभ्यताओं का विकास और स्थानीय संस्कृतियाँ, कुमाउनी संस्कृति का परिचय एवं विविध पक्ष	13
Unit II	कुमाउनी भाषा : परिचय एवं स्वरूप, कुमाउनी भाषा के विविध रूप	12
Unit III	कुमाउनी का सामान्य व्याकरण– वर्णमाला, शब्द रचना आदि	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08

		Total-45

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS- Hindi*	Year: I	Semester:II Paper-II
Subject Hindi		
Course Code:	Course Title : **प्रयोजनमूलक हिंदी**	
Course Outcomes: 1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 2.शिक्षार्थी सामान्य कार्यालयी प्रयोजनों यथा कार्यालयी पत्राचार, प्रारूपण, टिप्पण आदि में हिन्दी के प्रयोग का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 3.शिक्षार्थी हिन्दी भाषा की कम्प्यूटिंग यथा टाइपिंग, फांट प्रबन्धन, वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग का ज्ञान प्राप्त करता है। 4.शिक्षार्थी मीडिया यथा प्रेस, रेडियो, टी.वी. वीडियो, इंटरनेट आदि के क्षेत्र में लेखन-सम्पादन सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करता है। 5. शिक्षार्थी जनसंचार माध्यमों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।		
Credits:3	Skill DevelopmentCourse	

		(प्रस्तावित)
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100		Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, रूप, विशेषताएँ, प्रयुक्तियाँ, महत्व, उपयोगिता, सीमाएँ और सम्भावनाएँ	08
Unit II	पत्राचार : प्रारूपण आलेखन, टिप्पण, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालय-ज्ञापन, ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, पृष्ठांकन, अधिसूचना, अनुस्मारक, प्रेस विज्ञप्ति, सूचना	08
Unit III	भाषा कम्प्यूटिंग : डेटा, वर्ड प्रोसेसिंग, फांट प्रबंधन, यूनिकोड हिन्दी फांट	08
Unit IV	अनुवाद : स्वरूप, प्रकार एवं महत्व, भाषांतरण, लिप्यातंरण	08
Unit V	संचार : स्वरूप, कार्यक्षेत्र व प्रकार, जनसंचार और भाषा	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	40 05 Total-45

पाठ्यपुस्तक

1.प्रयोजनमूलक हिन्दी :विविध सन्दर्भ–प्रो.निर्मला ढैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी

सहायक ग्रंथ

2. हिंदी कार्मिकी (प्रयोजनमूलक हिंदी)- डॉ. शंकरक्षेम एवं डॉ. कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली,
4. प्रयोजनमूलक हिंदी:सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
5. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलकहिंदी- डॉ. रमाप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन दरियागंज, नईदिल्ली
6. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन- डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन
7. कामकाजी हिंदी- डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन दिल्ली,

DIPLOMA COURSE IN UG			
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*		Year: II	Semester:III Paper-III
Subject :Hindi			
Course Code:	Course Title: प्रयोजनमूलक कुमाउनी		

Course Outcomes:	
1. शिक्षार्थी प्रयोजनमूलक कुमाउनी भाषा का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 2. शिक्षार्थी सरकारी कार्यो/प्रतियोगी परीक्षाओं व साक्षात्कार माध्यमों आदि में कुमाउनी के प्रयोग का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है। 3. शिक्षार्थी मीडिया यथा प्रेस, रेडियो, टी. वी. तथा इंटरनेट आदि के क्षेत्र में कुमाउनी में लेखन- संपादन संबंधी ज्ञान प्राप्त करता है। 4. शिक्षार्थी अनुवाद की प्रक्रिया का परिचय व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।	
Credits: 3	Skill Development Course (प्रस्तावित)
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्रयोजनमूलक कुमाउनी का अभिप्राय, कुमाउनी का व्यावहारिक प्रयोग	06
Unit II	परीक्षाओं/साक्षात्कारों में कुमाउनी,जनसंचार माध्यमों में कुमाउनी- पत्र-पत्रिकाएं, रेडियो, टी0वी0, इंटरनेट तथा नव जनसंचार में कुमाउनी,टी0वी0 धारावाहिक,फिल्मों तथा गीतों में कुमाउनी	11

Unit III	कुमाउनी में कोश विषयक कार्य, कुमाउनी तथा अन्य बोली-भाषाओं में द्विभाषिक या बहुभाषिक शब्द कोश (ङ) अन्य क्षेत्रों में कुमाउनी।	10
Unit IV	अनुवाद : हिंदी से कुमाउनी में अनुवाद, कुमाउनी से हिंदी में अनुवाद।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	37 08 Total-45

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: *Diploma Course in ARTS- Hindi*	Year: II	Semester:IV Paper-II
Subject: Hindi		
Course Code:	Course Title : हिंदी पत्रकारिता	

Course Outcomes: 1. शिक्षार्थी को पत्रकारिता के स्वरूप और प्रमुख प्रकारों का ज्ञान होता है। 2.शिक्षार्थी को हिन्दी पत्रकारिता के उद्भव और विकास का ज्ञान होता है। 3. शिक्षार्थी को पत्रकारिता के मूल तत्वों का ज्ञान होता है। 4. शिक्षार्थी को सम्पादन कला के विभिन्न आयामों का ज्ञान होता है। 5. शिक्षार्थी को पत्रकारिता से जुड़ी लेखन प्रविधियों का ज्ञान होता है। 6. शिक्षार्थी को प्रेस क़ानून तथा प्रेस आचार संहिता का ज्ञान होता है। 7. शिक्षार्थी को लोकतंत्र में मुक्त पत्रकारिता के महत्व का ज्ञान प्राप्त होता है।		
Credits: 3	Skill DevelopmentCourse (प्रस्तावित)	
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	Min. Passing Marks: 10 +30 =40	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		
Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार । हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।	08

Unit II	समाचार के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया।	08
Unit III	दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।	08
Unit IV	पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।	08
Unit V	प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता।	08
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	40 05 Total-45

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी पत्रकारिता: स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास- अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी पत्रकारिता हमारी विरासत (दोखण्ड)- शंभुनाथ (सं.), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. साहित्यिक पत्रकारिता- ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. विज्ञान पत्रकारिता- डॉ. मनोज पटैरिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. पत्रकारिता के नए आयाम- एस0के0दुबे, लोकभारती, प्रकाशन इहालाबाद।